

मध्यमकालीन खर्च संरचना  
(आ.व. ०७९/८०-०८२/८३)  
प्रतिवेदन २०८०



कपुरकोट गाउँपालिका  
गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय  
सल्यान  
कर्णाली प्रदेश, नेपाल

## विषय—सूची

|   |    |
|---|----|
| परिचय   | १  |
| १.१ पृष्ठभूमि                                   | १  |
| १.२ मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अवधारणा            | २  |
| १.३ मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीको उद्देश्य     | २  |
| १.४ मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमाका आधारहरू    | ३  |
| १.५ मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा प्रक्रिया    | ३  |
| परिच्छेद २                                      | ७  |
| मध्यमकालिन खर्च संरचना                          | ७  |
| २.१ पृष्ठभूमि                                   | ७  |
| २.२ दीर्घकालिन सोच, लक्ष्य, उद्देश्य तथा रणनीति | ७  |
| दीर्घकालिन सोच                                  | ७  |
| २.४ प्राथमिकताका क्षेत्र                        | ९  |
| २.४ मध्यमकालीन आर्थिक खाका                      | ९  |
| श्रोत: वडा सर्भे २०७९                           | १० |
| २.५ मध्यमकालिन नतिजा खाका                       | १० |
| २.५ वजेटको त्रिवर्षिय अनुमान                    | ११ |
| परिच्छेद—तीन                                    | १६ |
| आर्थिक क्षेत्र                                  | १६ |
| ३.१ कृषि तथा पशुपंछि विकास क्षेत्रगत            | १६ |
| ३.१.१ वर्तमान अवस्था                            | १६ |
| ३.१.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उद्देश्य          | १६ |
| सोच   | १६ |
| ३.१.३ राणनीति                                   | १७ |
| ३.२ भूमि व्यवस्था , सहकारी तथा गरिवी निवारण     | १८ |
| ३.२.१ वर्तमान अवस्था गाउँपालिका                 | १८ |
| ३.२.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उद्देश्यहरू       | १८ |
| ३.२.३ रणनीति                                    | १९ |
| ३.२.४ अपेक्षित उपलब्धी                          | १९ |
| ३.३ श्रम तथा रोजगारी                            | १९ |
| ३.३.१ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उद्देश्यहरू       | १९ |
| ३.३.२ रणनीति                                    | २० |
| ३.३.३ बैंक तथा वित्तिय संस्था                   | २० |
| ३.४ वर्तमान अवस्था                              | २१ |
| ३.४.१ अन्वेषण तथा सिर्जनात्मकता                 | २१ |
| ३.४.२ सोच, लक्ष्य र उद्देश्य                    | २१ |
| सोच   | २१ |
| ३.४.३ रणनीति                                    | २२ |
| ३.४.४ अपेक्षित उपलब्धी                          | २२ |
| ३.५ पर्यटन - ग्रामिण तथा स्थानीय पर्यटन         | २२ |

|   |    |
|---|----|
| ३.५.१ वर्तमान अवस्था                    | २२ |
| ३.५.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उदेश्य    | २३ |
| सोच,                                    | २३ |
| ३.५.३ रणनीति                            | २३ |
| ३.६ उद्योग, व्यापार र आपूर्ति व्यवस्था  | २४ |
| ३.६.१ वर्तमान अवस्था                    | २४ |
| ३.६.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उदेश्यहरु | २४ |
| ३.६.३ रणनीति                            | २५ |
| ३.६.४ अपेक्षित उपलब्धिहरु               | २५ |
| ३.७ वन विकास तथा व्यवस्थापन             | २५ |
| ३.७.१ वर्तमान अवस्था                    | २५ |
| ३.७.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उदेश्यहरु | २६ |
| सोच                                     | २६ |
| ३.७.३ रणनीति तथा कार्यनीतिहरु           | २६ |
| ३.७.४ अपेक्षित उपलब्धी                  | २६ |
| ३.७ जोखिम पक्ष तथा अनुमान               | २७ |
| परिच्छेद पाँच :                         | २८ |
| सामाजिक विकास क्षेत्र                   | २८ |
| ४.१ शिक्षा                              | २८ |
| ४.१.१ वर्तमान अवस्था                    | २८ |
| ४.१.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उदेश्य    | २८ |
| ४.१.३ रणनीति तथा कार्यनीतिहरु           | २९ |
| ४.१.४ अपेक्षित उपलब्धी                  | २९ |
| ४.२ स्वास्थ्य, पोषण तथा खाद्य सुरक्षा   | ३० |
| ४.२.१ वर्तमान अवस्था                    | ३० |
| ४.२.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उदेश्य    | ३० |
| सोच,                                    | ३० |
| ४.२.३ रणनीति                            | ३० |
| ४.२.४ अपेक्षित उपलब्धी                  | ३१ |
| ४.३ यूवा तथा खेलकुद                     | ३१ |
| ४.३.१ वर्तमान अवस्था                    | ३१ |
| ४.३.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उदेश्य    | ३२ |
| सोच,                                    | ३२ |
| ४.३.३ रणनीति तथा कार्यनीतिहरु           | ३२ |
| ४.३.४ अपेक्षित उपलब्धी                  | ३२ |
| ४.४ अन्वेषण तथा सिर्जनात्मकता           | ३३ |
| ४.४.१ वर्तमान अवस्था                    | ३३ |

|   |    |
|---|----|
| ४.४.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उदेश्य                      | ३३ |
| सोच,  | ३३ |
| ४.४.४ अपेक्षित उपलब्धी                                    | ३४ |
| ४.५ खानेपानी तथा सरसफाई                                   | ३४ |
| ४.५.१ वर्तमान अवस्था                                      | ३४ |
| ४.५.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उदेश्यहरु                   | ३४ |
| ४.५.३ रणनीति तथा कार्यनीतिहरु                             | ३४ |
| ४.५.४ अपेक्षित उपलब्धी                                    | ३५ |
| ४.६ लैंगिक तथा सामाजिक समावेशीता                          | ३५ |
| ४.६.१ वर्तमान अवस्था                                      | ३५ |
| ४.६.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उदेश्यहरु                   | ३५ |
| ४.६.३ रणनीति  | ३६ |
| ४.६.४ अपेक्षित उपलब्धी                                    | ३६ |
| ४.७ लक्षित वर्ग उत्थान-वालवालीका, विपन्न तथा जेष्ठ नागरिक | ३७ |
| ४.७.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उदेश्यहरु                   | ३७ |
| ४.७.३ रणनीति तथा कार्यनीतिहरु                             | ३७ |
| ४.७.४ अपेक्षित उपलब्धी                                    | ३८ |
| ४.८ भाषा, संस्कृति, कला साहित्य                           | ३८ |
| ४.८.१ वर्तमान अवस्था                                      | ३८ |
| ४.८.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उदेश्यहरु                   | ३९ |
| सोच,  | ३९ |
| ४.८.३ रणनीति तथा कार्यनीतिहरु                             | ३९ |
| ४.८.४ अपेक्षित उपलब्धी                                    | ३९ |
| ४.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान                                 | ४० |
| परिच्छेद ५ : पूर्वाधार विकास                              | ४१ |
| ५.१ आवास तथा वस्ती विकास                                  | ४१ |
| ५.१.१ वर्तमान अवस्था                                      | ४१ |
| ५.१.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उदेश्यहरु                   | ४१ |
| ५.१.३ रणनीति  | ४१ |
| ५.१.४ अपेक्षित उपलब्धी                                    | ४२ |
| ५.२ सडक तथा यातायात                                       | ४२ |
| ५.२.१ वर्तमान अवस्था                                      | ४२ |
| ५.२.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उदेश्यहरु                   | ४३ |
| ५.२.३ रणनीति  | ४३ |
| ५.२.४ अपेक्षित उपलब्धी                                    | ४३ |
| ५.३ सिंचाई  | ४४ |
| ५.३.१ वर्तमान अवस्था                                      | ४४ |

|   |    |
|---|----|
| ५.३.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उदेश्यहरु   | ४४ |
| ५.३.३ रणनीति                              | ४४ |
| ५.३.४ अपेक्षित उपलब्धी                    | ४५ |
| ५.४ विद्युत तथा बैकल्पिक उर्जा            | ४५ |
| ५.४.१ वर्तमान अवस्था                      | ४५ |
| ५.४.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उदेश्यहरु   | ४५ |
| ५.५ सञ्चार तथा सूचना प्रणाली              | ४६ |
| ५.५.१ वर्तमान अवस्था                      | ४६ |
| ५.५.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उदेश्यहरु   | ४६ |
| ५.५.३ रणनीति तथा कार्यनीतिहरु             | ४६ |
| ५.५.४ अपेक्षित उपलब्धी                    | ४७ |
| ५.६ ढल निकास, फोहोरमैला प्रशोधन पूर्वाधार | ४७ |
| ५.६.१ वर्तमान अवस्था                      | ४७ |
| ५.६.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उदेश्यहरु   | ४७ |
| ५.६.३ रणनीति                              | ४७ |
| ५.६.४ अपेक्षित उपलब्धी                    | ४८ |
| ५.७ सार्वजनिक निर्माण                     | ४८ |
| ५.७.१ वर्तमान अवस्था                      | ४८ |
| ५.७.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उदेश्यहरु   | ४८ |
| सोच                                       | ४८ |
| ५.७.३ रणनीति तथा कार्यनीतिहरु             | ४९ |
| ५.७.४ अपेक्षित उपलब्धी                    | ४९ |
| ५.८ जोखिम पक्ष तथा अनुमान                 | ४९ |
| परिच्छेद ६ :                              | ५० |
| वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन               | ५० |
| ६.१ जलाधार तथा जैविक विविधता संरक्षण      | ५० |
| ६.२ वातावरण संरक्षण तथा प्रदुषण           | ५१ |
| ६.३ जलवायु परिवर्तन                       | ५२ |
| ६.३.१ वर्तमान अवस्था                      | ५२ |
| ६.३.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उदेश्यहरु   | ५२ |
| ६.४ बाढी पहिरो तथा भूक्षय नियन्त्रण       | ५३ |
| ६.४.१ वर्तमान अवस्था                      | ५३ |
| ६.६ विपद व्यवस्थापन                       | ५४ |
| ६.६.१ वर्तमान अवस्था                      | ५४ |
| परिच्छेद ७ :                              | ५६ |
| संस्थागत विकास तथा सुशासन                 | ५६ |
| ७.१ सुशासन, ऐन, नियम तथा जवाफदेहिता       | ५६ |

|  |    |
|--|----|
| परिच्छेद ८   | ५७ |
| विषय क्षेत्रगत खर्च  | ५७ |
| ८.१ विषयगत क्षेत्रको मध्यकालिन खर्च संरचनाको खाका  | ५७ |
| ८.२ कार्यक्रम तथा आयोजनाको योजना तथा कार्यक्रम बमोजिम तीन आ.व. को बजेट खर्च प्रक्षेपण                              | ६० |
| २.७.४ कार्यक्रमको प्राथमिकीकरण, सांकेतिकीकरण, तथा त्रिवर्षिय खर्च अनुमान   | ७३ |
| ८.४ रणनीतिक स्तम्भको आधारमा आगामि ३ आ.व. को बजेट प्रक्षेपणको बाँडफाड   | ९४ |
| रणनीतिक स्तम्भको आधारमा आगामी तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण निम्नानुसार तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ॥ | ९४ |
| तालिका २९: रणनीतिक स्तम्भका आधारमा बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण   | ९४ |
| ८.५ कार्यक्रम तथा आयोजनाको प्राथमिकता क्रम बमोजिम तीन आ. व.को बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण                            | ९५ |
| तालिका ३०: प्राथमिकताक्रमका आधारमा बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण (रु. )  | ९५ |
| ८.६ दिगो विकास लक्ष्यका आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण   | ९६ |
| तालिका ३१: दिगो विकास लक्ष्यका आधारमा बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण (रु. )   | ९६ |
| ८.७ लैंगिक संकेतका आधारमा तीन आर्थिक वर्षको अनुमान र प्रक्षेपण   | ९८ |
| तालिका ३२: लैंगिक संकेतका आधारमा बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण रु.   | ९८ |
| ८.८ जलवायु संकेतका आधारमा तीन आर्थिक वर्षको अनुमान र प्रक्षेपण   | ९८ |

## परिच्छेद १

### परिचय

#### १.१ पृष्ठभूमि

हरेक मुलुकमा नागरिकहरूका आवश्यकता र आकांक्षा असमित हुन्छन तर स्रोत सिमित हुन्छन । सिमित साधन र श्रोतको उच्चतम उपयोग गरी द्रुत , सन्तुलित र दिगो विकास हाँसिल गनए योजनाबद्ध विकासको अवधारण शुरु भएको पाईन्छ । यस अन्तर्गत सर्वप्रथम आवधिक विकास योजना तर्जुमा गरी योजनाको लक्ष्य हासिल गर्न कार्यक्रम तथा बजेट तर्जुमा गरी लागु गरिन्छ । आवधिक विकास योजना सामान्यतया ५ वर्षको लागि तयार गरिन्छ । निर्वाचित जनप्रतिनिधीहरूको कार्यकाल पनि ५ वर्षको हुने भएकोले आफुले वनाएको योजनाको कार्यान्वयन आफ्नै कार्यकालमा पूरा गरी जनता विच गरिएको वाचा पुरा गर्ने अवसर मिल्दछ । कानुनी व्यवस्था अनुसार हरेक आर्थिक वर्षको लागि तीनै तहका सरकारले तोकिएको मितिमा वार्षिक कार्यक्रम तथा बजेट घोषणा गर्दछन् । आवधिक विकास योजना र वार्षिक कार्यक्रम तथा बजेट बीच तालमेल नमिल्ने अवस्था पनि देखा पर्ने भएकोले ३ वर्षे मध्यमकालिन खर्च संरचना तयार गरी कार्यान्वयन गर्नु पर्दछ ।

आवधिक योजना र वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रमबीच अन्तरसम्बन्ध कायम गरी सार्वजनिक खर्च व्यवस्थापलाई प्रभावकारी वनाउने मुल उद्देश्यका साथ आ.व. २०५९/६० देखि अवलम्बन गरिएको मध्यमकालीन खर्च संरचनाको प्रमुख उद्देश्य प्राथमिकताका आधारमा सार्वजनिक स्रोतको बाँडफाँट गरी खर्चको प्रभावकारिता बढाउनु हो । मध्यमकालीन खर्च संरचनाले स्थानीय तहमा विकास योजनाको लक्षित नतिजा हासिल गर्न स्रोत साधनको प्रभावकारी विनियोजन र परिचालन, पारदर्शी र मितव्ययी खर्च प्रणाली, वित्तीय सुशासन जस्ता पक्षमा सुधार ल्याउन महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह गर्दछ । अन्तरसरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४ र आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व ऐन, २०७६ ले समेत स्थानीय तहले मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गरी कार्यान्वयन गर्न अनिवार्य गरेको सन्दर्भमा कपुरकोट गाउँपालिकाले मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार पारेको हो ।

मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमावाट मूलत बजेटको अभाववाट कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु अधुरो हुने अर्थात बजेट सुनिश्चितता जोड दिने र १५ औं योजनाले निर्दिष्ट गरेको राष्ट्रिय लक्ष्य, प्राथमिकता क्षेत्र तथा दिगो विकास लक्ष्यका क्षेत्रमा बजेट खर्च भई सरकारको दीर्घकालीन लक्ष्य (समृद्ध नेपाल, सुखी नेपाली), वि.सं. २१०० सम्म समुन्नत राष्ट्र तथा अतिकम विकासित राष्ट्रवाट मध्यम आय भएको मुलुकमा स्तरोन्नति हुनेमा सहयोग पुग्ने विश्वास लिइएको छ ।

मध्यमकालीन खर्च संरचना आवधिक योजना र वार्षिक योजना बीच तादात्म्यता तथा सामन्जस्यता कामय राख्ने सेतुको रुपमा रहने हुँदा यो महत्वपूर्ण छ । हरेक वर्ष बजेट कार्यान्वयन पश्चात समीक्षा हुने, समीक्षाको आधारमा बजेट परिमार्जन तथा प्रक्षेपण भई बजेट वस्तुपरक र यथार्थपरक हुने हुँदा यसवाट विनियोजनामा कुशलता आउने, कार्यान्वयन दक्षता अभिवृद्धि हुने र वित्तीय सुशासन समेत कायम हुने हुन्छ । दीर्घकालीन सोचका आधारमा आवधिक लक्ष्य, उद्देश्य र रणनीति एवं कार्यनीति तर्जुमा हुने, सोको आधारमा त्रिवर्षीय मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा हुने र त्यसलाई कार्यान्वयन गर्न वार्षिक बजेट तथा विकास कार्यक्रम तर्जुमा गर्ने गरिन्छ । वास्तवमा वार्षिक विकास कार्यक्रमहरु आवधिक लक्ष्य, उद्देश्यहरु हासिल गर्नका लागि बजेट सहित कार्यान्वयनमा ल्याइन्छ र वार्षिक बजेटमा तिनै लक्ष्य, उद्देश्य, नतिजा र उपलब्धिसंग आवद्ध गर्ने गरिन्छ ।

उपरोक्त पक्षहरूलाई मनन गर्दै कपुरकोटगाँपालिकाको मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार भएको छ । दीर्घकालीन सोच, समष्टिगत लक्ष्य र विषयक्षेत्रगत उद्देश्य एवं रणनीति खण्ड दुइमा उल्लेख भएको हुँदा सोही आधारमा आगामी ३ वर्षका लागि मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा भएको छ । यो संरचनामा उल्लिखित आयोजना कार्यक्रमहरु समेटिने गरी वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम तयार पारी कार्यान्वयनमा ल्याइने छ ।

## १.२ मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अवधारणा

सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापनको एक औजारको रूपमा मध्यमकालीन खर्च संरचनाले सरकारसँग उपलब्ध सीमित स्रोत-साधनको वस्तुनिष्ठ आँकलन गर्ने र त्यसलाई योजनाको प्राथमिकताको क्षेत्रमा मध्यम अवधिको लागि बाँडफाँट गर्ने गर्दछ। यस अन्तर्गत चालु आवधिक योजना, मध्यमकालीन खर्च संरचना र वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रमको उपलब्धिको आधारमा उत्पादन, रोजगारी, आय र लगानी लगायतका परिसूचक समावेश गरी समष्टिगत वित्तीय खाका (Medium Term Fiscal Framework—MTFF) निर्धारण गरिन्छ। स्थानीय आर्थिक खाका अनुसार समष्टिगत र विषय क्षेत्रगत नतिजा प्राप्त हुने गरी स्रोत तथा खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण गरिन्छ। संघ तथा प्रदेशबाट स्थानीय तहलाई विभिन्न शीर्षकमा प्राप्त हुने स्रोत, आन्तरिक आय, आन्तरिक ऋण तथा अन्य स्रोत समेत आकलन तथा क्षेत्रगत प्राथमिकता अनुरूप विषयगत महाशाखा/शाखा र अन्तर्गतका निकायहरूसँग सम्बन्धित नीति तथा कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्न कार्यक्रम तथा आयोजनागत रूपमा खर्चको अनुमान सहितको बजेट खाका (Medium Term Budgetary Framework – MTB) तयार गरिन्छ। यो खाका तयार गर्दा बजेटको कार्यान्वयनबाट तीन वर्षमा प्राप्त हुने प्रतिफलको पनि अनुमान गरी मध्यमकालीन नतिजा खाका (Medium Term Result Framework – MTRF) तयार गरिन्छ।

मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्दा बजेटको कार्यान्वयनबाट तीन वर्षमा प्राप्त हुने प्रतिफलको पनि अनुमान गरिन्छ। यसमा पहिलो वर्ष बजेट अनुमान हुन्छ जुन चाहि वार्षिक बजेटसँग तादाम्यता रहन्छ र बाँकी दुई वर्षको प्रक्षेपण गरिन्छ। पहिलो वर्ष बजेट कार्यान्वयन भएपछि नयाँ मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गरिन्छ। जसमा पहिलो वर्षको प्रगति समीक्षा गरिन्छ भने बाँकी दुई वर्षको विगतमा प्रक्षेपण गरेको अनुमानलाई परिमार्जन गरी एक वर्षको बजेट प्रक्षेपण थप गरिन्छ। यसरी मध्यमकालीन खर्च संरचनामा चक्रीय हिसाबले प्रत्येक वर्ष तीन वर्षको बजेटको आँकलन गर्नुपर्ने हुन्छ। यसैकारण यसलाई चक्रिय योजना (Rolling Plan) समेत भनिन्छ।

## १.३ मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीको उद्देश्य

मध्यमकालीन खर्च संरचना सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापनको एक औजार हो। यो उपलब्ध सीमित स्रोतलाई सरकार सञ्चालन र विकासका विभिन्न क्षेत्रमा बाँडफाँट गर्ने तीन वर्षीय चक्रीय खर्च योजना हो। अर्को शब्दमा मध्यमकालीन खर्च संरचना निर्दिष्ट लक्ष्य प्राप्तिका लागि आवधिक योजना र वार्षिक बजेटलाई जोड्ने पुलको कार्य गर्ने संयन्त्र हो। कपुरकोट गाउँपालिकाले मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार पार्नुका मुलभूत उद्देश्यहरु निम्नानुसार रहेका छन् :

- (क) गाँपालिकाको वार्षिक विकास योजनालाई बजेटसँग तादाम्यता कायम गरी स्रोत-साधनको विनियोजनलाई उपलब्धिमुलक बनाउने,
- (ख) आयोजनाहरूको प्राथमिकीकरण गर्न र प्राथमिकता प्राप्त आयोजनालाई स्रोतको सुनिश्चितता गर्ने,
- (ग) गाउँपालिकालाई प्राप्त हुने मध्यम अवधिको आन्तरिक र बाह्य स्रोतको वास्तविक अनुमान गरी बजेट खाका तर्जुमा गर्नु,
- (घ) उपलब्ध स्रोत साधनलाई स्थानीय तहको नीति, आवधिक योजना र वार्षिक बजेट बीच तालमेल गराई वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रमको स्थिरता र सुनिश्चितता गर्ने।
- (ङ) स्थानीय सरकारलाई जिम्मेवार र जवाफदेही बनाउन, खर्चको पारदर्शिता बढाउन तथा वित्तीय अनुशासन कायम गरी सार्वजनिक स्रोतको प्रभावकारी व्यवस्थापनमा सहयोग पुर्याउने।
- (च) गाँपालिकाको बजेट अनुमानलाई वास्तविक, सार्वजनिक खर्चलाई बढी प्रभावकारी र कुशल बनाई लक्षित प्रतिफल सुनिश्चित गर्ने।



## १.४ मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमाका आधारहरु

सार्वजनिक खर्च संरचना तर्जुमा गर्दा संविधानले व्यवस्था गरेका प्रावधानहरु एवं स्थानीय तहको अधिकार क्षेत्रभित्रका आर्थिक, सामाजिक, वातावरणीय तथा राजनीतिक पक्षसँग सम्बन्धित विभिन्न ऐन, नीति, नियमको कार्यान्वयन तथा दिर्घकालिन योजना र आवधिक योजनाको लक्ष्य हासिल गर्ने पक्षलाई ध्यान दिनु आवश्यक छ । यो मध्यकालिन खर्च संरचना तयार गर्दा देहायमा उल्लिखित कानुनी प्रावधानहरुलाई आधारको रूपमा लिइएको छ :-

- (क) नेपालको संविधान
- (ख) दिगो विकासका लक्ष्य (२०१५-२०३०)
- (ग) अन्तरसरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४
- (घ) मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा दिगदर्शन, २०७८
- (ङ) आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व ऐन, २०७६ र नियमालवी २०७७
- (च) गाउँपालिकाको आवधिक विकास योजना

## १.५ मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा प्रक्रिया

कपुरकोट गाउँपालिकाको आधारमा यस गाँपालिकाको मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीका सम्बन्धमा देहायअनुसार प्रक्रियागत चरणहरु पुरा गरी तयार गरिएको छ :

त्रि-वर्षीय खर्च प्रक्षेपणसहित कुल बजेटको आकार तयारी : गत आर्थिक वर्षको यथार्थ स्थिति, चालु आर्थिक वर्षको संशोधित अनुमान र प्रस्तुत स्रोतको प्रक्षेपणको आधारमा सम्बन्धित विषयगत समिति, विषयगत शाखा/उपशाखा/इकाई, वडा कार्यालयहरु र सहयोगी निकायहरु बीच नीतिगत छलफल गरी आगामी आर्थिक वर्षको बजेट प्रक्षेपणको प्रारम्भिक अनुमान तयार गरियो । श्रोत अनुमान तथा बजेट सिमा निर्धारण समितिले तयार गरेको गाँपालिकाको समष्टिगत अर्थतन्त्रको वर्तमान स्थिति, गाउँको वित्तीय स्थिति, वित्तीय साधनको सम्भावना, करको लचकता, राजस्व प्रक्षेपण तथा कार्यगत नीति र प्राथमिकताको आधारमा आगामी आर्थिक वर्षको कुल बजेटको आकार र सीमा निर्धारण गरियो ।

आयोजनाको छनौट र प्राथमिकता निर्धारण: गाँपालिकाको आवश्यकता, समस्या र संभावना अनुसार कार्यान्वयन योग्य र बढी प्रतिफल प्राप्त हुने विभिन्न विषय क्षेत्रगत आयोजनाको पहिचान, संभाव्यता अध्ययन/ विश्लेषण, सर्वेक्षण, डिजाइन तथा विस्तृत अध्ययन प्रतिवेदनको आधारमा आयोजनाहरुको प्राथमिकता निर्धारण गरियो ।

मध्यमकालीन खर्च संरचना र कार्यक्रम र बजेट प्रस्ताव: स्रोत अनुमान तथा बजेट सीमा निर्धारण समितिबाट प्रदान गरिएको बजेटको सीमा र मार्गदर्शन भित्र रही आवश्यकता र प्राथमिकताका आधारमा छनौट भएका आयोजना तथा कार्यक्रमको त्रिवर्षीय खर्च प्रक्षेपण सहितको मध्यमकालीन खर्च संरचना र आगामी आर्थिक वर्षको बजेट तथा कार्यक्रम प्रस्ताव गरियो ।

विषयगत प्राविधिक समितिमा छलफल: विषयगत शाखा/इकाई र वडा कार्यालयबाट प्रस्तावित त्रिवर्षीय खर्च प्रक्षेपणसहितको मध्यमकालीन खर्च संरचना र आगामी आ.व.को बजेटलाई सम्बन्धित विषयगत समितिमा छलफल गरियो । यस प्रकार छलफल गर्दा नेपालको संविधान, मौलिक हक, राज्यका नीति तथा सिद्धान्तहरु, स्थानीय तहको अधिकारको क्षेत्र, दिगो विकासका लक्ष्य, राष्ट्रिय तथा प्रदेशको दीर्घकालिन सोच, पन्ध्रौं योजना, गाउँका समस्या र संभावना आदी विषयहरुलाई मध्यनजर गरी छलफल गरियो ।

मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदा तयारी: विषयगत समितिमा छलफल पश्चात प्रस्ताव गरिएका कार्यक्रम तथा आयोजनाको त्रिवर्षीय खर्च प्रक्षेपणसहितको मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदा तयार गरियो ।

गाउँ सभामा मध्यमकालीन खर्च संरचना प्रस्तुत : उपरोक्त विधि र प्रक्रिया बमोजिम तयार पारीएको मध्यमकालीन खर्च संरचना र कार्यपालिकाबाट स्वीकृत गरिनेछ । आन्तरिक आयको प्रक्षेपण, राजस्व बाँडफाँट, नेपाल सरकार तथा प्रदेश सरकार

र अन्य क्षेत्रबाट प्राप्त हुने अनुदान एवम् आन्तरिक ऋणको प्रक्षेपणसहित बजेटको उद्देश्य, नीति, प्राथमिकता, दीर्घकालीन सोच एवम् योजनाले निर्धारित गरे बमोजिम आगामी वर्ष संचालन गरिने कार्यक्रमहरूलाई समेत समेटी आगामी आर्थिक वर्षको आय व्यय विवरण बजेट बक्तव्य मार्फत गाउँ कार्यपालिकामा स्वीकृत गरी सभामा पेश गरियो र वार्षिक बजेटसँगै मध्यमकालीन खर्च संरचना समेत गाउँसभामा पेश गरी आगामी आर्थिक वर्षको बजेट तथा कार्यक्रम सभाबाट स्विकृत गरिनेछ ।

## १.६ संस्थागत व्यवस्था

मध्यमकालीन खर्च संरचना आवधिक योजना र वार्षिक बजेटबीच तादात्म्यता कायम गर्ने औजार भएकोले वार्षिक बजेट निर्माणमा यसको महत्वपूर्ण भूमिका रहन्छ । यसका लागि स्थानीय तहमा देहाय बमोजिमको संस्थागत व्यवस्था रहेको हुन्छ । :-

### क) स्रोत अनुमान तथा बजेट सीमा निर्धारण समिति

स्रोत अनुमान तथा बजेट सीमा निर्धारण सम्बन्धी कार्य स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ कोदफा ६६ बमोजिमको समितिले गर्दछ । समितिको संरचना परिच्छेद ४ को दफा ४.६.२ मा उल्लेख गरिएको छ । मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीका सन्दर्भमा यस समितिको काम,कर्तव्य र अधिकार देहायबमोजिम रहेको छ । :-

- (क) आगामी तीन वर्षको कुल स्रोत र खर्चको प्रक्षेपण गर्ने;
- (ख) प्रक्षेपित कुल स्रोत र खर्चको आधारमा विषय क्षेत्रगत खर्चको सीमा निर्धारण गर्ने;
- (ग) मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा सम्बन्धी समग्र कार्यको निर्देशन गर्ने ।

### ख) मध्यमकालीन खर्च संरचना प्राविधिक समिति/कार्यदल

स्थानीय तहमा मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीको लागि देहाय बमोजिमको एक प्राविधिक समिति/कार्यदल रहनेछ । सो कार्यदलले प्रत्येक क्रियाकलापमा एकाइगत लागत आकलन, परिमार्जनका साथै महाशाखा/शाखा अन्तर्गतका मध्यमकालीन खर्चसंरचना तर्जुमा सम्बन्धी कार्यमा समन्वय तथा सहजीकरण गर्ने तथा सो महाशाखा/शाखाहरूको विषयगत रूपमा एकीकृत बजेट मस्यौदा तयार गर्छ :-

- (क) प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत - संयोजक
- (ख) विषयगत विभाग/महाशाखा/शाखा प्रमुखहरू - सदस्य
- (ग) योजना विभाग/महाशाखा/शाखा/एकाइ प्रमुख - सदस्य सचिव

कार्यदलले आवश्यकता अनुसार विषय विज्ञलाई आमन्त्रण गर्नसक्छ ।

मध्यमकालीन खर्च संरचना बजेट तयारी गर्ने सन्दर्भमा कार्यदलले देहायबमोजिमका कार्यहरू सम्पन्न गर्दछ:-

- (क) त्रिवर्षीय खर्चको प्रक्षेपणसहित बजेटको आकार र स्रोतको आकलन गरी स्रोत अनुमान तथा बजेट सीमा निर्धारण समिति समक्ष पेश गर्ने;
- (ख) मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारी मार्गदर्शनको मस्यौदा तयार गरी कार्यपालिकामा पेश गर्ने;
- (ग) विषयगत महाशाखा/शाखा तथा समितिहरूसँग आवश्यक समन्वय गर्ने;
- (घ) मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदा तयार गरी विषयगत समितिमा पेश गर्ने;
- (ङ) मध्यमकालीन खर्च संरचना सम्बन्धी अन्य कार्यहरू गर्ने ।

### ग) विषयगत योजना तर्जुमा समितिहरू

कार्यपालिकाबाट प्राप्त स्रोत सीमा तथा मार्गदर्शन भित्र रही विषयगत महाशाखा/शाखाहरूबाट प्राथमिकता निर्धारण भई बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समितिमा पेश भएका कार्यक्रम तथा आयोजनालाई विषयगत रूपमा छलफल, विश्लेषण र पुनः प्राथमिकता निर्धारण गरी पेश गर्ने कार्य वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा कार्यका लागि गठित विषयगत समितिहरूले गर्नुपर्नेछ । मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारी प्रक्रियामा विषयगत समितिहरूले देहायबमोजिमका कार्यहरू गर्नुपर्नेछ :-

- (क) विषयगत रूपमा कार्यक्रम तथा आयोजनाको प्राथमिकीकरणको आधार तयार गर्ने;

- (ख) कार्यदलबाट प्रस्तावित कार्यक्रम तथा आयोजनाको त्रिवर्षीय खर्च प्रक्षेपण सहितको मध्यमकालीन खर्चसंरचना र आगामी आर्थिक वर्षको बजेट उपर छलफल र विश्लेषण गर्ने;
- (ग) कार्यक्रम तथा आयोजनाकोविषयगत रूपमा प्राथमिकता निर्धारण गरी बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समितिमा पेश गर्ने ।

### घ) बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समिति

विषयगत समितिमा प्रस्ताव भएका कार्यक्रम/आयोजनाहरूको त्रिवर्षीय खर्च प्रक्षेपणसहित तयार विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचना र बजेटको एकीकृत मस्यौदा तयारी सम्बन्धी कार्य स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ६७ बमोजिमको बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समितिले गर्नुपर्दछ । मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीका सन्दर्भमा यस समितिको काम, कर्तव्य र अधिकार देहायबमोजिम छ :-

- (क) खर्चको माग र स्रोतको विश्लेषण गरी विषय क्षेत्रगत खर्चको माग र स्रोतको विवरण तयार गर्ने;
- (ख) विगतको उपलब्धि, आय र खर्चको प्रवृत्ति समेतको विश्लेषण गरी स्थानीय आर्थिक खाका तयार गर्ने;
- (ग) स्थानीय आवधिक योजनाको लक्ष्य, उद्देश्य, प्राथमिकता तथा रणनीति र चालु आर्थिक वर्षको नीति तथा कार्यक्रम, दिगो विकास लक्ष्यकोस्थानीयकरण श्रोतपुस्तिकालाईआधार लिईखर्चतथा स्रोत अनुमान सहितकोमध्यमकालीन बजेट खाका तर्जुमा गर्ने;
- (घ) स्थानीय आवधिक योजना तथा विषय क्षेत्रगत योजनाको लक्ष्य र उपलब्धि सूचकका आधारमा तोकिएको ढाँचामा समष्टिगत मध्यमकालीन नतिजा खाका तयार गर्ने;
- (ङ) विषय क्षेत्रगत सन्तुलन तथा प्राथमिकता कायम हुनेगरी स्रोत विनियोजन तथा प्रक्षेपण गर्ने; र
- (च) मध्यमकालीन खर्च संरचनालाई अन्तिम रूप दिई स्वीकृतिका लागि आगामी आर्थिक वर्षकोबजेट तथा कार्यक्रमसँगै कार्यपालिकामा पेश गर्ने ।

### १.६ मध्यमकालीन खर्च संरचना र वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुम सम्बन्धी तुलनात्मक कार्यतालिका

वार्षिक बजेट र मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमाको काम संगसंगै अघि बढाउनु पर्दछ । चालु आर्थिक वर्षको लागि खर्च संरचना तर्जुमा गरिएको छ भने त्यसमा आगामी दुई वर्षको प्रक्षेपित बजेट तथा कार्यक्रमहरू समेत समावेश गरिएको हुन्छ । आगामि आ.व.को बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा गर्दा मध्यमकालीन खर्च संरचनामा उल्लेख गरिएका सीमा र प्रक्षेपणलाई आधार मानिएको छ । मध्यमकालीन खर्च संरचना र वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा गर्न तय गरिएका काम र समय सीमा तल देखाईएको छ ।

## मध्यमकालीन खर्च संरचना र वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुम सम्बन्धी कार्यहरु

|  |                             |  |
|--|-----------------------------|--|
| बजेट, कार्यक्रम र दस्तावेज उपर छलफल गरी सभाबाट स्वीकृति  | असार मसान्तभित्र            | मध्यमकालीन खर्च संरचना र बजेट पुस्तिका प्रकाशन                     |
| बजेट तथा कार्यक्रम कार्यपालिका वाट पारित गरी सभामा पेश   | असार १० गते भित्र           | मध्यमकालीन खर्च संरचनाको स्वीकृति                                  |
| बजेट तथा कार्यक्रमको एकीकृत मस्यौदाको प्रस्ताव तयारी   | असार ५ गतेभित्र             | मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अन्तिम मस्यौदा तयारी                      |
| वडास्तरीय र विषय क्षेत्रको बजेट तथा कार्यक्रमको प्रस्ताव बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समितिमा पेश              | जेठ २५ गतेभित्र             | विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचना मस्यौदा विषयगत समितिमा छलफल  |
| वडा समिति र विषयगत महाशाखा/शाखाबाट विषय क्षेत्र आयोजना/कार्यक्रमको प्राथमिकीकरण                              | जेठ १५ गतेभित्र             | विषय उपक्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको प्रारम्भिक मस्यौदा तयारी |
| बस्तीरटोलस्तरमा योजना छनौट र वडा समितिमा पेश   | बैशाख १५ गते भित्र          | बजेट सीमा र मार्गदर्शन स्वीकृति तथा सम्प्रेषण                      |
| कूल श्रोत तथा बजेट अनुमान, बजेट सीमा निर्धारण, मार्गदर्शन तयारी एवम् महाशाखारशाखा र वडा कार्यालयमा सम्प्रेषण | बैशाख १० गतेभित्र           | बजेट सीमा निर्धारण तथा स्रोत बाँडफाँट                              |
| नीति तथा कार्यक्रम तयार गरी अध्यक्ष/प्रमुखद्वारा सभामा पेश   | बैशाख ७ गतेभित्र            | त्रिवर्षीय खर्चको प्रक्षेपणसहित बजेटको आकार र स्रोत आकलन           |
| प्रदेश सरकारबाट बाँडफाँट भई प्राप्त हुने राजस्व र वित्तीय हस्तान्तरणको खाका प्राप्ति                         | चैत मसान्त/बैशाख ७ गतेभित्र | चालु आवधिक योजना र वार्षिक विकास कार्यक्रमको समीक्षा               |
| नेपाल सरकारबाट राजस्व बाँडफाँट र वित्तीय हस्तान्तरणको सीमा प्राप्ति  | फागुन मसान्त भित्र          | कार्यपालिकाका सदस्य र विषयगत महाशाखा/शाखा प्रमुखलाई                |

## परिच्छेद २ मध्यमकालिन खर्च संरचना

### २.१ पृष्ठभूमि

मुलुकको विकासका लागि कुशल व्यवस्थापन र व्यवस्थापनका क्षेत्रमा सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापनको विशेष स्थान रहेको छ । स्रोत साधनको विनियोजन कुशलता, कार्यान्वयन दक्षता तथा वित्तिय अनुशासन जस्ता पक्षहरू सार्वजनिक वित्तको प्रभावकारी र कुशल परिचालनका लागि महत्वपूर्ण पक्षहरू हुन् भने यी पक्षहरूको प्रभावकारी व्यवस्थापनको मुख्य औजारको रूपमा मध्यकालीन खर्च संरचना रहेको छ । अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४ को दफा १७ ले संघ, प्रदेश तथा स्थानीय तहले सार्वजनिक आय व्ययको विवरण प्रस्तुत गर्दा अनिवार्य रूपमा आगामी तीन वर्षमा हुने खर्चको प्रक्षेपण सहितको मध्यकालीन खर्च संरचना तर्जुमा गर्नुपर्ने व्यवस्था गरेको छ । उक्त प्रावधान अनुसार मध्यकालीन खर्च संरचनामा प्रस्तावित योजनाको उद्देश्य तथा सो योजनाका लागि सम्भाव्यता अध्ययन गर्न वा बजेट विनियोजनमा आवश्यकताको पुष्ट्याइलाई समेट्नुपर्ने प्रस्तावित योजना कार्यान्वयन हुने आर्थिक वर्ष र त्यस पछिका दुई आर्थिक वर्षमा प्राप्त हुन सक्ने प्रतिफल र उपलब्धी समेत उल्लेख हुनुपर्ने व्यवस्था छ । यसै गरी आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तिय उत्तरदायित्व ऐन २०७६ को दफा ६ तथा नियमावली २०७७ को नियम ११ मा समेत यस सम्बन्धि व्यवस्था रहेको छ ।

नेपालमा दशौं योजना देखि नै मध्यमकालीन खर्च संरचनाको तर्जुमा र कार्यान्वयन गरी प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रमा साधन र स्रोतको विनियोजन गर्ने पद्धतिको शुरुवात गरिएको थियो । संघीय संरचना अनुरूप अन्तरसरकारी वित्त व्यवस्थापन सम्बन्धी संघीय कानूनले नेपाल सरकार, प्रदेश सरकार तथा स्थानीय तहले प्रत्येक आर्थिक वर्षमा आ-आफ्नो आवश्यकता र प्राथमिकता अनुसारका विषयहरू समावेश गरेर सार्वजनिक खर्चको अनुमानित विवरण तयार गरी आगामी तीन आर्थिक वर्षमा हुने खर्चको प्रक्षेपण सहितको मध्यकालीन खर्च संरचना तयार गर्नु व्यवस्था गरेको छ । उक्त विवरणमा चालु खर्च, पूँजीगत खर्च र वित्त व्यवस्थाका लागि आवश्यक पर्ने रकम समेत छुट्याउनु पर्ने व्यवस्था रहेकोछ । उपरोक्त संवैधानिक तथा कानूनी व्यवस्था अनुसार स्थानीय सरकारको रूपमा गाउँपालिको तय गर्न लागेको आवधिक योजना अनुसार प्राथमिकताका क्षेत्रमा साधन स्रोतको विनियोजन सहित वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा गर्न मध्यमकालीन खर्च संरचना (२०८०/८१-२०८२/८३) तर्जुमा गरिएको छ ।

### २.२ दीर्घकालिन सोच, लक्ष्य, उद्देश्य तथा रणनीति

#### दीर्घकालिन सोच

“कृषि, पर्यटन र पूर्वाधार , कपुरकोट गाउँपालिकाको विकासको आधार”

#### समष्टीगत लक्ष्य

प्राकृतिक स्रोतको समूचित उपयोग, स्थानीय पूँजीको विकास र प्रविधीको उच्चतम प्रयोगद्वारा आर्थिक तथा सामाजिक विकास गर्दै समतामा आधारित सभ्य र समन्यायिक समाज तथा समृद्ध गाउँपालिकाको निर्माण ।

#### समष्टीगत उद्देश्य

##### (क) आर्थिक क्षेत्र

प्राकृतिक स्रोतको दीगो व्यवस्थापन मार्फत कृषि, पशु, पर्यटन उत्पादन वृद्धि गर्दै स्थानीय रोजगारीका अवसरहरू वृद्धि गर्ने र सामाजिक न्याय प्रवर्द्धन हुने गरी उद्यमशिलताको विकास गर्ने ।

## (ख) सामाजिक क्षेत्र

स्वास्थ्य र शिक्षालाई सर्वसुलभ र निशुल्क बनाउँदै सबै वर्ग तथा समुदायको समन्यायीक विकासका लागि लैङ्गिक तथा सामाजिक समावेशीकरणका आधारमा स्थानीय भाषा, धर्म, कला तथा साहित्यको प्रवर्द्धन गर्दै समृद्ध समाज निर्माण गर्ने ।

## (ग) पूर्वाधार विकास

दीगो विकासका लक्ष्यसँग परिपुरक हुने गरी सार्वजनिक निर्माण (प्रशासनिक भवन, विद्यालय भवन, सामाजिक भवन, मठ मन्दिर, गुम्वा, उद्यान, संग्रालय, पुल पुलेसा आदि) सडक, सञ्चार, उर्जा, सिंचाई, स्वच्छ खानेपानी तथा सरसफाइ, सूचना प्रविधी जस्ता आधारभूत पूर्वाधार स्मार्ट गाउँपालिका (आधुनिक र प्रविधी मैत्री) को अवधारणा अनुरूप विकास गर्ने ।

## (घ) सुशासन तथा संस्थागत बिकास

सार्वजनिक प्रशासन तथा सेवा प्रवाहलाई प्रविधी मार्फत नागरिकमैत्री बनाई स्थानीय सरकारलाई नतिजामुखी र प्रभावकारी बनाउन तथा जवाफदेही नेतृत्व विकासका लागि निजी क्षेत्र, गैरसरकारी क्षेत्र र नागरिक समाजसँग सहकार्य र समन्वय मार्फत पारदर्शिता र सुशासन अभिवृद्धि गर्ने ।

## २.३ समष्टीगत रणनीति

- कृषि, मासु तथा दुधजन्य उत्पादनमा स्थानीयस्तरमा आत्मनिर्भर हुन कृषि क्षेत्रको आधुनिकीकरण र व्यावसायिकीकरण गर्ने ।
- खनिज सम्पदाको दीगो उपयोग मार्फत रोजगारी सिर्जना गर्ने ।
- स्थानीय सीप, प्रविधी र पूँजीको उच्चतम उपयोग एवं संरक्षण गर्दै स्थानीय रोजगारी सिर्जना र स्वरोजगार प्रवर्द्धन गर्ने ।
- निःशुल्क तथा सर्वसुलभ शिक्षा, दीगो स्वास्थ्य सुविधा सुनिश्चित गर्दै समन्यायमा आधारित समतामूलक समाज निर्माण गर्ने ।
- लैङ्गिक तथा सामाजिक समावेशीकरण अभिवृद्धि गर्दै स्थानीय भाषा, धर्म, कला तथा साहित्यको संरक्षण, प्रवर्द्धन र विकास गर्ने ।
- आधुनिक सडक सञ्जाल मार्फत स्थानीय उत्पादनको बजारीकरण गर्ने ।
- नागरिकहरुको सुरक्षित र व्यवस्थित आवासको हकलाई आत्मसात गर्दै विपद जोखिम न्यूनिकरण हुने गरी सुरक्षित बसोवासको प्रवन्ध गर्ने ।
- सार्वजनिक, निजी र सहकारी क्षेत्रको समन्वयात्मक सहकार्य मार्फत सामुहिक खेती एवं उत्पादनमूलक क्षेत्रमा उद्योग र व्यवसाय प्रवर्द्धन गर्ने ।
- प्रविधीमैत्री सार्वजनिक प्रशासन मार्फत भ्रष्टाचार विरुद्ध शुन्य सहनशिलता अवलम्बन गर्दै पारदर्शिता, नमुनायोग्य र परिणाममूखी स्थानीय शासन व्यवस्था सुनिश्चित गर्ने ।
- स्थानीयस्तरमा योजना छनौट देखि कार्यान्वयन तहसम्म नागरिक समाजसँग सहकार्य र समन्वय गर्ने ।
- खोलानाला तटबन्धनसँगै सडक करिडोरको विकास गरी पर्यटकीय क्षेत्रको रुपमा विकास गर्ने ।
- खेलकुदको क्षेत्रको विकास गरी राष्ट्रियस्तरका खेलाडी उत्पादन गर्ने ।
- खोला उकास, कटान र पहिरो रोकथामका लागि एकिकृत योजना सञ्चालन गर्ने र उक्त कार्यबाट विकास संरक्षण भएको जमिनमा सामुहिक खेति, उच्चमूल्य तथा बहुवर्षे नगदेवाली विकास गरि स्थानीय आयका अवसर बढाउने ।
- बाल उद्यान एवं खुला मनोरञ्जन क्षेत्रको विकास गर्ने ।

- नीजि तथा ब्यवसायिक क्षेत्रसँगको साभेदारीमा फोहोर मैला ब्यवस्थापन, सार्वजनिक सम्पतीको रक्षा, माहामारी तथा विपत बचाउ परियोजना सञ्चालन गर्ने ।
- स्थानीय कच्चापदार्थ, प्राकृतिक वस्तु र खनिजमा आधारित लघुउद्यम विकास गर्न विशेष औद्योगिक क्षेत्र विकास गर्ने ।
- योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन तथा अनुगमन कार्यमा नागरिक समाज, टोल विकास संस्था, आमा समुह, युवा क्लव, बाल क्लव आदिको सकृयता बढाउने ।

## २.४ प्राथमिकताका क्षेत्र

गाउँपालिकाले अडगिकार गरेको दीर्घकालीन सोच, आवधिक गाउँ विकास योजनाले निर्धारण गरेको लक्ष्य र बृहत तथा क्षेत्रगत उद्देश्य हासिल गर्न देहाय अनुसारका विषय क्षेत्रलाई विशेष प्राथमिकता दिइने छ ।

- दिगो स्रोतको पहिचान, मानव पुँजी निर्माण र प्रयोग ।
- उच्च तथा दिगो उत्पादन र उत्पादकत्व ।
- सुरक्षित आवास शान्ति सुरक्षा र सुशासन ।
- स्वास्थ्य, सन्तुलित पर्यावरण र सामाजिक संरक्षण ।
- दिगो, सन्तुलीत र सर्वसुलव पुर्वाधार ।
- भाषा तथा कला संस्कृतिको उत्थान र विकास ।
- लोकतन्त्र सामाजिक एकता र सम्मान ।

## २.४ मध्यमकालीन आर्थिक खाका

कपुरकोट गाउँपालिकाको आवधिक विकास योजना तथा गाउँपालिकाको सोच र लक्ष्य अनुरूप आगामी तिन आर्थिक वर्षको मध्यमकालीन खर्च संरचनाको आर्थिक खाका तयार गरिएको छ । सो अनुसार सूचकहरुको विद्यमान स्थिति गत/चालु आर्थिक वर्षको उपलब्धी तथा आगामी ३ आर्थिक वर्षको लक्ष्य निम्नानुसार तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका १: मध्यमकालिन आर्थिक खाका

| आर्थिक खाका  |               |                                    |                               |
|--|---------------|------------------------------------|-------------------------------|
| सूचकहरु  | इकाइ          | आधार वर्षको उपलब्धि ( आ.व.२०७९/८०) | मध्यकालिन लक्ष ( आ.व.२०८२/८३) |
| कृषिको कुल गार्हस्थ उत्पादन  | रुपैया करोडमा | १४९.१४                             | १५५.४१                        |
| उद्योग, व्यापार र व्यावसाय   | संख्या        | १११                                | १५१                           |
| औद्योगिक रोजगारी   | संख्या        | १५५                                | २०१                           |
| होमस्टे (सामुदायिक र नीजि)   | संख्या        | ९                                  | ११                            |
| व्यवसायिक रुपमा कृषिजन्य वस्तु, पशुपन्छी, माछा, मह आदिको उत्पादनमा संलग्न कम्पनी/फर्म/फार्महरुको | संख्या        | २९१                                | ३४३                           |
| आफ्नो उत्पादन र आमदानीबाट वर्षभरी खानपुग्ने परिवार   | प्रतिशत       | ९.३३                               |                               |

| आर्थिक खाका        |         |                                   |                              |
|--------------------|---------|-----------------------------------|------------------------------|
| सूचकहरु            | इकाइ    | आधार बर्षको उपलब्धि (आ.व.२०७९/८०) | मध्यकालिन लक्ष (आ.व.२०८२/८३) |
| प्रतिव्यक्ति आय    | रु      | ८५०९६                             | १२००००                       |
| औषत पारिवारिक आय   |         | ३६२५००                            | ५११०००                       |
| समग्र बेरोजगारी दर | प्रतिसत | २२.५                              | १८                           |

श्रोत: वडा सभे २०७९

### २.५ मध्यमकालिन नतिजा खाका

गाउँपालिकाको आवधिक विकास योजना तथा गाउँपालिकाको सोच र लक्ष्य अनुरूप आगामी तिन आर्थिक वर्षको मध्यमकालीन खर्च संरचनाको नतिजा खाका तयार गरिएको छ । सो अनुसार सूचकहरुको विद्यमान स्थिति गत/चालु आर्थिक वर्षको उपलब्धी तथा आगामी ३ आर्थिक वर्षको लक्ष्य निम्नानुसार तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

#### तालिका २: समष्टिगत नतिजा खाका

| क्र.सं. | सूचक  | एकाइ    | गत आ.व.को उपलब्धि | चालु आ.व.को अनुमानित उपलब्धि | मध्यमकालीन लक्ष्य |         |         |
|---------|---|---------|-------------------|------------------------------|-------------------|---------|---------|
|         |   |         |                   |                              | २०८०/८१           | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
| १       | मानव विकास सूचकांक                                      | सूचकांक |                   |                              |                   |         |         |
| २       | औसत आयु   | वर्ष    | ७०                | ७०                           | ७०                | ७१      | ७१      |
| ३       | ५ वर्षमुनिका कम तौल भएका बालबालिका                      | प्रतिशत | ९।६८              | ९।२                          | ९                 | ८।५     | ८       |
| ४       | साक्षरता दर   | प्रतिशत | ७९.८              | ७९।८                         | ८२                | ८५      | ९०      |
| ६       | प्राविधिक वा व्यवसायिक क्षेत्रमा तालिम प्राप्त जनसंख्या | जना     | १००३              | १२००                         | १४००              | १६००    | १८००    |
| ७       | गैर कृषिक्षेत्रमा निर्भर जनसंख्या                       | संख्या  | ५०                | ४८                           | ४५                | ४२      | ४०      |
| ८       | स्थानीय सडक (कालोपत्रे)                                 | कि.मि.  |                   |                              |                   |         |         |
| ९       | स्थानीय सडक (खण्डास्मित)                                | कि.मि.  |                   |                              |                   |         |         |
| १०      | स्थानीय सडक (धुले)                                      | कि.मि.  |                   |                              |                   |         |         |
| ११      | ३० मिनेटको दुरीमा यातायातमा पहुँच भएका जनसंख्या         | प्रतिशत | ७५                | ८०                           | ८५                | ९०      | १००     |



|    |  |         |       |       |       |       |       |
|----|--|---------|-------|-------|-------|-------|-------|
| १२ | विद्युत्मा पहुँच प्राप्त परिवार              | प्रतिशत | ६२।४  | ६५    | ७०    | ७५    | ८०    |
| 13 | सोलार प्रणाली जडान भएको परिवार               | प्रतिशत | ३४।६  | ३४।६  | ३४।६  | ३४।६  | ३४।६  |
| १४ | पाइपबाट बितरित खानेपानी उपभोग गर्ने परिवार   | प्रतिशत | ८८.४  | ९०    | ९२    | ९४    | ९६    |
| १५ | ५ वर्ष मुनीका बालबालिकाको जन्मदर्ता          | प्रतिशत | ९४.५  | ९५    | ९७    | ९८    | १००   |
| १६ | रुख बिरुवाले ढाकेको वा हरियाली वा वन क्षेत्र | संख्या  | ६६।४७ | ६६।४७ | ६६।४७ | ६६।४७ | ६६।४७ |
| 17 | स्थानीय सेवा प्रवाहमा आएका गुनासो समाधान     | प्रतिशत | ८०    | ८५    | ९०    | १००   | १००   |

### २.५ बजेटको त्रिवर्षिय अनुमान

तालिका ३ मा गत २ आ.व.को यथार्थ र चालु आ.व. २०७९।०८० को सम्सोधित अनुमानित पुजिगत तथा चालु खर्चको अवस्था देखाईएको छ। यसैको आधारमा तालिका ४ मा कपुरकोट गाउँपालिकाको आगामी ३ वर्षकालागि प्रक्षेपित वजेट परिचालनको अवस्थालाई प्रस्तुत गरिएको छ। प्रक्षेपित वजेट चालु आ.व. मा परिचालित कुल वजेट प्रति वर्ष ७ प्रतिशतले बृद्धि हुने अनुमानका आधारमा तयार पारिएको हो तर वित्तिय समानिकरण अनुदान भने बढ्ने प्रक्षेपण गरिएका छैन। आ. व. २०७७/७८ मा कुल ३३७४ लाख वजेट परिचालन भएको थियो भने आ.व. २०७८।७९ मा जम्मा बजेट रु ३७८० लाख वजेट परिचालन भएको थियो। चालु आ.व. २०७९।८० मा कुल वजेट परिचालन ५१७५ लाख हुने अनुमान गरिएको छ र यसमा संसोधित अनुमानमा बजेट घटने देखिनछ। आगामी ३ वर्ष आ.व. २०८०।८१ देखि आ.व.०८२/८३ सम्म गाउँपालिकाको कुल बजेट रु १५८८८ लाख ७५ हजार हुने प्रक्षेपण गरिएको छ। कुल परिचालित वजेट मध्ये चालु खर्च ६० प्रतिशतले रु ९५३३ लाख २५ हजार र पुजिगत खर्च रु ६३५५ लाख ५० हजार खर्च हुने प्रक्षेपण गरिएको छ। त्यसैले कपुरकोट गाउँपालिकाको योजना तर्जुमा कार्यशालाले आगामी ३ वर्षका लागि सुझाएका आयोजनाको कार्यान्वयनका लागि गाउँपालिकालाई प्राप्त हुन सक्ने सुनिश्चित वित्तिय स्रोतबाट प्राप्त हुने अनुमानित वजेट ६३ करोड ५५ लाख वरावर रहेको छ।

तालिका ३: आ.व. २०७७।०७८, २०७८।०७९ को यथार्थ र आ.व. २०७९।०८० अनुमानित खर्च

| शिर्षक  | आ.व. : २०७७/७८ | प्रतिशत | आ.व. : २०७८/७९ | प्रतिशत | आ.व. : २०७९/८० | प्रतिशत |
|---------|----------------|---------|----------------|---------|----------------|---------|
| चालु    | १९१५५७५९३.०९   | ६२.८३   | २०९५८९२१८.     | ६३.     | २७०३७७३५०.     | ५२.२३   |
| पूँजीगत | ११३३११९६७.     | ३७.१७   | १२९३१०१७५.७    | ३७.     | २४७१९४२७५.     | ४७.७७   |
| जम्मा   | ३०४८६९५६०.०९   | १००.    | ३३०८९९३९३.७    | १००.    | ५१७५७१६२५      | १००.    |

कपुरकोट गाउँपालिकाको त्रिवर्षिय आयको अनुमानको विस्तृत खाका तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका ४: त्रिवर्षिय बजेट आय प्रक्षेपण

रु

| शिर्षक                         | वास्तविक<br>आय आ.व. :<br>२०७७/७८ | वास्तविक<br>आय आ.व. :<br>२०७८/७९ | अनुमानित<br>आय आ.व. :<br>२०७९/८० | अनुमानित<br>आय आ.व. :<br>२०८०/८१ | अनुमानित<br>आय<br>२०८१/८२ | अनुमानित<br>आय आ.व. :<br>२०८२/८३ |
|--------------------------------|----------------------------------|----------------------------------|----------------------------------|----------------------------------|---------------------------|----------------------------------|
| संघीय सरकार                    | २१६३५४९१६                        | २५०२९४६८३                        | ३०९१०६०००                        | ३१३०६८४२०                        | ३२९२९२२०९                 | ३४६६५१६६४                        |
| १३३११ समानिकरण<br>अनुदान       | ८२९०००००                         | ८७१०००००                         | ९२५०००००                         | ८१३०००००                         | ८१३०००००                  | ८१३०००००.                        |
| १३३१२ शसर्त अनुदान<br>चालु     | १३३४५४९१६                        | १३५८२२५०६                        | १४८५०६०००                        | १५८९०१४२०                        | १७००२४५१९<br>.४           | १८१९२६२३५<br>.७६                 |
| १३३१३ शसर्त अनुदान<br>पुँजीगत  | ०                                | १८१५३५१५                         | २८१०००००                         | ३००६७०००                         | ३२१७१६९०                  | ३४४२३७०८.<br>३                   |
| १३३१५ विशेष अनुदान<br>पुँजीगत  | ०                                | ९०००००                           | ३०००००००                         | ३२१०००००                         | ३४३४७०००                  | ३६७५१२९०                         |
| १३३१७ समपुरक अनुदान<br>पुँजीगत | ०                                | ८३१८६६२                          | १०००००००                         | १०७०००००                         | ११४४९०००                  | १२२५०४३०                         |
| प्रदेश सरकार                   | २८४८३०६४                         | २६३२५७५८.<br>७                   | ३७२४४०००                         | ३९८५१०८०                         | ४२६४०६५५.<br>६            | ४५६२५५०१.<br>४९                  |
| १३३११ समानिकरण<br>अनुदान       | ९९२४०००                          | ८८३४०००                          | ८८८४०००                          | ८८८४०००                          | ८८८४०००.                  | ८८८४०००.                         |
| १३३१२ शसर्त अनुदान<br>चालु     | २३५८९६९                          | १०१५०८५९                         | ५४००००                           | ५७७८००                           | ६१८२४६                    | ६६१५२३.२२                        |
| १३३१३ शसर्त अनुदान<br>पुँजीगत  | ०                                | ०                                | १२००००००                         | १२८४००००                         | १३७३८८००                  | १४७००५१६                         |
| १३३१५ विशेष अनुदान<br>पुँजीगत  | ०                                | ०                                | ५८२००००                          | ६२२७४००                          | ६६६३३१८                   | ७१२९७५०.२<br>६                   |
| १३३१७ समपुरक अनुदान<br>पुँजीगत | ०                                | ७३४०८९९.७                        | १०००००००                         | १०७०००००                         | ११४४९०००                  | १२२५०४३०                         |
| १३३१४ विशेष अनुदान             | ३४३३३७२                          | ०                                | ०                                | ०                                | ०                         | ०                                |

|  |            |           |           |          |           |           |
|--|------------|-----------|-----------|----------|-----------|-----------|
| चालु   |            |           |           |          |           |           |
| १३३१६ समपुरक अनुदान चालु                                     | १२७६६७२३   | ०         | ०         | ०        | ०         | ०         |
| राजस्व बाडफाड  | ५५३३२१८७.६ | ६४३२३७०५. | ८१५६१०००  | ७८३५०९०० | ९३३७९१८८. | ९९९१५७३२. |
|  | ९          | ९६        |           |          | ९         | १२        |
| ११३१५ घरजग्गा रजिष्टेशन दस्तुर                               | ६६४८२९     | ८६३८०३    | ८०००००    | ७५६०००   | ९१५९२०    | ९८००३४.४  |
| ११४११ बाँडफाँड भई प्राप्त हुने मूल्य अभिवृद्धि कर            | ४१९८८१४४.४ | ४७३०९९४०. | ७९९६१०००  | ७६८४५९०० | ९१५४७३४८. | ९७९५५६६३. |
|  | ४          | २२        |           |          | ९         | ३२        |
| ११४२१ बाँडफाँड भई प्राप्त हुने अन्तःशुल्क                    | १२१५४३२९.० | १५२६९२८२. | ०         | ०        | ०         | ०         |
|  | ८          | ६२        |           |          |           |           |
| ११४५६ बाँडफाँटबाट प्राप्त हुने सवारी साधन कर                 | ५१३७८८.१७  | ७५३१२९.७६ | ७०००००    | ६४९०००   | ८०१४३०    | ८५७५३०.१  |
| १४१५३ बाँडफाँड भई प्राप्त वन रोयल्टी                         | ११,०९७.००  | १२७५५०.३६ | १०००००    | १०००००   | ११४४९०    | १२२५०४.३  |
| अन्तरिक श्रोत  | ४०६०९७०.३७ | ४६०१३१८.८ | ५००००००.  | ५३५००००. | ५७२४५००.  | ६१२५२१५.  |
|  |            | २         |           |          |           |           |
| ११३१४ भुमिकर/मालपोत  | १५३६५२१.१५ | ६२५४९४.२४ | १००००००   | १०७००००  | ११४४९००   | १२२५०४३   |
| ११३२२ वहाल विटौरी कर   | ०          | ०         | ५०,०००.०० | ५३५००    | ५७२४५     | ६१२५२.१५  |
| ११६११ व्यवसायले भुक्तानी गर्ने                               | १९३९१३     | ३८१६६१.२४ | ५०००००    | ५३५०००   | ५७२४५०    | ६१२५२१.५  |
| ११३२१ घरवहाल कर  | २८९१७८.४७  | ९२,९४६.०० | २०००००    | २१४०००   | २२८९८०    | २४५००८.६  |
| ११४५२ पुर्वाधार सेवाको उपयोगमा लाग्ने कर                     | ०          | ०         | १०००००    | १०७०००   | ११४४९०    | १२२५०४.३  |
| ११६३१ कृषितथा पशुजन्य वस्तुको व्यावसायिक कारोवारमा लाग्ने कर | ०          | ०         | १०००००    | १०७०००   | ११४४९०    | १२२५०४.३  |

|   |                  |                  |                  |                  |                  |                  |
|---|------------------|------------------|------------------|------------------|------------------|------------------|
| ११६९१ अन्य कर                                   | २१९३९७.५         | ५००१७७.३४        | ५०००००           | ५३५०००           | ५७२४५०           | ६१२५२१.५         |
| १४२२१ न्यायिक दस्तूर                            | १,२००.००         | ९००              | १०,०००.००        | १०७००            | ११४४९            | १२२५०.४३         |
| १४२२४ परीक्षा शुल्क                             | ४६,५००.००        | ०                | ४०,०००.००        | ४२८००            | ४५७९६            | ४९००१.७२         |
| १४२४२ नक्सापास दस्तूर                           | ०                | ०                | १०००००           | १०७०००           | ११४४९०           | १२२५०४.३         |
| १४२४३ सिफारिश दस्तूर                            | १४९३९१०.२५       | १४७३६५५          | १८०००००          | १९२६०००          | २०६०८२०          | २२०५०७७.४        |
| १४२४४ व्यक्तिगत घटना दर्ता दस्तूर               | ११४७५०           | २२३१००           | २५००००           | २६७५००           | २८६२२५           | ३०६२६०.७५        |
| १४२४५ नाता प्रमाणित दस्तूर                      | ६३,६००.००        | ७८,४००.००        | २०००००           | २१४०००           | २२८९८०           | २४५००८.६         |
| १४२५४ रेडियो/ एफ.एम.सञ्चालन दस्तूर              | ०                | ०                | ५०,०००.००        | ५३५००            | ५७२४५            | ६१२५२.१५         |
| १४३१३ धरौटी सदरस्याहा                           | ०                | ०                | ०                | ०                | ०                | ०                |
| १५१११ बेरूजू                                    | १०२०००           | १२२४९८५          | १०००००           | १०७०००           | ११४४९०           | १२२५०४.३         |
| कृषि क्षेत्र विकास कार्यक्रम तथा जनसहभागित समेत | ०                | ०                | ०                | ४०००००००         | ४०००००००         | ४०००००००         |
| सुस्वा परियोजना                                 | ०                | ०                | ०                | २०००००००         | २०००००००         | २०००००००         |
| ३२१२२ बैंक मौज्दात                              | ३३१७०९७७.१९      | ३२५३२५५६.१६      | ८३७९७३७५         | -१०००००००.       | ०                | ०                |
| वैदेशिक श्रोत                                   | ०                | ०                | ८४३२५०           | ९०२२७७.५         | ९६५४३६.९३        | १०३३०१७.५१       |
| १३१११ द्विपक्षीय वैदेशिक चालु अनुदान            | ०                | ०                | ८४३२५०           | ९०२२७७.५         | ९६५४३६.९३        | १०३३०१७.५१       |
| <b>जम्मा</b>                                    | <b>३३७४०२११५</b> | <b>३७८०७८०२३</b> | <b>५१७५५१६२५</b> | <b>४९७५२२६७८</b> | <b>५३२००१९९१</b> | <b>५५९३५११३०</b> |

तालिका ५: आ.ब. २०८०।०८१ देखि आ.ब. २०८२।०८३ सम्मको त्रिबर्षिय खर्चको प्रक्षेपण

| शिर्षक  | आ.ब. : २०८०।०८१ | आ.ब. : २०८१।०८२ | आ.ब. : २०८२।०८३ | जम्मा      | प्रतिशत |
|---------|-----------------|-----------------|-----------------|------------|---------|
| चालु    | २९८५१३६०७       | ३१९२०११९५       | ३३५६१०६७८       | ९५३३२५४७९  | ६०      |
| पूँजीगत | १९९००९०७१       | २१२८००७९६       | २२३७४०४५२       | ६३५५५०३२०  | ४०      |
| जम्मा   | ४९७५२२६७८       | ५३२००१९९१       | ५५९३५११३०       | १५८८८७५७९९ | १००     |

## परिच्छेद-तीन आर्थिक क्षेत्र

### ३.१ कृषि तथा पशुपंछी विकास क्षेत्रगत

#### ३.१.१ वर्तमान अवस्था

कपुरकोट गाउँपालिकाको अर्थतन्त्रको आधार कृषिक्षेत्रको कुल गार्हस्थ उत्पादन रु १४९.१४ करोड छ । कृषि भूमिको उत्पादकत्व ५१४ मे.ट. प्रति रोपनी छ । वार्षिक २ देखि ३ पटक औसतमा २५.८३ प्रतिशत बाली क्षेत्रमा रासायनिक मल प्रयोग गरिन्छ । प्राङ्गारिक बालीको अनुपात २१.६६ प्रतिशत छ । कपुरकोट गाउँपालिकामा ८७ वटा सरकारी तथा निजीस्तरका नमूना कृषि तथा पशु फर्मको स्थापना हुनुले कपुरकोटमा कृषि तथा पशुपालन व्यवसाय फस्टाउदै गएको छ । यस गाउँपालिकामा भएका कृषकहरु मध्ये कुल २.८३ प्रतिशत किसानले मात्र बाली तथा पशुपंछी विमा गराएका छन् ।

दुध उत्पादनमा गाउँपालिका आत्मनिर्भर बन्दै गएको छ । कृषि उपजको भण्डारणका लागि कुनै पनि केन्द्र सञ्चालनमा नरहेको तर आउँदा वर्षहरुमा सामुदायिक भण्डारण केन्द्र सञ्चालनमा गर्ने लक्ष्य यस गाउँपालिकाले लिएको छ । गाउँपालिकाले भूमिको उत्पादकत्व बढाई कृषि बाली तथा खाद्यान्नको माग पुरा गर्ने वातावरणको निर्माण गर्ने, कृषि उत्पादनको आयात प्रतिस्थापन गर्ने, सामुदायिक भण्डारण केन्द्रको सञ्चालन तथा व्यवस्थापन, सिंचाइसुविधाको विस्तार लगायतका कार्यहरु गर्नु आवश्यक छ ।

कृषक समुहको प्रवर्द्धन, महिला एवं दलित कृषक समुहको गठन, पशुपालक समुहको गठन, युवा लक्षित व्यवसायिक कृषि कार्यक्रम, कृषि तथा पशुसेवा प्रसारको पहुँचमा वृद्धि, भूमिमा प्राङ्गारिक मलको प्रयोगमा जोड, लगायतका गतिविधि मार्फत कपुरकोटमा कृषि क्षेत्रको विकासका लागि प्रयास गरिएको भए तापनि कृषि उत्पादनको व्यापार घाटामा भएको तथ्यले वर्तमान कृषि तथा पशुजन्य उपजले कपुरकोट वासीको माग धान्न नसकेको अवस्थालाई देखाउँछ । सिंचाइ पुर्याउन सकिने ३९.६९ प्रतिशत जमीनमा सिंचाइ सुविधा पुर्याउन सकिएको छैन । सबै क्षेत्रका किसानको वित्तीय स्रोतमा सहज पहुँच पुगेको छैन । सबै वडामा दक्ष कृषि जनशक्तिको पहुँच पुग्न सकेको छैन । आवश्यक भण्डारण केन्द्रमा सबै सेवा ग्राहीको पहुँच पुगेको छैन ।

कपुरकोट गाउँपालिकामा १ वडा १ कृषि तथा पशु प्राविधिक कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिइनु, पशुपंछी विकासमा सुधार हुँदै जानु, युवा लक्षित व्यवसायिक कृषि कार्यक्रमबाट युवा लाभान्वित हुनु, कृषि तथा पशु फर्मको विस्तार हुनु, कृषि केन्द्रित सहकारी गतिविधि बढ्दै जानु यस क्षेत्रका अवसरहरु हुन् । हाटबजारको विस्तार एवं आधुनिकीकरण गर्नु, सिंचाइ सुविधाको विस्तार गरी कृषि उत्पादकत्व बढाउनु, सहकारीको उत्पादनशील क्षेत्रमा लगानी बढाउनु, भण्डारण केन्द्रको स्थापना र व्यवस्थापन गर्नु, कृषि क्षेत्रमा लगानी बढाउनु यस क्षेत्रका चुनौतीहरु हुन् ।

#### ३.१.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उद्देश्य

##### सोच

गुणस्तरीय कृषि उत्पादन, दीगो खाद्य आपूर्ती र स्वस्थ ग्रामीण जीवन ।

##### लक्ष्य

स्वस्थ कृषि तथा पशुजन्य उत्पादन बढाई खाद्य आत्म निर्भर गाउँपालिका बनाउने ।

##### उद्देश्यहरु

- स्थानीय प्रविधिमा आधारित प्राङ्गारिक कृषि, बहुवर्षे बाली र कृषि पूर्वाधार थप्नु ।
- कृषि भूमिको बर्गीकरण गरि प्राकृतिक क्षमताका आधारमा बाली प्राथमिकता तोक्नु ।
- पशुपंछी र मत्स्य पालक कृषकहरुलाई व्यवसायिक प्रोत्साहन गर्नु ।
- सहकारीका माध्यमबाट पोषणयुक्त कृषि उपज उत्पादनमा प्रोत्साहन गर्नु ।

### ३.१.३ राणनीति

- प्राङ्गारिक खेतीको विस्तार गर्ने ।
- कृषि भूमिको उत्पादकत्वका आधारमा भूमिको वर्गीकरण गर्ने ।
- कृषि सहकारीको लगानी वृद्धि गरी कृषि, पशु तथा मत्स्य उत्पादनलाई बढावा दिने ।

तालिका ६: नतिजा खाका (कृषि तथा पशुपन्छी)

| क्र.सं. | सुचक   | इकाइ                | आधार वर्ष<br>२०७९/८० | आ.व. २०८२/८३ |
|---------|--|---------------------|----------------------|--------------|
| १       | सरकारी तथा निजी स्तरका नमुना कृषि तथा पशु फर्म       | संख्या              | २१.००                | २७           |
| २       | मुख्य खाद्यान्न वाली उत्पादन                         | मे.टन. प्रति वर्ष   | २६६८२.१७             | २९१५४.६७     |
| ३       | मासु उत्पादन   | कि.ग्रा. प्रति वर्ष | ३११६६.६७             | ३४०५६.६६     |
| ४       | कृषिको कुल गार्हस्थ उत्पादन                          | रुपैयां करोडमा      | ७०.५०                | ७७           |
| ५       | कृषि भूमिको उत्पादकत्व                               | मे.ट. प्रति रोपनी   | ०.४८                 | ०.५०         |
| ६       | प्राङ्गारिक वालीको अनुपात                            | प्रतिशत             | १०.३१                | १०.४७        |
| ७       | कृषि उत्पादनको आयात                                  | कि.ग्रा. प्रतिवर्ष  | ३८२२९                | ३६३३८।१      |
| ८       | कृषि उत्पादनको निर्यात                               | कि.ग्रा. प्रतिवर्ष  | ५७००                 | ६२२८.५४      |
| ९       | स्थानीय उत्पादनको ब्राण्डिङ                          | संख्या              | ३.००                 | ६            |
| १०      | उच्च मूल्यका जडिबुटी र गौरकाष्ठ वन पैदावारको उत्पादन | मे. टन              | ४.३३                 | ५.७६         |
| ११      | प्रशोधित जडिबुटिको निर्यात परिमाण                    | के.जि.              | १३३.३३               | १६०.००       |

## ३.२ भूमि व्यवस्था , सहकारी तथा गरिवी निवारण

### ३.२.१ वर्तमान अवस्था गाउँपालिका

कर्णाली प्रदेशको सल्यान जिल्लामा पर्ने कपुरकोट गाउँपालिकाको कुल क्षेत्रफल ११९.२१ व. कि. छ। खलंगा देखि ४२ कि.मि. दक्षिण र दाङको तुलसीपुर देखि १९ कि.मि उत्तरको पहाडी भूभागमा छ। यस गाउँपालिकाको खेति योग्य जमीन मध्ये १४.७० प्रतिशतमा मात्र दीगो सिचाई सुविधा छ। गाउँपालिकाको २८.८८ प्रतिशत हेक्टर खेतियोग्य जमीनमा सिचाई पुऱ्याउन कठिन छ।

सहकारी आर्थिक क्रियाकलापलाई बढावा दिई आय आर्जनको अवसर सिर्जना गर्ने भरपर्दो माध्यम हुन्। कपुरकोट गाउँपालिकामा ११ वटा सहकारी, ८ वटा कृषि सहकारी र ६ वटा महिला सहकारीले गाउँपालिका बासीमाभू वित्तीय मध्यस्थकर्ताको भूमिका निर्वाह गरेका छन्। आधार वर्षमा ३२.१६ प्रतिशत परिवार सहकारीका सदस्य बनेका छन्। सहकारीको सबै वर्ग, क्षेत्र र समुदायमा पहुँच पुऱ्याउनका लागि विशेष पहल गर्नुपर्ने आवश्यकता छ।

सिचाई पुऱ्याउन सकिने ३९.६९ प्रतिशत जमीनमा सिचाई सुविधा पुऱ्याउन सकिएको छैन। सबै क्षेत्रका किसानको वित्तीय स्रोतमा सहज पहुँच पुगेको छैन। सबै वडामा दक्ष कृषि जनशक्तिको पहुँच पुग्न सकेको छैन। आवश्यक भण्डारण केन्द्रको अभाव रहेको छ। गाउँपालिकामा ६७.८४ प्रतिशत परिवार अभैपनि सहकारीको पहुँच बाहिर रहेका छन्। सहकारी संस्था बाहेक १९ वटा प्रबद्धित महिला समूह, ८ वटा प्रबद्धित महिला कृषक समूह, १६ वटा प्रबद्धित पशुपालक समूह, १५ वटा सिचाई समूह आदिले वित्तीय क्रियाकलापलाई थप बढावा दिइरहेका छन् तर पनि सहकारीको कुशल व्यवस्थापन तथा अनुगमन हुन सकेको छैन।

यहाँको हावापानी र माटोको बनावटमा विविधता भएकाले बाली विविधिकरण गर्न सजिलो हुने र सफल पनि भईने देखिन्छ। बजारमा उच्च माग भएका र बहुवर्षे बालीहरु जस्तो हाडे बदाम, ओखर, केशर, रिट्टा, जस्ता बालीहरु बैकल्पिक खेतिको रुपमा विकास गर्न सकिने छ। कृषि केन्द्रित सहकारी गतिविधि बढ्दै जानु यस क्षेत्रका अवसरहरु हुन् सहकारीको उत्पादनशील क्षेत्रमा लगानी बढाउनु, यस क्षेत्रका चुनौतीहरु हुन्।

वित्तीय लगानीको सुरक्षा सुनिश्चित गर्नु, स्थानीय सहकारीलाई व्यवस्थित गर्नु, पिछडिएका वर्गमा वित्तीय पहुँच बढाउनु यस क्षेत्रका चुनौतीहरु हुन्। भएकाले त्यसका लागि गाउँपालिकाले प्रभावकारी योजना तर्जुमा गर्नु पर्ने हुन्छ। नगदेवाली, फलफुल आदि प्रशस्ते उत्पादन हुने भएकोले कृषकलाई कृषिमा प्रेरित गरि, उन्नत जातको बीउ वीजन तथा निर्यातका लागि सहजीकरण गरी कृषक संग सँगै गाउँपालिकाको पनि आन्तरिक आम्दानी बढाउन सकिन्छ। त्यसै गरी परम्परागत कृषि पद्धतिको परिणाम स्वरुप कृषि ईतर क्षेत्रमा लागेका युवा कृषकहरुलाई कृषिमा पुनः स्थापित गर्नुपर्छ। मल, बिउ, सिँचाई, आदि किसानको पहुँचभन्दा बाहिरका परिधिहरु कृषकसम्म पुऱ्याउन चुनौति देखिन्छ। एउटै प्रकारको माटो र हावापानी भएको खेतियोग्य जमिनको चक्ला बन्दी गरेर कुनै एक ठाउँमा एकै प्रकारको बाली लगाउँदा हुने फाईदा बारे कृषकलाई बुझाउन चुनौतिपूर्ण छ।

### ३.२.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उदेश्यहरु

#### सोच

समायोजित तथा एकिकृत भूमि व्यवस्था, कृषि उद्यमी नागरिक, गुणस्तरीय कृषि उत्पादन, समृद्ध गाउँपालिका।

#### लक्ष्य

कृषि योग्य भूमिको परिचालनका लागि शीप युक्त मानव साधन बिकास गर्दै कृषि विविधीकरण तथा ब्यवसायिकरण मार्फत दीगो उत्पादन संयन्त्र बनाउने।

#### उदेश्यहरु

- दीगो भूमि ब्यवस्थापनका लागि भू उपयोग नीति तयार गरि लागु गर्नु।
- कृषि तथा पर्यापर्यटनको अवधारणा तथा अभ्यास जनस्तर सम्म पुऱ्याउनु।
- कृषि भूमिको स्तरीकरण गर्नु।



- सहकारीका माध्यमबाट पोषणयुक्त कृषि उपज तथा पशुजन्य पदार्थको उत्पादनलाई प्रोत्साहन गर्नु ।

### ३.२.३ रणनीति

- कृषिकार्यलाई सम्मान जनक, प्रतिस्पर्धि, व्यवसायिक र प्रविधी मैत्री बनाउने ।
- कृषि भूमिको उत्पादकत्व तथा प्राकृतिक क्षमताका आधारमा वर्गीकरण गर्ने ।
- कृषि सहकारीको लगानी वृद्धि गरी कृषि उत्पादनलाई बढावा दिने ।

### ३.२.४ अपेक्षित उपलब्धी

कृषि भूमिको उत्पादकत्व योजनाको अन्त्यमा १८० मे.ट.प्रति रोपनी पुगेको हुने छ । खाद्यान्नमा आत्मनिर्भर गाउँपालिका बन्ने लक्ष्य छ । खाद्य सुरक्षा तथा उन्नत पोषण उपलब्ध गर्न सकिन्छ । थप १५ वटा कृषि सहकारी तथा १३ वटा महिला सहकारीको स्थापना भएको हुने छ । योजनाको मध्यावधिमा ४४ प्रतिशत र अन्त्यमा ६० प्रतिशत परिवारको सहकारीमा पहुँच पुग्नेछ । सहकारी संस्थाको नियमन गरी गाउँपालिकामा वित्तीय साक्षरता फैलाई पूँजी निमार्णको वातावरण निर्माण गर्न सकेमा सहकारी मार्फत् समावेशी तथा दिगो आर्थिक वृद्धि गर्ने दिगो विकासको लक्ष्य प्राप्तमा सहयोग मिल्नेछ ।

| बित्तीय व्यवस्था , सहकारी तथा गरिबि निवारण |         |              |              |
|--|---------|--------------|--------------|
| विवरण                                      | ईकाई    | आ.ब. २०७९।८० | आ.ब. २०७९।८० |
| बैंकको सङ्ख्या                             | संख्या  | ३            | ४            |
| सहकारी सङ्ख्या                             | संख्या  | ११           | १५           |
| कृषि सहकारी सङ्ख्या                        | संख्या  | ८            | ११           |
| महिला सहकारी सङ्ख्या                       | संख्या  | ६            | ९            |
| कृषक समुह सङ्ख्या                          | संख्या  | ७२           | ९८           |
| बचत समुह सङ्ख्या                           | संख्या  | ६३           | ८६           |
| उद्योग (ठुलो) संख्या                       | संख्या  | ०            | १            |
| दर्ता भएका व्यवसाय                         | संख्या  | १२           | १७           |
| दर्ता नभएका व्यवसाय                        | संख्या  | ८१           | ११०          |
| औद्योगिक क्षेत्र तथा करिडोर स्थापना        | संख्या  | ०            | ०            |
| स्थानीय कच्चा पदार्थमा आधारित उद्योगहरु    | प्रतिशत | ०।८३         | २            |

### ३.३ श्रम तथा रोजगारी

#### ३.३.१ वर्तमान अवस्था

कपुरकोट गाउँपालिकामा उद्योग तथा व्यवसायको प्रवर्द्धन गरी श्रम तथा रोजगारी सिर्जना गर्ने प्रयास गरिएको छ । युवालाई स्वरोजगारमुखी सीप प्रदान गर्ने, सिपमुलक लघु उद्यम कार्यक्रम, उद्यमशीलता विकासका लागि प्रोत्साहन अनुदान एवं सहूलियत दरको ऋण प्रदान गर्ने व्यवस्था, औद्योगिक क्षेत्र विस्तारको योजना, आधुनिक कृषि तथा पशुपालन व्यवसायमा युवा तथा महिला संलग्नतालाई प्रोत्साहन, आय आर्जन तथा रोजगारी अभिवृद्धिका लागि पालिकाले गरिएका केही प्रशंसनीय कार्यहरु हुन् ।

गाउँपालिकाको युवा जनशक्ति मध्ये १४.५८ प्रतिशत युवा बेरोजगार छन् । महिला श्रम सहभागिता दर ३५० जना छ । विदेशमा रहेका महिलाहरूको संख्या १६७ छ भने समग्र गाउँपालिकाको बेरोजगार दर २२.५ प्रतिशत देखिन्छ । यस गाउँपालिकामा रहेका रोजगार महिलाहरूको संख्या १२५ जना छन् भने विदेशबाट फर्किएका महिलाहरूको संख्या ३५ छ । युवा तथा महिला आधुनिक कृषि तथा पशुपालन व्यवसायमा संलग्न छन् । पूर्वाधार विकास, सिकर्मी, डकर्मी, साना व्यवसाय आदि क्षेत्रमा पालिका भित्रै रोजगारीका अवसर उपलब्ध छन् । तर गाउँपालिकामा अभैपनि बालश्रमका घटनाहरू छन् । पर्यटन, वन, पशु विकास जस्ता स्थानीय क्षमताका क्षेत्रहरूमा हुने अवसरको पूर्ण पहिचान गरि प्रयोग गर्नु आवश्यक छ ।

समृद्ध गाउँपालिका वासीको निर्माणका लागि कपुरकोट गाउँपालिकामा विविध किसिमका प्रयासहरू गरिएको भए तापनि युवाको विदेश पलायन हुनु, बेरोजगार युवाको संख्या बढ्दै जानु, पुरुष सँगसँगै महिलाको पनि वैदेशिक रोजगारीमा जाने क्रम बढ्नु, अधिक रोजगारी सिर्जना गर्ने उद्योगको संख्या न्यून हुनु, दक्ष जनशक्तिको अभावमा पर्याप्त स्थानीय स्वरोजगारीका अवसर श्रृजना गर्न नसक्नु जस्ता समस्याहरू छन् ।

किशोर किशोरीलाई विद्यालयस्तरमै व्यावसायिक ज्ञान दिने व्यावहारिक प्रयासको गाउँपालिकाबाट थालनी हुनु, स्वरोजगारमुखी सीपको व्यवस्था, व्यावसायिक क्रियाकलापमा वृद्धि, शैक्षिक गुणस्तर वृद्धिको प्रयास, प्राविधिक शिक्षाको थालनी, सहकारीमा स्थानीयको बढ्दो पहुँच, यस क्षेत्रका अवसरहरू हुन् । सबै वर्ग र जातिलाई रोजगारीको सुनिश्चित गर्नु, सबै आर्थिक क्षेत्रको सन्तुलित विकास गर्नु, पर्याप्त अनुदान एवं ऋणको व्यवस्था गर्नु यस क्षेत्रका प्रमुख चुनौतीहरू हुन् ।

### ३.३.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उद्देश्यहरू

#### सोच,

व्यावहारिक र व्यावसायिक शिक्षा मार्फत रोजगारीको सुनिश्चितता ।

#### लक्ष्य

दक्ष र सक्षम श्रमशक्तिको निर्माण गर्ने ।

#### उद्देश्यहरू

- औद्योगिक क्षेत्रको विस्तार गरी स्थानीय स्तरमै रोजगारीको सिर्जना गर्नु ।
- गुणस्तरीय शिक्षाको व्यवस्था गरी सीपयुक्त श्रमिकको निर्माण गर्नु ।

### ३.३.३ रणनीति

- सबै वडामा औद्योगिक क्षेत्रको विकास गरी रोजगारीको सिर्जना गर्ने ।
- विद्यालय तथा प्राविधिक शिक्षाको गुणस्तर अभिवृद्धि गर्ने ।

### ३.३.४ अपेक्षित उपलब्धी

मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अन्त्यमा युवा बेरोजगारको संख्या ५० प्रतिशतले घटेको हुनेछ । बाल श्रमको अन्त्य हुनेछ । महिला श्रम सहभागिता दर बढेको हुनेछ । आधुनिक कृषि तथा पशुपालन व्यवसायमा यूवाहरूको सहभागिता बढ्नेछ । स्थानीय स्तरमा रोजगार बढ्नेछ भने वैदेशिक रोजगारीमा जाने जनशक्तिलाई आवश्यक सीमामुलक तालिमको व्यवस्था गरी सुरक्षित वैदेशिक रोजगारलाई प्रवर्द्धन गरि शोषण रहित श्रम गर्ने वातावरण बन्ने छ ।

| श्रम तथा रोजगारी |        |              |              |
|------------------|--------|--------------|--------------|
| विवरण            | ईकाई   | आ.ब. २०७९।८० | आ.ब. २०७९।८० |
| सब ओभरसियर       | संख्या | २८।०         | ३८।०         |
| सिलाई बुनाई      | संख्या | २२६।०        | ३२९।०        |

|   |        |       |       |
|---|--------|-------|-------|
| मेकानिक्स   | संख्या | २६१०  | ३८१०  |
| म्यासन डकर्मी   | संख्या | २२५१० | ३०२१० |
| अनमी (दक्ष जनशक्ति)                                   | संख्या | २३१०  | ३४१०  |
| कम्प्युटर   | संख्या | १०७१० | १५९१० |
| कार्पेन्ट्री  | संख्या | ३१३१० | ३७५१० |
| ग्रामीण पशुस्वास्थ्य कार्यकर्ता                       | संख्या | २९१०  | ३५१०  |
| जेटीए   | संख्या | २६१०  | ३२१०  |
| रोजगारीमा रहेका महिला                                 | संख्या | १२५१० | १५०१० |
| विदेशबाट फर्किएका महिलाहरु                            | संख्या | ३५१०  | ४२१०  |
| उद्यम तथा व्यवसायमा संलग्न दलित व्यक्तिहरु            | संख्या | ५९१०  | ७११०  |
| उद्यम तथा व्यवसायमा संलग्न आदिवासी/जानजाति व्यक्तिहरु | संख्या | ८३१०  | १००१० |
| उद्यमसिशलता विकास तालिम                               | संख्या | १६१०  | २०१०  |

### ३.४ बैंक तथा वित्तिय संस्था

#### ३.४.१ वर्तमान अवस्था

बैंक, वित्तिय संस्था र सहकारी आर्थिक क्रियाकलापलाई बढावा दिई आय आर्जनको अवसर सिर्जना गर्ने भरपर्दा माध्यम हुन् । आधार वर्षमा ३२.१६ प्रतिशत परिवार सहकारीका सदस्य बनेका छन् । गाउँपालिकाको मौद्रिक क्षेत्रमा रु.९०.३२ करोड बराबर ऋण परिचालन भएको छ भने रु. ७४.७८ करोड निक्षेप संकलन भएको छ । यस्ता समुहहरुबाट हुने वित्तिय करोवारको परिमाण थाहा हुन नसके पनि स्थानीय समुदायमा यसले स्पष्ट आकार लिएको छ । बैंक तथा सहकारीको सबै वर्ग, क्षेत्र र समुदायमा पहुँच पुऱ्याउनका लागि विशेष पहल गर्नुपर्ने आवश्यकता देखिन्छ ।

स्थानीय समुदायको वित्तिय पहुँच बढेको भएपनि कृषि, पशुपालन, कृषि तथा स्थानीय स्रोतमा आधारित व्यवसायमा जाने लगानी प्रभावकारी छैन । कृषक, बचत तथा महिला समूहले गाउँपालिकामा बचतको विकास तथा लगानी प्रवर्द्धनमा भूमिका निर्वाह गरेका भए तापनि पिछडिएका वर्ग र क्षेत्रमा वित्तीय पहुँच विस्तार गर्न सकिएको छैन । गाउँपालिकामा ६७.८४ प्रतिशत परिवार अभैपनि सहकारीको पहुँच बाहिर रहेका छन् ।

बैंक तथा सहकारी तथा कृषक समूहले वित्तीय क्रियाकलापलाई थप बढावा दिइरहेका भए तापनि कृषि तथा सडक पूर्वाधारको अभावमा वित्तीय असुरक्षा कायमै देखिन्छ । वित्तीय साक्षरताको कमीले गर्दा आशातीत रूपमा वित्तीय क्रियाकलाप फस्टाउन सकेका छैनन् । सहकारीको लगानीलाई उत्पादनशील क्षेत्रमा लगाउनु, सहकारी आवद्ध व्यवसायिक गतिविधिको प्रवर्द्धन गर्न नीतिगत आधार कमजोर छ ।

गाउँपालिकामा स्थानीय नीति तथा नियम निर्माणको चरणमा हुनु, स्थानीय संघसंस्थाको क्षमता विकास हुनु, उद्योग तथा व्यवसायको आकार बढ्नु, कृषि क्रियाकलापमा वृद्धि हुनु, यस क्षेत्रका अवसरहरु हुनु । वित्तीय लगानीको सुरक्षा सुनिश्चित गर्नु, स्थानीय सहकारीलाई व्यवस्थित गर्नु, पिछडिएका वर्गमा वित्तीय पहुँच बढाउनु यस क्षेत्रका चुनौतीहरु हुन् ।

#### ३.४.२ सोच, लक्ष्य र उद्देश्य

##### सोच

प्रभावकारी वित्तिय साक्षरता मार्फत वित्तीय पहुँच विस्तार ।

## लक्ष्य

गाउँपालिकामा वित्तीय गतिविधि विस्तार गर्ने ।

## उद्देश्यहरु

- गाउँपालिकाका सबै वडामा वित्तीय संस्थाको पहुँच विस्तार गर्नु ।
- गाउँपालिकामा बचत तथा लगानी वृद्धिको वातावरण सिर्जना गर्नु ।

## ३.४.३ रणनीति

- सबै वडामा औपचारिक वित्तीय सेवा विस्तार गर्न प्रेरित गर्ने ।
- रगाउँपालिका बासी माभक्त बचत प्रवृत्तिको विकास गरी लगानी प्रवर्द्धन गर्न ।

## ३.४.४ अपेक्षित उपलब्धी

योजनाको अन्त्यमा रु. १३७ करोड निक्षेप संकलन तथा रु. १३७ करोड ऋण परिचालन हुनेछ । थप १५ वटा कृषि सहकारी तथा १३ वटा महिला सहकारीको स्थापना हुनेछ । योजनाको मध्यावधिमा ४४ प्रतिशत र अन्त्यमा ६० प्रतिशत परिवारको सहकारीमा पहुँच पुग्नेछ । सहकारीताको माध्यमबाट उच्चम व्यवसाय प्रवर्द्धन भएको हुने छ ।

## ३.५ पर्यटन - ग्रामिण तथा स्थानीय पर्यटन

### ३.५.१ वर्तमान अवस्था

स्थानीय अर्थतन्त्र जनजीविका, रोजगारी, जिवन शैलि आदिमा पर्यटन गतिविधिले प्रत्यक्ष पाछ (विटन, २००६) । पर्यटनले स्थानीय समुदायलाई पूर्वाधार निर्माण वातावरण सरक्षण महिला संशक्तिकरण, स्रोत पहिचान, जस्ता कार्यमा लाग्न अभिप्रेरित र जिम्मेवार बनाउने गर्छ, (टेफलर र साफले, २००९) । कपुरकोट गाउँपालिका नदी, दर्जनभन्दा बढी साना ठूला खोला, विभिन्न रमणीय स्थलहरु, पार्क, आदिको यहाँका अथवा पालिका तथा स्थानीय समुदायले यी स्थलहरुको वा अवसरहरुको पूर्ण उपभोग गर्न सकेका छैनन् ।

पर्यटनको प्रवर्द्धन गरी समुदायमा आय आर्जन तथा रोजगारीको सिर्जना गर्न सकिन्छ तर गाउँपालिकामा पर्यटन क्षेत्रको व्यवस्थित विकास हुन नसकेकोले पर्यटन क्षेत्रबाट गाउँपालिकावासीले खासै लाभ लिन सकेका छैनन् । सार्वजनिक स्थल, मठ मन्दिरले चर्चेको जमीन, जात्रा, पर्व र मनोरञ्जनमा प्रयोग हुँदै आएका खालि ठाउँ, संरक्षित वन क्षेत्र जस्ता सामुदायिक प्रयोजनमा आउन सक्ने स्थलहरु छुन् तर यस्ता ठाउँहरु पर्यटन प्रयोजनमा आएका छैनन् । विद्यमान अवस्थामा होटल,, होमस्टे, तथा खाजाघर दर्ता भई सञ्चालनमा रहेका छुन् । भाषा, साहित्य, कला र संस्कृतिसँग सम्बन्धित संग्रालयहरुलाई पर्यटनमैत्री बनाउन सकिएको छैन ।

गाउँपालिकामा पर्यटन सूचना केन्द्रको व्यवस्था नहुनु, गाउँपालिकामा भएका पार्क तथा रमणीय स्थलहरुको उचित व्यवस्थापन नहुनु, धार्मिक पर्यटनको प्रवर्द्धन हुन नसक्नु, पर्यटकीय स्थलको प्रचारप्रसारमा कमी, ट्रेकिङ स्थलको निर्माण नहुनु जस्ता समस्याको समाधान गरी उपलब्ध प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक सम्पदाको संरक्षण मार्फत पर्यटनलक्षित आर्थिक क्रियाकलाप वृद्धि गर्नुपर्ने आवश्यकता देखिन्छ ।

सांस्कृतिक समूहहरुको सक्रियता, धार्मिक संस्थाहरुको संगठनात्मक प्रवर्द्धन, परम्परागत तथा सांस्कृतिक समूह गठन, सूचना प्रविधिको विकासक्रमले धार्मिक पर्यटन प्रवर्द्धनको सम्भावनालाई दर्शाउँदछ । गाउँपालिकासँगै जोडिएका अन्य स्थानमा पर्यटकीय स्थलको निर्माण हुने क्रम बढ्नु, स्थानीयवासीमा पर्यटन क्षेत्रको रूपमा कपुरकोट गाउँपालिकालाई विकास गर्नुपर्दछ, भन्ने भावनाको विकास हुनु, सडक सञ्जालको विस्तार हुँदै जानुले यहाँको पर्यटन निश्चित आकार बन्ने अवस्था छ । तर पर्यटन क्षेत्रमा आवश्यक दक्ष जनशक्तिको उत्पादन गर्नु, पर्यटन क्षेत्रमा लगानी बढाउनु, पर्यटकीय स्थलको स्तरोन्नती गर्नु, आवश्यक भौतिक पूर्वाधारको निर्माण गर्नु यस क्षेत्रका चुनौतीहरु हुन् ।

### ३.५.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उद्देश्य

#### सोच,

समृद्ध अर्थतन्त्रका लागि पर्यटन ।

#### लक्ष्य

पर्यटनको विकास गरी ग्रामीण अर्थतन्त्र सुदृढ गराउने ।

#### उद्देश्यहरु

- पर्यटन पूर्वाधारको निर्माण गरी पर्यटक आकर्षण गर्नु ।
- पर्यटन प्रवर्द्धन मार्फत रोजगारी सिर्जना गर्नु ।

### ३.५.३ रणनीति

- पर्यटन स्थललाई आकर्षक बनाउन आवश्यक शैक्षिक, सांस्कृतिक तथा भौतिक पूर्वाधारको विकास निर्माण गर्ने ।
- धार्मिक एवं प्राकृतिक पर्यटनको विकासमार्फत रोजगारीको सिर्जना गर्ने ।

### ३.५.४ अपेक्षित उपलब्धी

मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अन्त्यमा ११ वटा होमस्टेको संख्या पुग्नेछ । मन्दिर, गुफा तथा प्राकृतिक क्षेत्रको संरक्षण हुनेछ । पर्यटन स्थलको विकास तथा निर्माण गरी पर्यटन क्षेत्रको संवर्द्धनमा जनसहभागिता जुटाउन सकेमा गरिवीको अन्त्य गर्ने दिगो विकासको लक्ष्य प्राप्तमा टेवा पुग्नेछ ।

| स्थानीय तथा पर्यापर्यटन               |            |              |              |
|---------------------------------------|------------|--------------|--------------|
| विवरण                                 | ईकाई       | आ.व. २०७९।८० | आ.व. २०७९।८० |
| पर्यटन सूचना (सामुदायिक समेत) केन्द्र | संख्या     | १            | २            |
| ट्रेकिङ ट्रेल                         | संख्या     | ९            | ११           |
| हिल स्टेसन                            | संख्या     | ७            | ८            |
| कोसेली घर                             | संख्या     | ०            | १            |
| स्थानीय उत्पादनको ब्राण्डिङ           | संख्या     | ०            | १            |
| होटल पर्यटन तथा अतिथि सत्कार तालिम    | पटक/संख्या | ०            | १            |
| होमस्टे (सामुदायिक र नीजि)            | संख्या     | ९            | ११           |
| पर्यटन गन्तव्यस्थलमा पूर्वाधार विकास  | संख्या     | १२           | १४           |

## ३.६ उद्योग, व्यापार र आपूर्ति व्यवस्था

### ३.६.१ वर्तमान अवस्था

विविध प्रकारको माटो, हावापानी भएकाले तहगत कृषि तथा वन पैदावारको बजार विकास गर्न सकिने अवस्था छ। उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति प्रणालीको विकास सहज नभए पनि पूर्वाधार विकास सँगै उल्लेख्य प्रगति भएको छ। कपुरकोटमा उद्योग, वाणिज्य र व्यापार क्षेत्रको विकासले विस्तारै गति लिदैछ। आवधिक योजना निर्माणको समयावधिसम्म ठूला उद्योगहरू सञ्चालनमा आउन सकेका छैनन्। आउने योजनाहरूमा ठूला उद्योगहरू सञ्चालनमा ल्याउने प्रयास जारी छ। यस गाउँपालिकामा ८ वटा साना र मझौला उद्योग सञ्चालनमा छन्। विशेष गरी रिट्टा संकलन केन्द्र, मिलहरू तथा कपुरकोटकै सामान्य स्थानीय कच्चा पदार्थमा आधारित उद्योगहरू सञ्चालनमा छन्। हाल १२ वटा व्यवसाय दर्ता भएर सञ्चालनमा रहेका छन् भने ८१ वटा व्यवसायहरू बिना दर्ता सञ्चालनमा रहेका छन्। ३ वटा बैंक र ११ वटा सहकारी मार्फत वित्तीय स्रोत परिचालन भइरहेको छ।

कपुरकोट गाउँपालिकामा ०.८३ प्रतिशत स्थानीय कच्चा पदार्थमा आधारित उद्योगहरू स्थापना हुनु, वटा आर्थिक इकाइ स्थापना हुनु, गाउँपालिकाले नियमित रूपमा आर्थिक ऐनको संशोधन गर्नु, कृषि उपज भण्डारणका लागि कमसेकम एउटा मात्र भण्डारण केन्द्रको व्यवस्था गर्नु, सयौंको संख्यामा कृषक समूह गठन हुनु, सडक निर्माण प्राथमिकतामा पर्नुले यस क्षेत्रको विकासका लागि अनुकूल वातावरण सिर्जना भएको छ। यद्यपि स्थापित औद्योगिक क्षेत्रको स्तरोन्नति गरी उद्योग व्यवसायको दीगो विकास गरी वस्तु तथा सेवाको सहज आपूर्तिको सुनिश्चित गर्न विशेष योजनाका साथ अघि बढ्नुपर्ने आवश्यकता देखिन्छ।

उद्योग धन्दा लाई मुख्य आय आर्जनको स्रोत बनाउने महिलाहरूको संख्या ९८ छ भने औद्योगिक रोजगारमा पुरुषहरूको संख्या ५७ छ। उद्यम तथा व्यवसायमा संलग्न आदिवासी तथा जनजातिहरूको संख्या ४१ छ।

पर्याप्त व्यावसायिक दक्ष जनशक्तिको अभाव, भौतिक पूर्वाधारको विकासको अभावमा गाउँपालिकाको सबै स्थानमा सहज आपूर्तिको व्यवस्था नहुनु, वस्तु भण्डारण स्थलको उत्तम व्यवस्थापन नहुनु, औद्योगिक लगानी आकर्षण गर्न नसक्नु, न्यून ग्रामीण वचत तथा लगानी, ८१ प्रतिशत व्यवसाय दर्ता नभई सञ्चालन हुनु यस क्षेत्रका प्रमुख समस्याहरू हुन्।

पालिकामा औद्योगिक क्षेत्र तथा करिडोरको स्थापना हुनु, एउटा खानी क्षेत्रको पहिचान हुनु, दक्ष औद्योगिक जनशक्ति उत्पादन संख्यामा वृद्धि हुँदै जानु, पूर्वाधार क्षेत्रको विकासले गति लिनु, युवा तथा महिलामा औद्योगिक र व्यावसायिक क्रियाकलापमा सक्रियता बढ्दै जानु यस क्षेत्रका प्रमुख अवसरहरू हुन्। पर्याप्त मात्रामा लगानी भित्र्याउनु, शीतभण्डारको व्यवस्था गर्नु, दक्ष युवा पलायन रोक्नु, खानी उत्खनन गर्नु, क्रसर उद्योगको व्यवस्थापन गर्नु, सञ्चालित साना तथा ठूला उद्योगको दीगो रूपमा सञ्चालन हुने वातावरणको विकास गर्नु यस क्षेत्रका चुनौतीहरू हुन्।

### ३.६.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उद्देश्यहरू

#### सोच,

भौतिक पूर्वाधारको विकास उद्योग, वाणिज्य तथा व्यापारको विकास।

#### लक्ष्य

गाउँपालिकाको वाणिज्य तथा व्यापारको प्रवर्द्धन गर्ने।

#### उद्देश्यहरू

- उद्योग स्थापनाका लागि लगानी मैत्री वातावरण सिर्जना गर्नु।
- सहज व्यापारिक क्रियाकलाप विस्तारका लागि भौतिक पूर्वाधारको विस्तार तथा विकास गर्नु।
- पारदर्शी मूल्यमा वस्तु तथा सेवाको सहज आपूर्ति सुनिश्चित गर्नु।
- स्वतन्त्र बजार प्रणालीलाई प्रवर्द्धन गर्नु।

### ३.६.३ रणनीति

- स्थानीयमा वचत गर्ने प्रवृत्तिको विकास गरी लगानी अभिवृद्धि गर्ने ।
- औद्योगिक उत्पादनका बजारीकरणका लागि पूर्वाधारको विकास गर्ने ।
- आवश्यक उपभोग्य सामग्रीको निरन्तर उपलब्धताका लागि पारदर्शी आपूर्ति प्रणाली सुनिश्चित गर्ने ।

### ३.६.४ अपेक्षित उपलब्धिहरु

मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अन्त्य सम्ममा २ वटा ठूला उद्योग तथा १२.६८ प्रतिशत साना तथा मझौला उद्योगको स्थापना हुनेछ । यस गाउँपालिकामा २३ वटा व्यवसाय दर्ता भइ सञ्चालनमा आउनेछन् । यस गाउँपालिकामा कुनै पनि औद्योगिक क्षेत्र तथा करिडोर स्थापना हुनेछैनन् । अपेक्षित समयमा ३ प्रतिशत स्थानीय कच्चा पदार्थमा आधारित उद्योगहरुको स्थापना हुनेछ । स्थानीय उद्योग नीति निर्माण गरी लगानीको वातावरण सिर्जना भएको हुने छ ।

| उद्योग, ब्यापार र आपूर्ति                                |         |                 |                 |
|--|---------|-----------------|-----------------|
| विवरण  | ईकाई    | आ.व.<br>२०७९।८० | आ.व.<br>२०७९।८० |
| वर्षभरी खानपुग्ने खाद्यान्न उत्पादन गर्ने परिवार         | प्रतिशत | ९।३३            | १५।००           |
| ६ महिना खानपुग्ने खाद्यान्न उत्पादन गर्ने परिवार         | प्रतिशत | २१।३३           | ३०।००           |
| ३ महिना खानपुग्ने खाद्यान्न उत्पादन गर्ने परिवार         | प्रतिशत | ६९।३३           | ५५।००           |
| औद्योगिक लगानी वार्षिक बृद्धि                            | प्रतिशत | ७।८३            | १०।१८           |
| उद्योग (लघू र मध्यम) संख्या                              | संख्या  | ८।००            | १०।४०           |
| औद्योगिक रोजगारी पुरुष                                   | संख्या  | ५७।००           | ७४।१०           |
| औद्योगिक रोजगारी महिला                                   | संख्या  | ९।८।००          | १२।७।४०         |
| उद्यम तथा व्यवसायमा संलग्न आदिवासी तथा जनजाति व्यक्तिहरु | संख्या  | ४१।००           | ५३।३०           |
| काठमा आधारित लघूउद्यम तथा उद्योग प्रवर्द्धन              | संख्या  | १०।००           | १३।००           |

### ३.७ वन विकास तथा व्यवस्थापन

#### ३.१.१ वर्तमान अवस्था

सल्यान जिल्लामा रहेको कपुरकोट गाउँपालिकाको ६६.४७ प्रतिशत क्षेत्रफल वनले ढाकेको छ । वनसम्पदाको संरक्षणका लागि समुदायलाई सक्रिय बनाइएको छ । दिगो वन व्यवस्थापन र उपयोगमा आधा जसो घरधुरीको पहुँच पुगेको छ । काठमा आधारित उद्योगहरु सञ्चालनमा रहेका छन् । वर्तमानमा वन सम्पदाको कुशल व्यवस्थापन गरी ग्रामीण अर्थतन्त्रमा योगदान बढाउनका लागि ठोस योजना बनाइ अगि बढनुपर्ने आवश्यकता देखिन्छ ।

कपुरकोट गाउँपालिका ग्रामिण क्षेत्र भएकाले यहाँ पाईने विविध किसिमका जडिबुटि र गैरकाष्ठ पैदावारको उत्पादन २५.८७ प्रतिशत छ । यस गाउँपालिकामा जडिबुटि प्रशोधन केन्द्र तथा भण्डारण केन्द्रहरु आजसम्म निर्माण हुन सकेका छैनन् । यस भेगका ८ स्थानहरुमा बृक्षरोपण कार्यक्रमहरु गरिएका छन् भने वन उपभोक्ता समिति मार्फत आयआर्जन कार्यक्रमहरु २ वटा सञ्चालनमा रहेका छन् ।

परम्परागत रूपमा पाईने वनस्पति तथा वन्य जन्तुहरु लोप हुँदै गएका । बाढी, पहिरो र भूक्षयका कारण जैविक विविधतामा असर परेको छ । अव्यवस्थित र अबैज्ञानिक तरिकाले भएको सडक विस्तारले जैविक विविधताको प्राकृतिक अन्तर सम्बन्ध टुटेको छ । यति हुँदाहुँदै पनि वन स्रोत पहिचान, स्तरिकरण, संकलन, जस्ता कार्यका लागि ठोस कार्य गर्न सकिएको छैन ।

वन क्षेत्रको व्यावसायिकरूपमा विकास गर्न नसक्नु, वन पैदावारको चोरी निकासी पूर्णरूपमा नियन्त्रण नहुनु, वन पैदावार आधारित स्थानीय उद्योगको व्यवस्थित विकास नहुनु, वन पैदावारको वातावरणमैत्री प्रयोगको लागि ठोस योजना नबन्नु, वैज्ञानिक वन व्यवस्थापनको व्यवस्था नहुनु यस क्षेत्रका प्रमुख समस्याहरु हुन् ।

वन क्षेत्रको केही प्रतिशत भाग समुदायमा हस्तान्तरण भएकाले आफ्नै कार्य योजना बनाएर संपदा संरक्षण, आय आर्जन, अध्ययन, अनुसन्धान जस्ता कार्य गर्न सकिने । सामुदायिक वनलाई विशेष प्रकारका वालीहरुको परिक्षण उत्पादन, गुणस्तर मापन, लाभ, लागत, विश्लेषण गर्ने कार्यको प्रयोगशालाको रूपमा विकास गरी कृषिका सफल मूनाहरु विकास गर्न सकिने अवस्था छ ।

वैज्ञानिक वार्षिक कार्ययोजना बनाउन सक्ने सा.व.उ.स.को विकास हुनु, वनजन्य उत्पादनको बजार प्रवर्द्धन हुने क्रम बढ्नु, सा.व.उ.स.(कार्यसमिति) मा दलित र महिलाको सहभागिता बढ्दै जानु, वन व्यवस्थापन तालिमको व्यवस्था हुनु यस क्षेत्रका अवसरहरु हुन् । वनपैदावारको चोरी निकासी नियन्त्रण गर्नु, वर्तमान वन क्षेत्रफल विस्तार गर्नु, वन सम्पदाको पूर्ण सदुपयोग गर्नु, वन आधारित रोजगारीको अवसर सिर्जना गर्नु यस क्षेत्रका चुनौतीहरु हुन् ।

### ३.७.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उदेश्यहरु

#### सोच

उद्यमशीलता र जीविको पार्जनका लागि वन ।

#### लक्ष्य

वन सम्पदाको वैज्ञानिक व्यवस्थापन मार्फत उद्यमशीलताको विकास गर्ने ।

#### उदेश्यहरु

- वन, जैविक विविधता तथा जलाधार क्षेत्रको दीगो संरक्षण, व्यवस्थापन र परिचालन गर्नु ।
- वन आधारित उद्योगको प्रवर्द्धन गर्नु ।
- वनसम्पदाको कुशल व्यवस्थापन गरी ग्रामीण जीविकोपार्जनको आधार बनाउनु ।

### ३.७.३ रणनीति तथा कार्यनीतिहरु

- वन आधारित उद्योगको कुशल व्यवस्थापन गर्ने ।
- वनसम्पदामा आधारित दैनिक प्रयोगजन्य सामग्री उत्पादनमा प्रोत्साहन गर्ने ।

### ३.७.४ अपेक्षित उपलब्धी

मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अन्त्यमा वनले ढाकेको क्षेत्रफल १ प्रतिशतले बढाइने छ । कुल क्षेत्रफल मध्ये हेक्टर वन समुदायबाट व्यवस्थापन हुनेछ । जम्मा घरधुरीको दिगो वन व्यवस्थापन र उपयोगमा पहुँच पुग्नेछ । थप जडिबुटी प्रशोधन र भण्डारण उद्योगको स्थापना हुनेछ । वन व्यवस्थापनमा प्रभावकारी रूपमा निजी समुदाय र स्थानीयको परिचालन गरी आवश्यक ऐन कानूनको तर्जुमा तथा कार्यान्वयन गर्न सकेको खण्डमा वनको दीगो व्यवस्थापन तथा जैविक विविधताको संरक्षण गर्ने दीगो विकासको लक्ष्य प्राप्त गर्न सकिनेछ ।



### ३.७ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

संघ र प्रदेश सरकार र सहयोगी संस्थाहरु बीच प्रभावकारी सहयोग, समन्वय र सहकार्य संगठनात्मक र मानव श्रोत व्यवस्थापन, कृषि प्रविधि, विउविजन, यान्त्रिकीकरण, भरपर्दो सिंचाई प्रणाली, भूस्वामित्व, पशु आहार, पूर्वाधार र बजारिकरण जस्ता कार्यहरुको एकीकृत व्यवस्थापन हुन नसके अपेक्षित नतिजा हासिल हुन नसक्ने जोखिम उत्पन्न हुन सक्दछ । यसका अलवा जलवायु परिवर्तनको असर, कृषि उपजको आयात र कृषि जमिन उपयोगमा परिवर्तन जस्ता सवालहरु गाउँपालिकाको आर्थिक विकास क्षेत्रका जोखिम पक्षको रुपमा रहेका छन् ।

## परिच्छेद पाँच : सामाजिक विकास क्षेत्र

### ४.१ शिक्षा

#### ४.१.१ वर्तमान अवस्था

शिक्षा सामाजिक आर्थिक रुपान्तरणको प्रमुख माध्यम हो । शिक्षाले मानवीय क्षमता अभिवृद्धि गरी जीवनपद्धतीलाई उत्कृष्ट बनाउन सहयोग गर्दछ । गुणस्तरीय जीवनयापनको आधार पनि शिक्षा नै हो । कपुरकोट गाउँपालिकाले सिमित स्रोत साधनका बावजूत शिक्षा विकासमा यथासक्य प्रयास गरेको छ । फलस्वरुप गाउँपालिकाको साक्षरता दर उच्च छ । पालिकामा माध्यमिक तथा निम्न माध्यमिक विद्यालय रहेको, गाउँपालिकाका कतिपय विद्यालयमा कम्प्युटर ल्याब र विज्ञान ल्याबको समेत व्यवस्था रहेको छ ।

विद्यालयको सुदृढिकरणका लागि विद्यालय सबलीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिएको छ । कपुरकोट गाउँपालिकामा भएका कूल विद्यालय मध्ये जम्मा १६ वटा विद्यालयमा खानेपानीको सुविधा छ भने तथा बालमैत्री पूर्वाधारको निर्माण गरिएका विद्यालयको संख्या १६.६६ प्रतिशत छ । शिक्षक शिक्षिकाको क्षमता विकासका लागि आधार वर्षमा १० वटा तालिम सञ्चालन गरिएको छ । विद्यालय उमेरका (५-१८ वर्षका) विद्यालय नगएका ११.५७ प्रतिशत बालक र ८.९१ प्रतिशत बालिका रहेका छन् । गाउँपालिकामा प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षाको शुरुवात गरी व्यवसायिक शिक्षालाई प्रवर्द्धन गर्ने प्रयास गरिएको छ ।

कपुरकोट गाउँपालिकामा किशोर किशोरीहरूलाई लक्षित गरी सञ्चालन गरिएका शिक्षाका ८ वटा कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरेको छ भने गाउँपालिकाको साक्षरता दर ९२.४३ प्रतिशत छ भने आधारभूत तहको खुद भर्नादर ९४.९४ प्रतिशत छ । माध्यमिक तहको खुद भर्नादर २९.१६ प्रतिशत छ । कपुरकोटमा गाउँपालिकामा उच्च शिक्षाका लागि कुनै क्याम्पस छैन भने उच्च मा.वि. १ वटा, माध्यमिक विद्यालय २ वटा र बालमैत्री शौचालय भएको विद्यालय संख्या ५ वटा छन् ।

कम्प्युटर ल्याब तथा विज्ञान ल्याब एवं पुस्तकालय भएको विद्यालय कम हुनु, गाउँपालिकामा विपन्न वर्ग, बालबालिका एवं युवा तथा महिलाको क्षमता विकासका लागि ठोस दीर्घकालीन योजना नबन्नु, सामुदायिक विद्यालयको कमजोर शैक्षिक गुणस्तर, विद्यार्थीका लागि आवश्यक आधारभूत सुविधाको विद्यालयमा उपलब्धता नहुनु, अझै पनि औषत ३ प्रतिशत बालबालिका विद्यालय बाहिर हुनु, सबै विद्यालयमा बाल एवं अपाङ्गमैत्री पूर्वाधारको निर्माण नहुनु यस क्षेत्रका प्रमुख समस्याहरू हुन् ।

वैकल्पिक शिक्षा प्रवर्द्धनका लागि गाउँपालिकाले वैकल्पिक प्रणालीबाट विद्यार्थीको सिकाई सहजिकरण निर्देशिका, २०७५ तयार गरिनु, विविध प्राविधिक शिक्षालयको स्थापना हुनु, विद्यालय सबलीकरण कार्यक्रमको सञ्चालन, शिक्षक शिक्षिकाको क्षमता विकास तालिमको व्यवस्था, अपाङ्गता भएका विद्यालय उमेरका बालबालिकाको शिक्षामा पहुँचमा वृद्धि हुनु, पिछडिएको समूदाय र आर्थिक रुपमा विपन्नलाई उच्च शिक्षामा पहुँचका लागि सहयोग बढ्दै जानु, विद्यालयहरूको गुणस्तरमा वृद्धि हुँदै जानु यस क्षेत्रका प्रमुख अवसरहरू हुन् । विद्यालय नगएका बालबालिकालाई विद्यालय शिक्षामा समाहित गर्नु, आधुनिक शिक्षण विधिहरू प्रयोगमा ल्याउनु, आवश्यक विद्यालय पूर्वाधारको निर्माण गर्नु, दक्ष युवा जनशक्तिको उत्पादन गर्नु, उच्च शिक्षा प्राप्त जनशक्तिको संख्या वृद्धि गर्नु यस क्षेत्रका चुनौतीहरू हुन् ।

#### ४.१.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उद्देश्य

##### सोच

शैक्षिक विकास मार्फत जीवनयापनमा सुधार ।

##### लक्ष्य

दक्ष र सिर्जनशील शैक्षिक जनशक्तिको विकास गरी ग्रामीण जीवनयापनमा सुधार ल्याउने ।

##### उद्देश्यहरू

- शिक्षालाई ग्रामीण विकासको आधार बनाउनु ।
- समुदायमा निरन्तर सिकाइलाई प्रोत्साहन गर्नु ।
- क्षमता विकास मार्फत दक्ष जनशक्तिको उत्पादन गर्नु ।

#### ४.१.३ रणनीति तथा कार्यनीतिहरु

- गुणस्तरीय शिक्षाको विस्तार मार्फत दक्ष जनशक्तिको उत्पादन गरी आर्थिक क्रियाकलापमा वृद्धि गर्ने ।
- उच्च शिक्षा अध्ययन गर्ने विद्यार्थीको संख्यामा वृद्धि गरी समुदायमा निरन्तर सिकाइलाई प्रोत्साहन गर्ने ।
- शिक्षा मार्फत दलित, अपाङ्ग, महिला तथा युवाको क्षमता विकास गर्ने ।

#### ४.१.४ अपेक्षित उपलब्धी

मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अन्त्यमा साक्षरता युक्त गाउँपालिकाको पहचान स्थापित हुनेछ । सबै बालबालिका विद्यालयको पहुँचभित्र हुनेछन् । थप सामुदायिक सिकाई केन्द्र स्थापना तथा सञ्चालन हुनेछन् । सबै विद्यालयमा बालमैत्री पूर्वाधार तथा खानेपानी सुविधाको विस्तार हुनेछ । थप विद्यालयमा विज्ञान तथा कम्प्युटर ल्याबको व्यवस्था हुनेछ । समावेशी तथा गुणस्तरीय शिक्षा सुनिश्चित गर्ने दिगो विकासको लक्ष्य प्राप्तिका लागि गाउँपालिकामा प्राविधिक शिक्षाको व्यवस्था गर्ने, आधुनिक शिक्षण विधिको प्रयोग गर्ने तथा समयानुकूल शिक्षा नीतिको तर्जुमा गरी लागु भएको हुने छ ।

| शिक्षा   |                 |                 |                 |
|--|-----------------|-----------------|-----------------|
| विवरण  | ईकाई            | आ.ब.<br>२०७९।८० | आ.ब.<br>२०७९।८० |
| आधारभूत तहको खुद भर्नादर                                 | प्रतिशत         | ९४।९४           | ९७।००           |
| बालबालिकामैत्री शौचालय भएको विद्यालय                     | संख्या          | ५               | ७।००            |
| खानेपानीको सुविधा भएको विद्यालय                          | प्रतिशत         | ७०              | १००             |
| बालमैत्री पूर्वाधार भएका सार्वजनिक विद्यालयको संख्या     | प्रतिशत         | १६।६७           | २१।००           |
| विद्यालयमा कम्प्युटर ल्याब भएको                          | विद्यालय संख्या | ८               | ११।००           |
| विद्यालयमा विज्ञान ल्याब भएको संख्या                     | संख्या          | ६               | ८।००            |
| माध्यमिक विद्यालयमा आधारित पुस्तकालय                     | संख्या          | २               | ३।००            |
| अपाङ्गता भएका विद्यालय उमेरका बालबालिकाको शिक्षामा पहुँच | प्रतिशत         | ७९।७१           | १००             |

## ४.२ स्वास्थ्य, पोषण तथा खाद्य सुरक्षा

### ४.२.१ वर्तमान अवस्था

पोषणयुक्त खानपान, स्वच्छ खानेपानी एवं सरसफाइ स्वस्थ जीवनको आधार हो । स्वस्थ जीवनको लागि निरन्तररूपमा पोषणयुक्त खाद्यवस्तुको उपलब्धता हुनु आवश्यक हुन्छ । गाउँपालिकामा उत्पादित कृषि उपजले सबै घरधुरीलाई वर्षभर खान पुग्ने अवस्था छैन । रासायनिक मलको प्रयोगले स्वास्थ्यवर्द्धक खाद्य पदार्थको उत्पादनमा चुनौती सिर्जना गरेको छ । यद्यपि गाउँपालिकाका स्वास्थ्य सूचकहरु सुधारका क्रममा रहेका छन् । अधिकांश महिलाले स्वास्थ्य सेवासुविधाको उपभोग गरेका छन् ।

कपुरकोट गाउँपालिकामा रहेका ९७.९१ प्रतिशत ज्येष्ठ नागरिक र ९३.११ प्रतिशत अपांगता भएका व्यक्तिको स्वास्थ्य सुविधामा पहुँच पुगेको छ । प्रसुति र गर्भवती जाँचको सेवा लिने महिलाको संख्या ९४.७० प्रतिशत छ भने ९९.५८ प्रतिशत महिलाहरुले सुत्केरी सुविधा उपभोग गरेका छन् । दक्ष स्वास्थ्यकर्मीबाट प्रसुति सेवा लिने महिलाको संख्या ९१.४३ प्रतिशत छ ।

गाउँपालिकावासीको औसत आयु ६५ वर्ष पुगेको छ । पोषणको जाँच गराएका बालबालिकाहरु ९४.०९ प्रतिशत छन् । पुडकोपन भएका बालबालिका १३.४१ प्रतिशत छन् । स्वस्थ खानपान, खाद्य सुरक्षा र समग्र स्वास्थ्य क्षेत्रको सुधारका लागि गाउँपालिकाले अभै ठोस योजना बनाई कार्यान्वयन गर्नुपर्ने आवश्यकता देखिन्छ ।

कम तौल भएका बाल बालिकाको संख्या ९.६७ प्रतिशत हुनु, ३२.९४ प्रतिशत महिलामा रक्त अल्पताको समस्या देखिनु, बालबालिका निमोनियाबाट ग्रसित हुने क्रममा कमी नआउनु, ५ वर्ष मुनिका बालबालिकामा भ्रूणपखालाको दर उच्च हुनु, दक्ष स्वास्थ्यकर्मीको अभाव हुनु, स्वास्थ्य चौकीको विस्तार नहुनु, सडक तथा यातायातको व्यवस्थित विकास नहुनु यस क्षेत्रका प्रमुख समस्याहरु हुन् ।

महिला, अपाङ्ग, ज्येष्ठ नागरिकले ग्रामीण स्वास्थ्य सुविधा लिनेक्रम बढ्नु, पशुजन्य एवं कृषि उत्पादनमा वृद्धि हुनु, यातायात सुविधाको विकासले गति लिनु, स्वास्थ्य क्षेत्रमा जनशक्ति उत्पादन हुने क्रम बढ्नु यस क्षेत्रका अवसरहरु हुन् । निमोनिया र भ्रूणपखालाको दर न्यूनीकरण गर्नु, कम तौल भएका बालबालिकाको संख्या घटाउनु, पोषणयुक्त खाद्यपदार्थको सहज आपूर्तिको व्यवस्था मिलाउनु, स्वास्थ्यसंस्थाको गुणस्तर वृद्धि गर्नु यस क्षेत्रका चुनौतीहरु हुन् ।

### ४.२.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उद्देश्य

#### सोच,

आधारभूत स्वास्थ्य सेवाको विस्तार समृद्धिको आधार ।

#### लक्ष्य

स्वस्थ, दक्ष र प्रतिस्पर्धी नागरिकको उत्पादन गरी आर्थिक विकासमा योगदान पुऱ्याउने ।

#### उद्देश्यहरु

- शिक्षालाई ग्रामीण विकासको आधार बनाउनु ।
- समुदायमा निरन्तर सिकाइलाई प्रोत्साहन गर्नु ।
- क्षमता विकास मार्फत दक्ष जनशक्तिको उत्पादन गर्नु ।

### ४.२.३ रणनीति

- स्वास्थ्य संघसंस्थाको गुणस्तर वृद्धि गरी प्रभावकारी स्वास्थ्य सेवाको विस्तार गर्ने ।
- बालबालिका र महिलाको स्वास्थ्यमा पहुँच विस्तार गर्ने ।
- पोषणयुक्त खानेकुराको उत्पादनमा आत्मनिर्भर बन्ने ।

### ४.२.४ अपेक्षित उपलब्धी

गाउँपालिकाका ९८.९ प्रतिशत बालबालिकाले पोषणको जाँच गरिएको हुने छ । गाउँपालिकाका सबै महिलाले सुत्केरी सुविधा उपयोग गर्नेछन् तथा दक्ष स्वास्थ्यकर्मीबाट प्रसुति सेवा लिनेछन् । स्वस्थ खानपानलाई प्रवर्द्धन गरी गाउँपालिकाका सबै वडामा स्वास्थ्य चौकीको व्यवस्था गरेका भएको हुने छ ।

| स्वास्थ्य, पोषण तथा खाद्यसुरक्षा                |                        |                 |                 |
|---|------------------------|-----------------|-----------------|
| विवरण   | ईकाई                   | आ.ब.<br>२०७९।८० | आ.ब.<br>२०७९।८० |
| अपेक्षित आयु (जन्महुदाको)                       | वर्ष                   | ६५              | ६८।२५           |
| पाँच वर्ष मुनिको बाल मृत्यु दर                  | प्रतिहजार जिवित जन्ममा | ९               | ५               |
| कम तौल भएका बाल बालिका                          | प्रतिशत                | ९।६८            | ६               |
| महिलामा रक्त अल्पता                             | प्रतिशत                | ३२।९५           | २५              |
| अपाङ्गता भएका व्यक्तिले स्वास्थ्य परिक्षण गरेका | प्रतिशत                | ९३।११           | ९७।९            |
| प्रसुति र गर्भवती जाँचको सेवा लिएका महिला       | प्रतिशत                | ९४।७१           | ९८              |
| सुत्केरी सुविधा उपभोग गर्ने महिलाहरु            | प्रतिशत                | ९९।५८           | ९९।६८           |
| पोषणको जाँच गराएका बाल बालिकाहरु                | प्रतिशत                | ९४।०९           | ९७।५            |
| खोप, भिटामिन ए आदिको सेवा लिएका बाल बालिका      | प्रतिशत                | ९८।९१           | ९८।९९           |
| दक्ष स्वास्थ्यकर्मीबाट प्रसुति सेवा             | प्रतिशत                | ९१।४३           | ९४              |
| आयुर्वेदिक लगायत परम्परागत औषधालय               | संख्या                 | १               | २               |
| पुडकोपन भएका बालबालिका                          | प्रतिशत                | १३।४१           | ९               |
| मातृशिशु सुरक्षा कार्यक्रम                      | प्रतिशत                | ०               | ३               |

### ४.३ यूवा तथा खेलकुद

#### ४.३.१ वर्तमान अवस्था

युवाको समग्र विकास मार्फत् वर्तमान र भावी समाजको समुन्नत विकासको कल्पना गर्न सकिन्छ । यसै तथ्यलाई मनन गरी गाउँपालिकाले युवालाई विभिन्न किसिमका पेशा तथा व्यवसायमा संलग्न गराउने प्रयास गरेको छ । साथै युवा प्रतिभा विकासका लागि खेलकुदको विकास गर्ने प्रयास गरिएको छ ।

गाउँपालिकामा खेलकुदसँग सम्बन्धीत संस्था र क्लवहरु स्थापना गरिएको छ । खेलकुद प्रवर्द्धनका लागि युवा सृजनशिल कोष स्किमको स्थापना । गाउँपालिकामा विभिन्न किसिमका खेलहरु खेल्ने गरिन्छ । खेलकुदका लागि खुला चौर प्रयोग गरिएको गाउँपालिकामा रंगशाला तथा कभर्ड हलको निर्माण हुन सकेको छैन । उर्जाशिल सयौं जना युवा विदेश पलायन भएका छन् । यस परिप्रेक्ष्यमा युवा रोजगारी र उद्यमशिलताका लागि ठोस कदम चालनुपर्ने आवश्यकता देखिन्छ । खेलकुदका लागि हाल १९ वटा खुला चौरको प्रयोग गरिँदै छ । यस गाउँपालिकामा खेलकुदसँग सम्बन्धित संस्था तथा क्लवहरु १८ वटा छन् भने निर्माण भएका खेल मैदानहरु ९ वटा सञ्चालनमा छन् ।

युवा लक्षित जीवन वृत्ति परामर्श केन्द्रको सञ्चालनको योजना, युवा अभिमुखिकरण कार्यक्रमको सञ्चालन, युवा स्वरोजगारका लागि अनुदान तथा सहूलियतपूर्ण ऋणको व्यवस्था, युवा विकासका लागि खेलमैत्री वातावरणको निर्माण लगायतका कार्य मार्फत गाउँपालिकाका युवाको सीप तथा दक्षता वृद्धिको कार्य गरेको भएता पनि विद्यमान स्रोत

साधन र परिस्थितिमा आशातीत उपलब्धि प्राप्त गर्न सकिएको छैन । गाउँपालिकामा अभैपनि अत्याधिक युवा बेरोजगारीको समस्या रहेको छ । यसका साथै युवाको विदेश पलायन, गाउँपालिकामै उच्च शिक्षाको व्यवस्था नहुनु, युवा कुलतमा फस्नु, युवा स्वरोजगारीको पर्याप्त अवसरको अभाव, स्थानीय परम्परागत खेलकुदको प्रवर्द्धन नहुनु जस्ता समस्याबाट यो क्षेत्र जेलिएको छ ।

युवा समूहहरूको गठन, गाउँपालिकाका युवा लक्षित विविध कार्यक्रम, कृषि, सडक एवं लघु उद्यमको विकास हुनु यस क्षेत्रका अवसरहरू हुन् । सबै युवालाई रोजगारीको अवसरको सिर्जना गर्नु, युवालाई समाजप्रतिको दायित्वबोध गराउनु, युवा नेतृत्व विकास गर्नु, युवा स्वरोजगारका लागि सहायता उपलब्ध गराउनु, युवालाई अपराधिक क्रियाकलापबाट विमुख गराउनु यस क्षेत्रका चुनौतीहरू हुन् ।

### ४.३.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उद्देश्य

#### सोच,

सक्षम युवा समृद्ध समाज ।

#### लक्ष्य

सबै क्षेत्र, वर्ग र जातिका युवाको समग्र विकास गर्ने ।

#### उद्देश्यहरू

- बै वर्ग, जाति र क्षेत्रका युवाको साक्षरतादर वृद्धि गर्नु ।
- युवालाई व्यावसायिक सीप एवं तालिम प्रदान गर्नु ।
- युवालाई सामाजिक गतिविधिमा सक्रिय सहभागी गराउनु ।

### ४.३.३ रणनीति तथा कार्यनीतिहरू

- गाउँपालिकाका सबै युवाको शैक्षिक स्तर वृद्धि मार्फत सक्षम नेतृत्वको विकास गर्ने ।
- युवामा व्यावसायिक सोच, सीप र नेतृत्वको विकास गर्ने ।
- सामाजिक गतिविधिमा युवा संलग्नता बढाइ सुशासन र लोकतन्त्र संस्थागत गर्ने ।

### ४.३.४ अपेक्षित उपलब्धी

योजनाको अन्त्यमा युवा बेरोजगारी घटेर प्रतिशत हुनेछ । रंगशालाको निर्माण गरिनेछ । खेलकुदसँग सम्बन्धीत थप संस्था र क्लवहरू स्थापना गरिनेछन् । युवा सृजनशिल कोष स्किमको गठन हुनेछ । युवाको समाजप्रतिको लगाव बढाउँदै खेलकुद र युवा प्रतिभाको विकास गर्न सकेको खण्डमा समाजमा दिगो आर्थिक वृद्धि तथा समावेशी विकाससँग सम्बन्धित दिगो विकासको लक्ष्य प्राप्तमा सहयोग पुग्नेछ ।

| युवा तथा खेलकुद                               |              |              |              |
|---|--------------|--------------|--------------|
| विवरण   | ईकाई         | आ.ब. २०७९।८० | आ.ब. २०७९।८० |
| खेल मैदान                                     | संख्या/रोपनी | ९            | १२           |
| खेलकुदका लागि प्रयोग भएका खुला चौर            | संख्या       | १९           | २२           |
| युवा श्रृजनशिल कोष स्किम                      | वटा          | ६            | ८            |
| वडा भित्र खेलिने प्रमुख खेल र प्रतिस्पर्धाहरू | संख्या       | १२           | २०           |
| खेलकुदसँग सम्बन्धीत संस्था र क्लवहरू          | संख्या       | १८           | २५           |
| जिल्लास्तरिय खेलकुद पदक विजेता                | संख्या       | ७            | १३           |

#### ४.४ अन्वेषण तथा सिर्जनात्मकता ४.४.१ वर्तमान अवस्था

प्रकृति, इतिहास र स्थानीय संस्कृतिबिच लुकेका रहस्यको खोज र स्थानीय वातावरणमा सिर्जनात्मक क्रियाकलापको प्रवर्द्धन गर्ने पर्याप्त सम्भावना देखिन्छ। स्थानीय कला र संस्कृति, परम्परागत प्रविधिको संरक्षणका लागि अन्वेषणको ठूलो महत्व हुन्छ। कपुरकोट गाउँपालिका चुरे क्षेत्रको थाप्लो र पालिका आसपासको उर्वर जमिन यहाँका स्थानीय खोल्सा खोल्सीले कम मात्रै सिञ्चित भएको पाईन्छ। यो क्षेत्रमा रहेको राप्ती राजमार्गले तुलसीपुर हुँदै कपुरकोट हुँदै सल्यान कटेर रुकुम, रोल्पासम्म जोडेको छ। सल्यान जिल्लाको केन्द्र जोड्ने सहायक सडकहरुका कारण आर्थिक तथा शैक्षिक केन्द्रको रूपमा विकसित हुँदै गएको छ। नवनिर्माण, बसाई सराई र जनसंख्याको चापले यहाँको वातावरणमा भने धेरै चुनौती थपेको छ तर पनि श्रृजनात्मक कृषि, पशुपालन, गैर काष्ठ उत्पादनमा यो गाउँपालिका अग्रणी मानिन्छ।

कपुरकोट गाउँपालिका वासीको परम्परागत संस्कृतिले गाउँपालिकामा अन्वेषण र सिर्जनात्मकता अभिवृद्धि गर्ने पर्याप्त सम्भावनालाई देखाउँछ। किशोर किशोरी तथा युवा वर्गलाई क्षेत्रगत सिर्जनात्मक क्रियाकलापका लागि अभिप्रेरित गरी गाउँपालिकाको छुट्टै पहिचान स्थापित गर्ने सम्भावना रहेको छ। तर यस क्षेत्रलाई गाउँपालिकाको कार्ययोजनाले समेट्न सकेको छैन।

गाउँपालिकाका स्थानीय जनजीवनमा आधारित सीप, कला तथा प्रविधिको संरक्षण र आधुनिकीकरण गर्न सकेमा स्थानीय पहिचानको जगेर्ना गर्ने सम्भावना भए तापनि स्थानीय सीप हस्तान्तरण, अध्ययन अनुसन्धान तथा अन्वेषणको अभावमा यस्ता परम्परागत सिप, कला तथा प्रविधि लोप हुने अवस्थामा छन्। तसर्थ अन्वेषण र युवा सिर्जनात्मकतालाई प्राथमिकता दिनुपर्ने आवश्यकता देखिन्छ।

गाउँपालिकामा प्रयोगमा रहेका परम्परा, सीप, कला र प्रविधिलाई समयानुकुल आधुनिकीकरण गर्न सकेमा वातावरण मैत्री स्थानीय गतिविधिलाई प्रोत्साहन गर्ने सम्भावना देखिन्छ। यस्तै गरी प्रकृतिप्रदत्त स्थानीय स्रोत साधनको अन्वेषण गर्ने, स्थानीय उत्पादनमा सिर्जनात्मक विधिको प्रयोग गरी उत्पादनको बजार सुनिश्चित गर्ने जस्ता कार्य गर्न सकेमा गाउँपालिकामा थप आय आर्जनको अवसर सिर्जना गर्न सकिने सम्भावना देखिन्छ। तर स्थानीय सीप, कला र प्रविधिबारे युवा वर्गमा चिन्तन नहुनु, बजारमा सुलभ मूल्यमा पाइने प्रविधिसँग स्थानीय प्रविधि प्रतिस्पर्धा गर्ने वातावरण नहुनु, दक्ष स्थानीय अनुसन्धानकर्ताको अभाव हुनु यस क्षेत्रका चुनौतीहरु हुन्।

#### ४.४.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उद्देश्य

##### सोच,

स्थानीय सीप र प्रविधि प्रवर्द्धन मार्फत् स्थानीय संस्कृति र परम्पराको संरक्षण।

##### लक्ष्य

स्थानीय परम्परागत सीप तथा प्रविधिलाई समयानुकुल विकास गर्ने।

##### उद्देश्यहरु

- स्थानीय सीप तथा प्रविधिको संरक्षणका लागि युवालाई प्रोत्साहन गर्नु।
- स्थानीय स्तरमा चलनचल्तीमा रहेका कला तथा प्रविधिको बारेमा अनुसन्धान कार्यलाई प्राथमिकता दिनु।

#### ४.४.३ रणनीति

- स्थानीय युवालाई स्थानीय सीप तथा प्रविधिबारे जानकारी गर्ने।
- स्थानीय परम्परा, कला, प्रविधि तथा प्राकृतिक सम्पदाका बारेमा अनुसन्धान तथा खोजमुलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने।

#### ४.४.४ अपेक्षित उपलब्धी

स्थानीय सीप, कला र संस्कृति एवं प्राकृतिक सम्पदाको संरक्षण हुनेछ।

## ४.५ खानेपानी तथा सरसफाई

### ४.५.१ वर्तमान अवस्था

खानेपानी तथा सरसफाइलाई महत्व दिदै दिगो विकासको महत्वपूर्ण लक्ष्यको रूपमा यसलाई लिइएको छ । गाउँपालिकामा खानेपानी तथा सरसफाईका क्षेत्रका सूचकहरु सुधारोन्मुख अवस्थामा छन् । खानेपानीको लागि सुरक्षित खानेपानीको प्रयोग गर्ने जनसंख्या ३८.७३ प्रतिशत पुगेको छ । नदी वा खोलाको जानी प्रयोग गर्ने जनसंख्या १६.१६ प्रतिशत छ । गाउँपालिकाले खानेपानीलाई प्राथमिकता दिई खानेपानीको सुविधा विस्तार गरेको भए तापनि सरसफाईका क्षेत्रमा अझै धेरै कार्य गर्नुपर्ने देखिन्छ । यस गाउँपालिकामा रहेका कतिपय मानिसहरु मूलको पानी प्रयोग गर्छन् । मूलको पानी प्रयोग गर्ने मानिसहरु २९.७४ प्रतिशत छन् । त्यस्तै कुवाको पानी प्रयोग गर्ने मानिसहरुको संख्या १५.३५ प्रतिशत छ ।

कपुरकोट गाउँपालिकामा बसोबास गर्ने मानिसहरु मध्ये १८११ घर परिवारमा साधारण शौचालयको पहुँच पुगेको छ । फ्लस शौचालय भएका घर परिवारहरुको संख्या १९८ छ भने सेफ्टी टंकी भएको शौचालय हुनेहरुको संख्या ९ मात्र छ । साधारण शौचालयको प्रयोग सबै तिर भए पनि सार्वजनिक स्थलमा पर्याप्तमात्रामा शौचालयको विस्तार हुन सकेको छैन र घरायसी फोहरमैलाको व्यवस्थापन गरी सरसफाई प्रवर्द्धन गर्ने ठोस कार्ययोजना ल्याइएको पाइदैन ।

गाउँपालिकामा अझैपनि ग्रामिण क्षेत्रका ६१.३३ प्रतिशत परिवारले खोला, मूल र नदीको पानी प्रयोग गर्ने बाध्यात्मक अवस्था छन् । भाडापखाला लगायतका पानीजन्य रोगको नियन्त्रण गर्न गाउँपालिकाका सबै स्थानमा स्वच्छ पाइपको खानेपानीको पहुँच विस्तार गर्नुपर्ने भएतापनि त्यसो हुन सकेको छैन । बढ्दो जनसंख्यासँगै सरसफाइका क्रियाकलापमा वृद्धि हुन सकेको छैन । साथै यस क्षेत्रमा काम गर्ने दक्ष जनशक्तिको अभाव छ । जलाधार क्षेत्रको व्यवस्थितरूपमा संरक्षण हुन सकेको छैन । फोहरमैला प्रशोधनका लागि पूर्वाधारको दिगो विकास हुन सकेको छैन ।

खानेपानीको उचित व्यवस्था गर्न पर्याप्त जलस्रोतको उपलब्धता हुनु, स्वास्थ्य चेतनाको विस्तार हुनु, खानेपानी शुद्धिकरण गर्ने उपकरणको प्रयोग बढ्नु, खानेपानी तथा सरसफाइ गाउँपालिकाको प्राथमिकतामा पर्नु यस क्षेत्रका अवसरहरु हुन् । सबै परिवारमा शौचालयको पहुँच विस्तार गर्नु, सबै घरधुरीमा पाइप मार्फत स्वच्छ खानेपानीको वितरण गर्नु, आवश्यक भौतिक पूर्वाधारको निर्माण गर्नु यस क्षेत्रका चुनौतीहरु हुन् ।

### ४.५.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उद्देश्यहरु

#### सोच,

आधारभूत सरसफाइ तथा खानेपानीमा सबैको पहुँच विस्तार ।

#### लक्ष्य

सबै वडामा सरसफाइ तथा प्रशोधित शुद्ध खानेपानीको पहुँच विस्तार गर्ने ।

#### उद्देश्यहरु

- सरसफाइ सेवा सुविधामा सुधार गरी वातावरणमैत्री समाजको निर्माण गर्नु ।
- सबै घरधुरीमा स्वच्छ खानेपानीको पहुँच विस्तार गर्नु ।

### ४.५.३ रणनीति तथा कार्यनीतिहरु

- ग्रामीण फोहर तथा ढलको उचित व्यवस्थापन गरी स्वच्छ गाउँपालिकाको निर्माण गर्ने ।
- जलस्रोत तथा जलाधार क्षेत्रको उचित व्यवस्थापन गरी खानेपानी पूर्वाधारको विकास मार्फत् खानेपानीको पहुँच विस्तार गर्ने ।



#### ४.५.४ अपेक्षित उपलब्धी

मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अन्त्यमा पाइएको पानी प्रयोग गर्ने परिवार अन्त्यमा ९६ प्रतिशत पुग्नेछ । यस्तै गरी सुरक्षित खानेपानी पुगेको जनसंख्या मध्यावधिमा प्रतिशत र योजनाको अन्त्यमा शतप्रतिशत पुग्नेछ । फ्लस-सेप्टि ट्याङ्कमा जोडिएको शौचालय प्रयोगकर्ता परिवारको संख्या प्रतिशत पुग्नेछ । फोहरमैला रिसाइक्लिंग गर्ने व्यवस्था गर्न सकेका खण्डमा तथा जलस्रोत र जलाधार क्षेत्रको संरक्षण गरेका खण्डमा खानेपानी तथा सरसफाइ सम्बन्धित दिगो विकासको लक्ष्य प्राप्त गर्न सकिनेछ ।

#### ४.६ लैंगिक तथा सामाजिक समावेशीता

##### ४.६.१ वर्तमान अवस्था

लैंगिक समानता तथा महिला सशक्तिकरण समावेशी एवं दीगो विकासको प्रमुख आधारहरु मध्ये एक हो । विविध प्रयासका कारण गाउँपालिकाको नीति निर्णायक तहमा महिलाको पहुँच ३६.५७ प्रतिशत पुगेको छ । महिला श्रम सहभागिता दर ६९.९५ प्रतिशत पुगेको छ । महिलाको व्यवस्थापकिय क्षमता विकासका लागि ६४.०५ प्रतिशत महिला सहकारी संस्थाको सुदृढीकरण गरिएको छ । अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरुको सामाजिक तथा आर्थिक कृयाकलापमा सकृय सहभागिता दर ४९.४४ प्रतिशत पुगेको छ । गाउँपालिकाको विकासकालागि महिला कृषक समूहको गठन हुनु, आधुनिक कृषि तथा पशुपालन व्यवसायमा महिलाहरु संलग्न हुनेक्रम बढ्नु महिला सशक्तिकरणका थप सकारात्मक पक्षहरु हुन् ।

नेपाल सरकारको सबै किसिमका हिंसा विरुद्ध शून्य सहनशीलताको नीति, गाउँपालिकाको नीति तथा कार्यक्रममा लैंगिक समानता तथा सामाजिक समावेशिकरणले प्राथमिकता पाउनुले यस क्षेत्रको विकासका लागि सकारात्मक वातावरण सिर्जना गरेको छ । तर गाउँपालिकामा महिला तथा अपाङ्गता भएका व्यक्ति सम्बन्धित हिंसाका घटना घट्नु छाडेका छैनन । पिछडिएका र सिमान्तकृत वर्गका महिलाको उत्थान हुन सकेको छैन । विभिन्न महिला समूहको उपयोग गरी सामाजिक रुपान्तरणलाई गति दिन सकिएको छैन । अझै पनि महिलाको शैक्षिक स्तरमा उल्लेख्य सुधार कम छ र नीति निर्णायक तहमा महिलाको उल्लेख्य पहुँच पुग्न सकेको छैन । महिलामाथि हुने विभेद व्यावहारिक रुपमा हट्न सकेको छैन ।

महिलाहरुको आर्थिक क्रियाकलापमा सक्रिय सहभागिता बढ्नु, महिलाहरु विभिन्न किसिमका समूहमा आवद्ध हुनु, गाउँपालिकाबाट महिलाहरुको आत्मसम्मान बढाउने कार्यक्रमको आयोजना गरिनु, सांस्कृतिक सुधारका कार्यक्रमहरुको आयोजना हुनु यस क्षेत्रका अवसरहरु हुन् । एकल महिलाको संरक्षण, घरेलु हिंसा तथा महिला हिंसाको उन्मूलन गर्नु, असल एवं सक्षम महिला नेतृत्वको विकास गर्नु यस क्षेत्रका चुनौतीहरु हुन् ।

##### ४.६.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उद्देश्यहरु

###### सोच,

महिलाको विकास समतामूलक समाजको निर्माण ।

###### लक्ष्य

महिला सशक्तिकरण एवं जनचेतना मार्फत लैंगिक विभेद अन्त्य गर्ने

###### उद्देश्यहरु

- महिला हिंसा न्यूनीकरण गर्नु ।
- विपन्न र पिछडिएका महिलाको समग्र विकास गर्नु ।
- ग्रामीण सेवा सुविधामा महिलाको पहुँच बढाउने ।

##### ४.६.३ रणनीति

- हिंसा पीडितलाई समयमै न्याय दिलाई महिला हिंसा न्यूनीकरण गर्ने ।

- विपन्न र पिछडिएका महिलालाई सामाजिक क्रियाकलापमा सहभागिता बढाई समग्र विकास गर्ने ।
- महिलाले प्राप्त गर्ने सेवा सुविधाबारे जानकारी गराइ ग्रामीण सेवा सुविधामा महिलाको पहुँच बढाउने ।

#### ४.६.४ अपेक्षित उपलब्धी

महिला श्रम सहभागिता दर ६९.९५ प्रतिशतबाट ७० प्रतिशत पुग्नेछ । अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरुको सामाजिक तथा आर्थिक कृयाकलापमा सकृय सहभागिता दर ५० प्रतिशत भन्दा बढि हुनेछ । गाउँपालिकाको विकासकालागि महिला कृषक समूहको गठन हुनु, आधुनिक कृषि तथा पशुपालन व्यवसायमा महिलाहरु संलग्न हुनेक्रम बढ्ने र महिला सशक्तिकरण थप सकारात्मक हुनेछ । नीति निर्णायक तहमा महिलाको पहुँच बढ्दै जाने साथै प्राविधिक तथा व्यवसायिक दक्षता अभिवृद्धि कार्यक्रममा महिला सहभागिता तिब्ररूपमा बढनेछ । । महिला दक्षता अभिवृद्धि भई स्वरोजगारका कार्यक्रम लागु हुने, सामाजिक चेतनाका लागि महिलालाई नै परिचालन हुने, आवश्यक ऐन कानुनको निर्माण भई लैगिक समानता सम्बन्धी दिगो विकासको लक्ष्य हासिल हुनेछ ।

| लैगिक तथा सामाजिक समावेशीता   |         |                 |                 |
|---|---------|-----------------|-----------------|
| विवरण   | ईकाई    | आ.ब.<br>२०७९।८० | आ.ब.<br>२०७९।८० |
| मानव अधिकार उलंघनका घटना  | संख्या  | ११              | ५               |
| स्थानिय तहका न्यायिक समितिका पदाधिकारीहरुलाई तालिम  | संख्या  | १२              | २०              |
| महिला श्रम सहभागिता दर  | प्रतिशत | ६९।९५           | ७१              |
| नीति निर्णायक तहमा महिलाको पहुँच  | प्रतिशत | ३६।३९           | ४२              |
| स्थानीय तहमा गरिब तथा असहायलाई कानुनी सहायता अभियान   | संख्या  |                 |                 |
| स्थानीय समिति, योजना कार्यान्वयन कार्यदल, उपभोक्ता समिति आदिको नेतृत्वदायि दपमा महिला र अन्य लक्षित वर्गको प्रतिनिधित्व | प्रतिशत | ३३।०१           | ३३।५            |
| सा.व.उ.स.(कार्यसमिति) मा महिला तथा दलित सहभागिता  | प्रतिशत | ३५।६०           | ४१              |
| ज्यालाको अन्तर घटाउने (महिला, पुरुष)  | प्रतिशत | १००             | १००             |
| प्राविधिक तथा व्यवसायिक दक्षता अभिवृद्धि कार्यक्रममा महिला सहभागिता   | प्रतिशत | ६४।०६           | ६८।९            |
| नीति निर्णायक तहमा महिलाको पहुँच  | प्रतिशत | ३६।५८           | ४५।९            |
| महिला सहकारी संस्थाको सुदुडीकरण   | प्रतिशत | १।६७            | ३।८१            |

#### ४.७ लक्षित वर्ग उत्थान-वालवालीका, विपन्न तथा जेष्ठ नागरिक

##### ४.७.१ वर्तमान अवस्था

समावेशी विकास मार्फत् सामाजिक सेवा सुविधामा सबै गाउँपालिका वासीको समान हक स्थापित गर्ने सोचका साथ गाउँपालिकामा लक्षित वर्गको उत्थानका विविध क्रियाकलाप सञ्चालन गरिएको छ । अपाङ्गता परिचयपत्र वितरण,

विभिन्न क्षेत्रगत समितिमा दलित तथा महिलाको समावेश केही प्रशंसनीय उदाहरणहरू हुन् । आधारवर्ष सम्ममा प्रतिशत अपांगता भएका व्यक्तिहरूले अपांगता परिचयपत्र प्राप्त गरेका छन् । अपांगमैत्रि भौतिक संरचना विद्यालय, तथा स्वास्थ्य संस्था निर्माण गरिएको छ । ५९ जना दलितहरू विभिन्न किसिमका उद्यम तथा व्यवसायमा संलग्न छन् । सिमान्तकृत वर्गको शैक्षिक अवस्था निम्नस्तरको रहेको छ ।

अपांगता भएका व्यक्तिहरूको सामाजिक तथा आर्थिक कृयाकलापमा भरपुर योगदान पाईन्छ । कपुरकोट गाउँपालिकामा रहेका अपांगहरू मध्ये ४९.४४ प्रतिशत अपांगहरू विविध कृयाकलापमा संलग्न रहेको पाइन्छ । अपांगता पवरिचय पत्र प्राप्त गर्नेहरूको संख्या पनि ६०५ पुगेको छ । विविध उद्यम तथा व्यवसायमा संलग्न अपांगहरू ७ जना छन् भने वर्षभरीमा अपांगहरूको विविध स्थानमा गरी १५ पटक स्वास्थ्य परिक्षण गरिएको छ । लक्षित वर्गलाई प्रोत्साहन गर्दै यस कपुरकोट गाउँपालिकाले विविध कार्यक्रमहरू पनि गर्दै आएको छ ।

गाउँपालिकामा महिला, दलित, अपांग, लोपोन्मुख तथा सीमान्तकृत वर्गको उत्थानका लागि विविध प्रयासहरू गरिएको भए तापनि सिमान्तकृत समुदाय (मगर, ब्राम्हण, क्षेत्री, दलित) को उत्थानका लागि ठोस पहल गरिएको छैन । मगर तथा दलित तथा पिछडिएका वर्ग शिक्षाको अभावमा उत्कृष्ट रोजगारीका अवसरबाट वञ्चित हुनुपरेको छ । समाजले दलित, महिला, अपांग एवं पिछडिएका वर्गप्रति हेर्ने दृष्टिकोणमा परिवर्तन आउन सकेको छैन ।

उद्यम तथा व्यवसायमा दलित व्यक्तिहरू संलग्नहुने क्रम बढ्नु, अपांगता परिचयपत्र वितरण हुनु, लक्षित वर्ग केन्द्रित नीतिगत व्यवस्था हुनु यस क्षेत्रका अवसरहरू हुन् । लक्षित वर्गलाई रोजगारीको अवसर सिर्जना गर्नु, सिमान्तकृत एवं लोपोन्मुख जातिको संरक्षण गर्नु, लक्षित वर्गको साक्षरता दर वृद्धि गर्नु यस क्षेत्रका चुनौतीहरू हुन् ।

#### ४.७.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उद्देश्यहरू

##### सोच,

समतामूलक समाज निर्माणका लागि लक्षित वर्गको उत्थान ।

##### लक्ष्य

लक्षित समुदायको शैक्षिक, आर्थिक अवस्थामा सुधार ल्याउने ।

##### उद्देश्यहरू

- लक्षित वर्ग केन्द्रित भेदभाव र शोषणको अन्त्य गर्नु ।
- लक्षित समुदायको साक्षरता दर वृद्धि गर्नु ।
- लक्षित वर्गलाई सामाजिक क्रियाकलापमा सक्रिय बनाउनु ।

#### ४.७.३ रणनीति तथा कार्यनीतिहरू

- सामाजिक विभेद र शोषण अन्त्यका लागि जनचेतना फैलाउने ।
- महिला, दलित, लोपोन्मुख जातिको शिक्षामा पहुँच बढाउने ।
- लक्षित वर्गलाई स्थानीय क्रियाकलापमा सक्रिय बनाई उनीहरूको आत्मबल बढाउने,
- जेष्ठ नागरिकहरूका अनुभव, सिप तथा क्षमताहरूको ससम्मान वातावरण मिलाउने ।

#### ४.७.४ अपेक्षित उपलब्धी

अ अन्त्यमा प्रतिशत दलित उद्यम तथा व्यवसायमा संलग्न हुनेछन् । लक्षित वर्गको उत्थानका लागि क्षमता अभिवृद्धि तथा संरक्षणका कार्यक्रमको निर्माण गरी लागु गरेमा गरिवी अन्त्य गर्ने तथा समावेशितासँग सम्बन्धित दिगो विकासको लक्ष्य प्राप्तमा सहयोग मिलेछ ।

| लक्षित वर्ग (अति बिपन्न, भुमीहिन, अल्पसंख्यक, बालबालिका तथा ज्येष्ठ नागरिक) उत्थान |         |                 |                 |
|--|---------|-----------------|-----------------|
| विवरण  | ईकाई    | आ.ब.<br>२०७९।८० | आ.ब.<br>२०७९।८० |
| गत एक वर्षभित्र घटेका ज्येष्ठ नागरिकहरुको हिंसा, हत्या र आत्महत्या                 | संख्या  | ८               | ४               |
| ज्येष्ठ नागरिकको स्वास्थ्य परिक्षण   | पटक     | १५              | २२              |
| ज्येष्ठ नागरिक कल्याणका लागि कार्य गर्ने संघ संस्था                                | संख्या  | २               | ५               |
| ज्येष्ठ नागरिक सहायता केन्द्र  | संख्या  | ०               | १               |
| अपांगता भएका व्यक्तिहरुको सामाजिक तथा आर्थिक कृयाकलापमा सकृय सहभागिता दर           | प्रतिशत | ४१।४५           | ५०              |
| ज्येष्ठ नागरिकले स्वास्थ्य परिक्षण गरेका   | प्रतिशत | ९७।९१           | ९८              |
| अपांगता भएका व्यक्तिहरुको आत्मनिर्भर, स्वावलम्बी र सम्मानजनक जीवन यापनको माध्यम    | प्रतिशत | १४।१२           | १७              |
| उद्यम तथा व्यवसायमा संलग्न अपांगता भएका व्यक्तिहरु                                 | संख्या  | ७               | ११              |
| अपांगमैत्रि भौतिक संरचना भएका विद्यालय, निर्माण                                    | संख्या  | ४               | ८               |
| अपांगमैत्रि भौतिक संरचना भएका स्वास्थ्य संस्था निर्माण                             | संख्या  | २               | ४               |
| अपांगमैत्रि भौतिक संरचना प्रसासनिक भवन निर्माण                                     | संख्या  | १               | २               |
| अपांगता परिचय पत्र प्राप्त गरेका   | संख्या  | ६०५             | ६२५             |

#### ४.८ भाषा, संस्कृति, कला साहित्य

##### ४.८.१ वर्तमान अवस्था

गाउँपालिकामा सांस्कृतिक तथा पुरातात्विक सम्पदाहरुको यथास्थितिबारे जानकारी लिन अध्ययन अनुसन्धानलाई प्राथमिकता दिइएको छ । विभिन्न किसिमका प्रतियोगिता, मेला, पर्व र महोत्सवहरुको आयोजना मार्फत भाषा, साहित्य, कला र संस्कृतिको जगेर्ना गर्ने प्रयास गरिएको छ । परम्परागत तथा सांस्कृतिक सम्पदा संरक्षणका लागि क्रियाशील रहेका छन् । भाषा, साहित्य, कला र संस्कृतिसँग सम्बन्धित संग्रालयहरुको स्थापना गरिएको छ । धार्मिक र ऐतिहासिक स्थलमा ११ वटा पूर्वाधार निर्माण भएको छ । तथापि भाषा, संस्कृति, कला र साहित्यको जगेर्नाका लागि योजनाबद्ध कार्यक्रम निर्माणको आवश्यकता देखिन्छ ।

कला, साहित्य र संस्कृतिसँग सम्बन्धित प्राविधिक प्रतियोगिताहरु पनि यस गाउँपालिकामा गाराउँदै आएको छ । वर्तमान समयमा ७ वटा प्राविधिक मेला तथा महोत्सवहरु सञ्चालनमा थिए । कला तथा संस्कृतिको संरक्षणका लागि क्रियाशील संघ तथा संस्थाहरु ३ वटा सञ्चालनमा छन् ।

ऐतिहासिक, पुरातात्विक, धार्मिक, सांस्कृतिक दृष्टिले महत्त्वपूर्ण स्थलहरुको दीर्घकालीन सोचको अभाव र बजेटको कमीका कारण संरक्षण र संवर्द्धन गर्न सकिएको छैन । सिमान्तकृत समुदाय लोपोन्मुख अवस्थामा छन् । मठ मन्दिरको व्यवस्थित रूपमा संरक्षण भएको छैन भने समुदायको कला साहित्यको व्यवस्थित अभिलेख पाइदैन ।

थारु समुदायलाई पर्यटनसँग जोड्नु, धार्मिक एवं तीर्थस्थलको रूपमा प्राचीन मन्दिरहरुको विकास गर्नु, संस्कृति सम्पदा संरक्षणका लागि आवश्यक व्यवस्था हुनु, सडक पूर्वाधारको विकास हुनु यस क्षेत्रका सम्भावनाहरु हुन् । थारु तथा मधेसी समुदायको परम्परा संरक्षण गर्नु, धार्मिक, सांस्कृतिक स्थलको संरक्षण गर्नु, स्थानीय कला र साहित्यको अभिलेख राख्नु यस क्षेत्रका चुनौतीहरु हुन् ।

#### ४.८.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उद्देश्यहरु

##### सोच,

धार्मिक सांस्कृतिक आस्थाको सम्मान सद्भावपूर्ण समाज ।

##### लक्ष्य

समाजमा विद्यमान संस्कृति र परम्पराको संरक्षण गर्ने ।

##### उद्देश्यहरु

- सबै धर्मावलम्बी र सबै जातिबीचको एकता र सद्भावलाई निरन्तरता दिनु ।
- सबै जाति र वर्गको कला, साहित्य र संस्कृतिको संरक्षण र प्रवर्द्धन गर्नु ।
- सांस्कृतिक परम्परालाई वैज्ञानिक तर्कले पुष्टि गर्ने कार्यको थालनी गर्नु ।

#### ४.८.३ रणनीति तथा कार्यनीतिहरु

- समाजमा शान्ति र एकताका लागि समयानुकूल सामाजिक विकासमा जोड दिने ।
- कला, साहित्य, संस्कृति एवं धार्मिक स्थलको संरक्षणका लागि समुदायको सहभागिता बढाउने ।
- परम्परागत संस्कृतिको विकासका लागि सांस्कृतिक परम्पराको वैज्ञानिक महत्वबारे प्रचार गर्ने ।

#### ४.८.४ अपेक्षित उपलब्धी

मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अन्त्यमा परम्परागत तथा सांस्कृतिक क्षेत्रहरुको संरक्षण गरिनेछ । धार्मिक र ऐतिहासिक स्थलमा थप पूर्वाधारको निर्माण हुनेछ । व्यवस्थित कार्ययोजना बनाई भाषा, संस्कृति, कला र साहित्यको जर्गेना मार्फत् लोपोन्मुख भाषा, संस्कृति र परम्पराको संरक्षण तथा विकास हुनेछ । फलस्वरूप दिगो विकासको लक्ष्य प्राप्तमा सहयोग मिल्ने छ ।

| भाषा, संस्कृति, कला साहित्य  |        |                 |                 |
|--|--------|-----------------|-----------------|
| विवरण  | ईकाई   | आ.ब.<br>२०७९।८० | आ.ब.<br>२०७९।८० |
| भाषा, साहित्य, कला र संस्कृतिको संरक्षण र प्रवर्द्धनमा क्रियाशिल संघ संस्थाहरु | संख्या | ३               | ४               |
| सांस्कृतिक तथा पुरातात्विक सम्पदाहरुको अध्ययन अनुसन्धान                        | संख्या | १               | २               |
| परम्परागत तथा सांस्कृतिक गुठी संरक्षण  | संख्या | २               | ३               |
| भाषा, साहित्य, कला र संस्कृतिसँग सम्बन्धित संग्रालयहरुको संख्या                | संख्या | ०               | १               |
| धार्मिक र ऐतिहासिक स्थलमा पूर्वाधार निर्माण                                    | संख्या | ११              | १३              |
| धर्म संस्कृतिको संरक्षण र विकासमा लागेका अभियन्ताहरुको बृत्ति विकास            | संख्या | ०               | १               |

|   |        |   |   |
|---|--------|---|---|
| भाषा, साहित्य, कला र संस्कृतिसँग सम्बन्धित प्रतियोगिता, मेला, पर्व र महोत्सवहरू | संख्या | ७ | ९ |
|---|--------|---|---|

#### ४.९ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

प्राविधिक तथा रोजगारमुलक शिक्षाको कमिले यूवावर्ग विदेश जान बाध्य हुनु, सेवा सुविधा तथा अन्य विभिन्न कारणले बसाँई सराई गरेर तराईतिर जाने क्रम नरोकिदा गाउँपालिका भित्र दक्ष कामदारको अभाव हुनु र सार्वजनिक विद्यालयहरूमा विद्यार्थी घटदै जाने र निजी विद्यालयहरूमा विद्यार्थी बढदै जानु चुनौतिको विषय छ। सामाजिक क्षेत्रको विकासका लागि पर्याप्त पूर्वाधार, प्रयोगशाला, अनुसन्धान र सुविधाको उपलब्धता, प्रशिक्षण, संगठन संरचना र जनशक्तिको व्यवस्था र क्षमता अभिवृद्धि गर्नु चुनौति रहेकोछ। तिनै तहका सरकार, सरोकारवाला निकाय, अन्तर्राष्ट्रिय, राष्ट्रिय र स्थानीय गैर सरकारी तथा समुदायमा आधारित संस्थाहरू बीच समन्वय, सहकार्य, साभेदारी गरी उपलब्ध स्रोत साधनको उच्चतम परिचालन गरी प्रस्तावित कार्यक्रमको प्रभावकारी कार्यान्वयन भई अपेक्षित उपलब्धी हासिल हुने अनुमान गरिएको छ।

## परिच्छेद ५ : पूर्वाधार विकास

### ५.१ आवास तथा वस्ती विकास

#### ५.१.१ वर्तमान अवस्था

सडक विस्तार र वस्ती थपिने क्रम सुरुवाती चरणमै छ । त्यसकारण वस्ती विकास व्यवस्थापन र पूर्वाधार विकास निर्माण योजना अनुरूप हुन सक्ने देखिन्छ । गाउँपालिकामा सुरक्षित आवासमा पहुँच पुगेको जनसंख्या अत्यन्तै न्यून अर्थात् १९.५१ प्रतिशत मात्र छ । वर्तमानमा नक्सा पास गरी घर निर्माण गर्ने कार्यलाई प्राथमिकता दिइएको छ तर पनि नक्शा पास गरी घर निर्माण गर्नेहरूको संख्या अत्यन्तै न्यून अर्थात् १.९१ प्रतिशत मात्र छ । तर दिनानुदिन घर नक्शा पास गरी निर्माण गर्ने कार्यको बृद्धि हुँदै गएको छ । ढल तथा सडक निर्माण लगायतका आधारभूत सेवाको समयानुकूल विकास हुन सकेको छैन । गाउँपालिकाको सेवा सुविधामा विस्तार गरी समग्र अर्थतन्त्रको विकास मार्फत बसाइ सराइ गरेर जानेको संख्यामा कमी ल्याउन, व्यवस्थित वस्ती विकास गर्न तथा शहरोन्मुख क्षेत्रको विकासको योजना बनाउन विशेष पहल गर्नुपर्ने आवश्यकता देखिन्छ ।

वातावरण मैत्री वस्ती विकास हुन नसक्नु, जनसंख्या वृद्धि अनुसार गाउँपालिकाको सेवा सुविधामा विस्तार नहुनु, गुणस्तरीय पूर्वाधार विकासको अभाव हुनु, दक्ष जनशक्तिको अभाव तथा छरिएको यस क्षेत्रका प्रमुख समस्याहरू हुन् ।

आर्थिक गतिविधिमा वृद्धिसँगै गाउँपालिकाको राजश्व संकलनमा वृद्धिको सम्भावना हुनु, प्राकृतिक स्रोत साधनको सन्तुलित उपयोगका लागि सामुदायिक एवं गाउँपालिकास्तरमा विभिन्न मापदण्ड एवं नीति नियम बन्ने क्रममा हुनु, ग्रामीण चेतनाको स्तर बढ्नु यस क्षेत्रका अवसरहरू हुन् । वस्ती क्षेत्रमा आवश्यक पूर्वाधारको व्यवस्था गर्नु, वातावरणमैत्री वस्ती व्यवस्थापन गर्नु, फोहरमैलाको उचित व्यवस्थापन गर्नु यस क्षेत्रका प्रमुख चुनौतीहरू हुन् ।

#### ५.१.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उद्देश्यहरू

##### सोच,

व्यवस्थित वस्ती विकासका लागि भौतिक पूर्वाधारको विकास ।

##### लक्ष्य

सामाजिक-आर्थिक पूर्वाधारको विकास गरी सन्तुलित वस्ती विकासलाई प्राथमिकता दिने ।

##### उद्देश्यहरू

- सुरक्षित,दीगो र वातावरण मैत्री ग्रामिण पूर्वाधार निर्माण गर्नु ।
- व्यवस्थित उद्योग एवं बजार क्षेत्रको पहिचान गर्नु ।
- उपलब्ध स्रोत साधनको महत्तम उपयोग गरी पूर्वाधार विकास गर्नु ।

#### ५.१.३ रणनीति

- सम्भावित लघु उद्योग र बजारको वर्गीकरण गर्ने ।
- गाउँपालिकाका वस्ती क्षेत्रमा सडक, खानेपानी, शैक्षिक लगायतका पूर्वाधार निर्माणका लागि पहल गर्ने ।

## ५.१.४ अपेक्षित उपलब्धी

मध्यमकाली खर्च संरचनाको अन्त्यमा शतप्रतिशत परिवार सुरक्षित आवासको पहुँचमा हुनेछन् । योजनाको अन्त्यमा देखि प्रतिशत घर नक्सा पास गरी निर्माण भएका हुनेछन् । सार्वजनिक स्थलमा वातावरणमैत्री पूर्वाधारको निर्माण तथा आवश्यक ऐन कानूनको निर्माण गरी सहर तथा मानव बसोवासलाई समावेशी, सुरक्षित, उत्थानशील र दिगो बनाउने दिगो विकासको लक्ष्य प्राप्तिका लागि गाउँपालिकाले पूर्वाधार विकासमा जोड दिई वस्ती विकास तथा व्यवस्थापनका विविध मापदण्डको निर्माण गरी लागु गर्नु पर्दछ ।

| आवास तथा बस्ती विकास          |         |              |              |
|-------------------------------|---------|--------------|--------------|
| विवरण                         | ईकाई    | आ.ब. २०७९।८० | आ.ब. २०७९।८० |
| सुरक्षित आवासमा पहुँच         | प्रतिशत | १९।५२        | २५।६६        |
| नक्सा पास गरी निर्माण भएका घर | प्रतिशत | १।९२         | २।५२         |
| खरको छाना भएका घर             | संख्या  | ८०७          | २००          |

## ५.२ सडक तथा यातायात

### ५.२.१ वर्तमान अवस्था

सुरक्षित आवास क्षेत्र, संभावित उद्योग क्षेत्र, कृषि पकेट क्षेत्र, खानी क्षेत्र, धार्मिक तथा पर्यटकिय स्थलहरूलाई प्राथमिकतामा राखेर सडकको ट्रयाक खालिँदै गएका छन् । सडक विस्तार सँगै स्थानीय उत्पादन (कृषि, वन, पशु जन्तु) हरूको निकासी सहज हुँदै गएको छ । उद्योग, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य, भौतिक निर्माण लगायतका कार्य गर्न सहज र कम खर्चिलो हुँदै गएको छ । धार्मिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक र प्राकृतिक स्थलहरूलाई प्रयोग गरेर पर्यटकिय गतिविधि सञ्चालन गर्न सहज बन्दै गएको छ । सडक साँघुरो छ, घुम्ती पर्याप्त छैन, खाल्टा खुल्ती छन्, ग्रेड मिलेको छैन, कच्ची छ, नाली काटिएको सडकको लम्बाई न्यून छ । कृषि, वन, खानी, प्राकृतिक स्रोतहरूको व्यवसायिक परिचालनको प्राविधिक पक्ष कमजोर छ ।

गाउँपालिकामा सडक निर्माण तथा तथा स्तरोन्नती गर्ने कार्यलाई निरन्तरता दिइएको छ । यातायातलाई बाह्रै महिना सञ्चालन गर्न र सडक सुधार कार्यलाई व्यवस्थित गर्न अझ बाँकी छ । कपुरकोट गाउँपालिकामा एक घण्टाको दुरीमा यातायातको पहुँच भएको जनसंख्या औषत ९४.६६ प्रतिशत छन् ।

सडक विस्तारका कारण डुवाउ, बाडी जस्ता समस्या बढेका छन् । उद्योग व्यवसाय सञ्चालन, सार्वजनिक प्रयोग तथा महत्वका भौतिक निर्माण गर्न उपयुक्त सार्वजनिक जमिन कम हुनु । सडक विस्तार तथा व्यवस्थापनमा चुनौतीहरू छन् । सडकको क्षमता भन्दा बढी वजनका वाहनहरूलाई वैकल्पिक व्यवस्था भएको छैन ।

सडकको निर्माण तथा विस्तार मार्फत व्यवसायिकरण गर्ने सम्भावना हुनु, मर्मत सम्भार तथा व्यवस्थापन कोषको व्यवस्था हुनु, सडक निर्माण तथा सुधार गरी स्थानीय सेवालाई प्रभावकारी बनाउने सम्भावना हुनु यस क्षेत्रका प्रमुख अवसरहरू हुन् । सडकको स्तरोन्नती र विस्तारका लागि अतिरिक्त बजेटको व्यवस्था गर्नु, स्थायी सडक पहुँच भएको जनसङ्ख्या वृद्धि गर्नु, सडकमा प्राकृतिक क्षति न्यूनीकरण गर्नु यस क्षेत्रका चुनौतीहरू हुन् ।



## ५.२.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उदेश्यहरु

### सोच,

सुरक्षित भरपर्दो र व्यवस्थित सडक सञ्जाल निर्माण ।

### लक्ष्य

सडक सञ्जालको विकास मार्फत कृषि र औद्योगिक उत्पादनको बजार सुनिश्चित गर्ने ।

### उदेश्यहरु

- सडक निर्माण भरपर्दो र व्यवस्थित बनाउनु ।
- स्थानीय सेवा प्रदायकसम्म गुणस्तरीय सडक सञ्जाल विस्तार गर्नु ।
- मौजुदा सडकको स्तरोन्नति गर्नु ।
- सडक तथा यातायात व्यवस्थापन मापदण्ड बनाउने ।

## ५.२.३ रणनीति

१. सडकको स्तरोन्नती मार्फत व्यावसायिक क्रियाकलापमा वृद्धि गर्ने ।
२. गाउँपालिकाका प्रशासनिक निकायसम्म पहुँच पुऱ्याउन वडा कार्यालय र वस्ती जोड्ने सडक निर्माणलाई प्राथमिकता दिने ।
३. सडक मर्मत तथा निर्माण कार्य गर्दा मापदण्ड अनिवार्य रुपमा लागु गर्ने ।

## ५.२.४ अपेक्षित उपलब्धी

मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अन्त्यमा गाउँपालिका तथा वडा जोड्ने सडकहरु निर्माण भएका हुनेछन् । पुराना सडकको स्तरोन्नती हुनेछ । सबै परिवारमा यातायातको पहुँचभित्र हुनेछन् । उत्थानशील पूर्वाधारको निर्माण गर्ने दिगो विकासको लक्ष्य प्राप्तिका लागि कृषि सडकको निर्माण तथा वातावरण मैत्री सडक तथा यातायात विकासलाई जोड दिनुपर्ने आवश्यकता देखिन्छ ।

| सडक तथा यातायात                                 |         |              |              |
|---|---------|--------------|--------------|
| विवरण   | ईकाई    | आ.ब. २०७९।८० | आ.ब. २०७९।८० |
| एक घण्टाको दुरीमा यातायातको पहुँच भएको जनसंख्या | प्रतिशत | ८०           | १००          |
| खण्डस्मिथ सडकमा स्तरोन्नती                      | कि. मि. | ८            | १०।४८        |
| सडक निर्माण                                     | कि. मि. | १४८          | १९३।८८       |
| पक्की कालोपत्रे सडक र स्लाब ढलान                | कि. मि. | ०            | ०।००         |
| ग्राभेल सडक                                     | कि. मि. | ०            | ०।००         |
| कच्ची/धुले सडक                                  | कि. मि. | १४७          | १९२।५७       |
| सडक सुधार                                       | संख्या  | ६०           | ७८।६०        |
| पक्की पुल निर्माण                               | संख्या  | १            | १            |

|                     |        |   |   |
|---------------------|--------|---|---|
| भोलुंगे पुल निर्माण | संख्या | ३ | ३ |
|---------------------|--------|---|---|

## ५.३ सिंचाई

### ५.३.१ वर्तमान अवस्था

कर्णाली प्रदेशमा रहेको सल्यान जिल्लाको कपुरकोट गाउँपालिकामा जम्मा १७ वटा सिंचाई आयोजना र १४.४ कि.मि. लम्बाइ भएको कुलो मार्फत गाउँपालिकामा सिंचाई क्षेत्रको विकासको प्रयास गरिएको छ। सिंचाई क्षेत्रलाई व्यवस्थित गर्नका लागि सिंचाई समूहको गठन समेत गरिएको छ। वर्षभरि सिंचाई पुगेको जमिन जम्मा १४.७० प्रतिशत रहेको छ भने सिंचाई नपुगेको तर सिंचाई पुर्याउन सकिने जमीन ३९.६९ प्रतिशत छ। कपुरकोट गाउँपालिकामा आंशिक सिंचाई हुने जमिन १६.७२ प्रतिशत छ भने कुल खेतीयोग्य जमिनको २८.८७ प्रतिशत जमिनमा भने सिंचाई पुर्याउन कठिन नै देखिन्छ। यो परिप्रेक्ष्यमा खोल्सा तथा जलाधार क्षेत्रको संरक्षण गरी सिंचाई सुविधा विस्तार गरी कृषि उत्पादनमा वृद्धि गर्नको लागि विशेष पहल गर्नुपर्ने देखिन्छ।

सिंचाई पुर्याउन कठिन जमीनमा वैकल्पिक सिंचाईको व्यवस्था गर्नु, उपलब्ध जलस्रोतको व्यवस्थित सदुपयोग हुन नसक्नु, सिंचाई पूर्वाधारको अभाव, स्रोत साधनको कमी यस क्षेत्रका प्रमुख दुर्बल पक्षहरु हुन्।

सिंचाईका नयाँ प्रविधिको प्रयोग मार्फत सिंचाई सुविधा विस्तार गर्ने सम्भावना हुनु, पर्याप्त जलस्रोत तथा जलाधार क्षेत्रको उपलब्धता हुनु यस क्षेत्रका अवसरहरु हुन्। सम्पूर्ण कृषि भूमिमा सिंचाई सुविधा उपलब्ध गराउनु, सिंचाई आयोजनाको प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्नु, खेतीयोग्य जमीनमा सिंचाई कुलोको व्यवस्था गर्नु यस क्षेत्रका चुनौतीहरु हुन्।

### ५.३.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उद्देश्यहरु

#### सोच,

कृषि उत्पादन वृद्धिका लागि सिंचाईको दीगो विकास।

#### लक्ष्य

वर्षभरी सिंचाई सुविधा उपलब्ध गराई कृषि उपजको उत्पादनमा वृद्धि गर्ने।

#### उद्देश्यहरु

- सिंचाईको दीगो विकास गर्नु।
- सिंचाई प्रणालीको कुशल व्यवस्थापन गरी सिंचाई समस्या न्यूनीकरण गर्नु।

### ५.३.३ रणनीति

- सिंचाईका रणनीतिक दीर्घकालिन आयोजना निर्माण गर्ने।
- विद्यमान सिंचाई प्रणालीको अनुगमन तथा मुल्यांकन गरी वैकल्पिक प्रविधिको अध्ययन अनुसन्धान गर्ने।

### ५.३.४ अपक्षित उपलब्धी

मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अन्त्यमा वर्षभरि सिँचाइ सबैजसो खेतीयोग्य जमिनमा पुग्नेछ । नयाँ तथा आधुनिक सिँचाइ प्रविधिको प्रयोग गरी विद्यमान सिँचाइ आयोजनाको कुशल व्यवस्थापन गर्न सकेमा दिगो आर्थिक वृद्धि प्राप्त गर्ने दिगो विकासको लक्ष्य प्राप्त गर्न सकिने छ ।

| सिँचाई, भूमिगत , सतह, लिफ्टिङ्ग र वर्षात |         |              |              |
|--|---------|--------------|--------------|
| विवरण                                    | ईकाई    | आ.ब. २०७९।८० | आ.ब. २०७९।८० |
| सिँचाइ आयोजना                            | संख्या  | १७           | २०।००        |
| सिँचाइ कुलोको लम्बाइ                     | कि. मि. | १४।४         | १६।५६        |

### ५.४ विद्युत तथा बैकल्पिक उर्जा

#### ५.४.१ वर्तमान अवस्था

उर्जा सहज जीवनयापनका लागि अपरिहार्य साधन हो । सामाजिक विकासक्रम सँगसँगै जलविद्युत र बैकल्पिक उर्जाको विकास एवं प्रयोग बढ्दो छ । गाउँपालिकामा जलविद्युत उर्जाको विस्तार गर्ने क्रममा हाल २४७८ परिवार संख्यामा विद्युतको पहुँच पुगेको छ । सौर्य उर्जा प्रयोग गर्नेहरूको परिवार संख्या १३७५ छ भने ३१५ परिवारले बायो ग्यास प्रयोग गर्दछन् ।

गाउँपालिकामा बैकल्पिक उर्जाको प्रवर्द्धन गर्न नसक्नु, बैकल्पिक उर्जाबारे समुदायमा अनभिज्ञता हुनु, विद्युतीय उर्जाको घरायसी कार्यमा कम प्रयोग हुनु यस क्षेत्रका मुख्य समस्याहरू हुन् ।

गाउँपालिकाको नीति तथा कार्यक्रममा प्राथमिकतामा पर्नु, जैविक वस्तुबाट बैकल्पिक उर्जा उत्पादनको सम्भावना हुनु यस क्षेत्रका अवसरहरू हुन् । सबै परिवारमा उर्जाको पहुँच विस्तार गर्नु, वातावरण मैत्री उर्जा प्रयोगलाई विस्तार गर्नु तथा आवश्यक लगानीको व्यवस्था गर्नु यस क्षेत्रका प्रमुख चुनौतीहरू हुन् ।

#### ५.४.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उद्देश्यहरू

##### सोच

उर्जाको विकासगरी ग्रामीण विकासमा योगदान ।

##### उद्देश्यहरू

- ग्रामीण वस्तीमा उर्जाको पहुँच विस्तार गर्नु ।
- वातावरण प्रदूषण रोकथामका लागि नवीकरणीय उर्जाको प्रयोगमा वृद्धि गर्नु ।

#### ५.४.३ रणनीति तथा कार्यनीतिहरू

- उर्जा सेवाको पहुँच विस्तार गरी जीवनस्तरमा वृद्धि ल्याउने

- नवीकरणीय वैकल्पिक उर्जाको प्रवर्द्धन गर्ने ।

#### ५.४.४ अपेक्षित उपलब्धी

मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अन्त्यमा ८० घरधुरीमा विद्युतीय सेवाको विस्तार हुनेछ । वातावरण मैत्री उर्जाको गाउँपालिकामा प्रवर्द्धन गर्न सकेमा जलवायु परिवर्तनको प्रभाव नियन्त्रण गर्ने दिगो विकासको लक्ष्य प्राप्तमा सहयोग मिल्नेछ ।

#### ५.५ सञ्चार तथा सूचना प्रणाली

##### ५.५.१ वर्तमान अवस्था

गाउँपालिकामा सुशासन र पारदर्शिता कायम गर्नका लागि सञ्चार तथा सूचना प्रणालीको अहम् भूमिका रहेको हुन्छ । आधारवर्षमा गाउँपालिकामा टेलिभिजन प्रयोग गर्ने परिवारको संख्या कम छ भने इन्टरनेट प्रयोगकर्ता परिवारको संख्या पनि कम नै छ । गाउँपालिकाको सत्य तथ्य वस्तुस्थिति पत्ता लगाई गाउँपालिकाको बारेमा सूचना प्राप्तिका लागि तथ्यांक संकलन गर्ने कार्यलाई निरन्तरता दिइएको छ ।

सूचना प्रविधिको पहुँच नभएका परिवारको संख्या बढी हुनु, दक्ष जनशक्तिको अभाव हुनु, आधुनिक प्रविधिको प्रयोग हुन नसक्नु, व्यवस्थितरूपमा गाउँपालिकाको तथ्यांक संकलन हुन नसक्नु यस क्षेत्रका प्रमुख दुर्बल समस्या हुन् ।

सूचना प्रविधिको विकास मार्फत दक्ष जनशक्ति निर्माणको सम्भावना हुनु, सार्वजनिक स्थलमा इन्टरनेट सुविधा विस्तार गरी सूचनामा पहुँचमा विस्तार गर्ने सम्भावना हुनु, नागरिक वडापत्रमार्फत सूचना प्रवाह गर्नु, यस क्षेत्रका अवसरहरु हुन् । आधुनिक सञ्चारका साधनको उपयोग विस्तार गर्नु, सुशासनका लागि सूचना प्रविधिको सही सदुपयोग गर्नु यस क्षेत्रका चुनौतीहरु हुन् ।

##### ५.५.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उद्देश्यहरु

###### सेच,

सूचना प्रविधिमा पहुँच विस्तार ।

###### लक्ष्य

सूचना प्रविधिको प्रयोग बढाई दक्ष जनशक्ति निर्माण गर्ने ।

###### उद्देश्यहरु

- विद्यालय शिक्षालाई सूचना प्रविधिमैत्री बनाउनु ।
- उत्पादनमूलक क्षेत्रमा सूचना प्रविधिको विस्तार र विकास गरी उत्पादन बढाउनु ।

##### ५.५.३ रणनीति तथा कार्यनीतिहरु

- विद्यालय शिक्षामा सूचना प्रविधिको प्रयोग बढाउन आवश्यक पूर्वाधार निर्माण गर्ने ।
- कृषि तथा व्यापार व्यवसायमा सूचना प्रविधिको विस्तार गर्ने ।

## ५.५.४ अपेक्षित उपलब्धी

योजनाको अन्त्यमा सबै परिवारमा टेलिभिजनको पहुँच विस्तार हुनेछ । इन्टरनेट प्रयोग गर्ने जनसंख्या प्रतिशत पुग्नेछ । समावेशी विकासको दिगो लक्ष्य प्राप्तिका लागि शैक्षिक तथा व्यापारिक क्षेत्रलाई प्रविधिमैत्री बनाउनु आवश्यक देखिन्छ ।

## ५.६ ढल निकास, फोहोरमैला प्रशोधन पूर्वाधार

### ५.६.१ वर्तमान अवस्था

ढल तथा फोहोरमैलाको व्यवस्थापन संक्रमण मुक्त र स्वस्थ समाज निर्माणका आधार हुन् । गाउँपालिकामा फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि नीति तथा कार्यक्रम बनाइएका भए तापनि वर्तमान परिस्थितिमा ढल निकासको दीगो व्यवस्थापन गर्न सकिएको छैन । गाउँपालिकामा साक्षरता दरको वृद्धिसँगै स्थानीयस्तरमा चेतनाको स्तर पनि बढ्दै गएको छ । गाउँपालिकाका महिला समूह तथा वनउपभोक्ता समूह, सिंचाइ समूह लगायतका समूहले स्थानीय गतिविधिलाई वातावरणमैत्री रूपमा सञ्चालन गर्नमा केहीहदसम्म सहयोग पुऱ्याइरहेका छन् । यस्तै गरी फोहोरमैला व्यवस्थापन तथा प्रशोधनका लागि आवश्यक पूर्वाधारको दीर्घकालिन व्यवस्था गर्न सकिएको छैन ।

गाउँपालिकामा ढल निकासका लागि व्यवस्थित योजना नहुनु, ढल तथा प्रशोधन पूर्वाधार निर्माणका लागि बजेटको कमी हुनु, स्थानीयमा परम्परागत फोहोरमैला निष्कासनलाई नै निरन्तरता दिने प्रवृत्ति पाइनु यस क्षेत्रका प्रमुख समस्याहरू हुन् ।

गाउँपालिकाको प्लाष्टिक मुक्त बनाउने योजना निर्माणाधिन अवस्थामा हुनु, फोहोरमैला वर्गिकरण गरी कृहिने फोहोरमैलाबाट प्राङ्गारिक मल बनाउने कार्यलाई प्रोत्साहन गर्नु, वातावरणमैत्री समाजको निर्माण हुने क्रम बढ्नु यस क्षेत्रका अवसरहरू हुन् । व्यवस्थित रूपमा ढल निकासको व्यवस्था गर्नु, फोहोरमैला प्रशोधन स्थलको चयन गर्नु, फोहोरमैला प्रशोधनका लागि आवश्यक प्रविधि तथा सामग्रीको व्यवस्था गर्नु यस क्षेत्रका चुनौतीहरू हुन् ।

### ५.६.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उद्देश्यहरू

#### सोच

ढल तथा फोहोरमैलाको व्यवस्थित निकास ।

#### लक्ष्य

ढल तथा फोहोरमैलाको कुशल व्यवस्थापन गर्ने ।

#### उद्देश्यहरू

- ढल तथा फोहोरमैलाको कुशल व्यवस्थापनका लागि आवश्यक पूर्वाधार निर्माण गर्नु ।
- फोहोरमैला प्रशोधनको प्रबन्ध मिलाउनु ।

### ५.६.३ रणनीति

- ढल निर्माण कार्यलाई तीव्रता दिने

- फोहरमैला प्रशोधन केन्द्रको स्थापना गर्ने ।

#### ५.६.४ अपेक्षित उपलब्धी

स्वच्छ गाउँपालिकाको निर्माण हुनेछ, ढल तथा फोहरमैलाको उचित व्यवस्थापन हुनेछ ।

#### ५.७ सार्वजनिक निर्माण

##### ५.७.१ वर्तमान अवस्था

सार्वजनिक भवन र उद्यानको संरक्षण र संवर्द्धन गर्नु आम नागरिकको दायित्व हो । यसै तथ्यलाई आत्मसात् गरी गाउँपालिकामा स्थानीय परिस्थिति एवं स्रोत साधन अनुकूल सार्वजनिक भवन र उद्यानको निर्माण गरी संरक्षण गर्ने जमर्को गरिएको छ । गाउँपालिकामा स्वच्छ वातावरण निर्माणका लागि वडागत उद्यान निर्माण गर्ने कार्यको थालनी गरिएको छ भने समयानुकूल गाउँपालिकाका सार्वजनिक भवनहरूको मर्मत सम्भार गर्दै आइएको छ । यद्यपि पर्याप्त मात्रामा सार्वजनिक भवन तथा उद्यानको निर्माण गर्न सकिएको छैन ।

वि.सं. २०७३ को स्थानीय तह क्षेत्र निर्धारण आयोगको सिफारिस अनुसार साविकका गा.वि.स.हरू टुक्र्याएर वा गाभेर हालका गाउँपालिकाहरूको प्रशासनिक संरचना तयार भएको छ । स्थानीय प्रसासन र राजनितिक संरचनामा यसले सहजता थपेको छ । नागरिकहरूका अत्यावश्यक सेवा उपभोग गर्ने अधिकारमा सहजता पनि थपेको छ । तर, पुरानो पालिका केन्द्रहरूलाई नै अहिलेको वडा केन्द्रको रूपमा प्रयोग गरिएकाले सबै सर्वसाधारणलाई सेवामा समान पहुँच पुर्याउन कठिन छ ।

स्वास्थ्य, खानेपानी, खोप र अन्य सेवा लिने सेवाग्राही वडा केन्द्रबाट टाढा छन् । वडा र गाउँपालिका केन्द्रबाट दिईने सेवाहरूलाई व्यवस्थित र प्रभावकारी बनाउन भौतिक संरचनाले प्रत्यक्ष प्रभावपारेको छ । प्रसाशन, विषयगत शाखा, गोदाम र आपतकालिन प्रयोजनका लागि न्यूनतम सुविधा सहितका भवन निर्माण गर्न र नागरिक सेवाको दायरा बढाउन आवश्यक पर्ने भवन तथा अन्य पूर्वाधार बनी सकेका छैनन् ।

सार्वजनिक भवनको विस्तार तथा गुणस्तर वृद्धि गरी गाउँपालिकाको आधारभूत सेवामा सबै स्थानीयको पहुँच वृद्धि गर्ने सम्भावना हुनु, विद्यालय भवनको निर्माण तथा स्तरोन्नती गरी शैक्षिक क्षेत्रको विकास गर्ने सम्भावना हुनु, सबै वडामा स्वास्थ्य चौकी निर्माण गरी सुलभ स्वास्थ्य सेवा प्रदान गर्न सकिनु, अनुशासित एवं चरित्रवान समाजको निर्माणमन लागि मठ मन्दिरको निर्माण गर्नु यस क्षेत्रका अवसर हुन् । त्यस्तै गरी सबै वडामा उद्यानको निर्माण गर्न सकेमा गाउँपालिकाको स्थानीय वातावरण स्वच्छ बनाउन मद्दत पुग्ने देखिन्छ । तर सार्वजनिक भवन र उद्यान निर्माणका लागि पर्याप्त बजेट विनियोजन गर्नु, सार्वजनिक सम्पत्तिको संरक्षणमा जनसहभागिता बढाउनु चुनौतीपूर्ण देखिन्छ ।

##### ५.७.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उद्देश्यहरू

###### सोच

सार्वजनिक भवन र उद्यानको संरक्षण र संवर्द्धन ।

## लक्ष्य

सार्वजनिक भवन र उद्यानको आवश्यकता बमोजिम विकास र सम्भार गर्ने ।

## उद्देश्यहरु

- गाउँपालिकामा सार्वजनिक भवनको निर्माण र संरक्षणका लागि स्थानीयलाई सहभागी गराउनु ।
- सार्वजनिक उद्यानको निर्माण र संरक्षण गरी स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित गर्नु ।

## ५.७.३ रणनीति तथा कार्यनीतिहरु

- स्थानीयको सहभागितामा सार्वजनिक सम्पत्ती संरक्षण गर्ने र पर्याप्त भौतिक निर्माण गर्ने ।
- सार्वजनिक उद्यानको संरक्षण तथा निर्माण गर्ने ।

## ५.७.४ अपेक्षित उपलब्धी

गाउँपालिकाका सार्वजनिक भवनको संरक्षण हुनेछ । उद्यान निर्माण मार्फत स्वच्छ वातावरणको सिर्जना हुनेछ ।

## ५.८ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

विस्तृत संभाव्यता अध्ययन विना आयोजना कार्यान्वयन गरिनु पर्ने अवस्था, पूर्वाधारजन्य आयोजनाहरुको गुणस्तरियता कायम गर्नु पर्ने पक्ष, विस्तृत आयोजना प्रतिवेदन तयार तथा समयमा नै टेण्डर प्रक्रिया पुरा गरी गुणस्तरीय रुपमा कार्य सम्पन्न गर्ने आदि विषयहरु, पूर्वाधारजन्य आयोजना निर्माण गर्दा वातावरणिय पक्षलाई ध्यान दिन नसक्नु, भौगोलिक बनावटको कारणले आयोजना निर्माण लागत बढि हुने र समयमै सम्पन्न गर्न नसक्नु जस्ता विषयहरुमा जोखिम रहेको देखिन्छ । जलवायु परिवर्तनको असर, वातावरणीय प्रभाव र जग्गा व्यवस्थापन लगायत स्थानीय सरोकारका विषयहरुलाई सम्बोधन गर्न नसक्दा पूर्वाधार क्षेत्रको अपेक्षित नतिजा हासिल गर्न नसकिने जोखिम समेत रहेको छ । सम्भावित जोखिम पक्षहरुको पहिचान गरी समयमै निराकरण गरिने अनुमान गरिएको छ ।

**परिच्छेद ६ :**  
**वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन**

**६.१ जलाधार तथा जैविक विविधता संरक्षण**

**६.१.१ वर्तमान अवस्था**

जलाधार क्षेत्र खानेपानी र सिंचाइको दीगो विकासका आधार हुन् । यसर्थ जलाधार तथा संरक्षणका लागि विशेष योजना बनाउनुपर्ने आवश्यकता देखिन्छ । आवधिक योजनामा नदी तथा अन्य जलाधार क्षेत्रको विकासका लागी कार्ययोजना बनाइएको छ ।

जलस्रोत तथा जलाधार क्षेत्रमा प्रदुषण बढ्दै जानु, कपुरकोट गाउँपालिकाका खोल्सा खोल्सीको दोहन बढ्दै जानु, सिमसार क्षेत्रको उचित व्यवस्थापन नहुनु, प्राविधिक जनशक्ति तथा प्रविधिको अभाव हुनु, जैविक विविधताबारे स्थानीयमा यथार्थ ज्ञान नहुनु यस क्षेत्रका समस्याहरु हुन् ।

उपलब्ध जलस्रोतको उचित व्यवस्थापन मार्फत सिंचाइ सुविधाको विस्तार गर्नु, सबै स्थानमा स्वच्छ खानेपानीको पहुँच पुऱ्याउनु, जलस्रोत क्षेत्रलाई पर्यटनको आधार बनाउनु, यस क्षेत्रका अवसरहरु हुन् । नदी तथा खोलाको अव्यवस्थित दोहनको रोकथाम गर्नु, नदी तथा खोलालाई जीविकोपार्जनको आधार बनाएका समुदायको संरक्षण गर्नु, सिमसार क्षेत्रको कुशल व्यवस्थापन गर्नु, जैविक विविधताको संरक्षण गर्नु यस क्षेत्रका चुनौतीहरु हुन् ।

**६.१.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उदेश्यहरु**

**सोच**

जलाधार तथा जैविक विविधता गाउँपालिकाको विकासका सहयोगी आधार ।

**लक्ष्य**

जलाधार तथा जैविक विविधताको दीगो विकास गर्ने ।

**उदेश्यहरु**

- जलाधार क्षेत्रको उचित व्यवस्थापन गर्नु ।
- उपलब्ध जैविक विविधता संरक्षण मार्फत पर्यावरणको संरक्षण गर्नु ।

**६.१.३ रणनीति**

- नदी, खोला, पानीका मुहान तथा भूमिगत जलस्रोतको सन्तुलित उपयोग गरी सिंचाइ सुविधा विस्तार गर्ने ।
- जैविक विविधता संरक्षण अभियानमा जनसहभागीता बढाउने ।



#### ६.१.४. अपेक्षित उपलब्धी

योजनाको अन्त्यमा जैविक विविधताको उपलब्धतामा वृद्धि हुनेछ । जडिबुटी प्रशोधन र भण्डारण उद्योगको स्थापना गर्न प्राथमिकता दिईनेछ । एउटा स्थानमा एकिकृत जलाधार व्यवस्थापन गरिने छ । जैविक विविधता संरक्षण तथा जलाधार क्षेत्रको कुशल व्यवस्थापन गर्न सकेका खण्डमा जलवायु संरक्षण र खानेपानी सुविधामा विस्तार गर्ने दिगो विकासको लक्ष्य प्राप्तमा सहयोग मिल्नेछ ।

#### ६.२ वातावरण संरक्षण तथा प्रदुषण

##### ६.२.१ वर्तमान अवस्था

धुँवरहित सुधारिएको चुल्हो तथा विद्युतिय चुल्होको प्रयोगलाई प्रोत्साहन, सार्वजनिक स्थलमा वर पिपल रोपन प्रोत्साहन, वन सम्पदा संरक्षणका कार्य, एक घर ५ वृक्ष तथा मेरो घर मेरो बगैँचा मेरो फूलवारी कार्यक्रम, फोहोरबाट मोहोर कार्यक्रम, मेरो घर सफा घर जस्ता कार्यक्रमको योजना बनाई लागु गर्ने प्रयास हुनु वातावरण संरक्षण एवं जलवायु अनुकूल परिस्थिति निर्माणका क्षेत्रमा गाउँपालिकाका प्रशंसनिय कार्य हुन् । यद्यपि शहरोन्मुख क्षेत्रको वातावरण मैत्री व्यवस्थापन गरी फोहरमैलाको उचित व्यवस्थापन गर्दै वातावरण अनुकूल वैकल्पिक उर्जा प्रवर्द्धनका लागि ठोस योजना बनाइ लागु गर्नुपर्ने आवश्यकता देखिन्छ ।

##### ६.२.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उदेश्यहरु

सोच,

प्रदुषणरहित स्वस्थ वातावरण स्वस्थ गाउँपालिका ।

लक्ष्य,

स्थानीय प्राकृतिक सम्पदा तथा पूर्वाधारको व्यवस्थापन गर्ने ।

उदेश्यहरु

- गाउँपालिकामा स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित गर्नु ।
- र्वनपैदावार तथा जलस्रोतको संरक्षण गर्नु ।

##### ६.२.३ रणनीति तथा कार्यनीतिहरु

- स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित गर्न ग्रामीण सामुदायिक हरियाली अभिवृद्धि गर्ने ।
- नदी, फोहरमैला तथा ढलको दीगो व्यवस्थापन गर्ने ।

##### ६.२.४ अपेक्षित उपलब्धी

गाउँपालिका वासीले स्वच्छ वातावरणको अनुभूति गर्नेछन्, सुन्दर र सफा गाउँपालिकाको निर्माण हुनेछ, संक्रामक रोग फैलिने सम्भावन न्यून हुनेछ ।

## ६.३ जलवायु परिवर्तन, अनुकुलन तथा न्यूनीकरण

### ६.३ जलवायु परिवर्तन

#### ६.३.१ वर्तमान अवस्था

विश्वभर भइरहेको तापक्रमको वृद्धिसँगै नेपालमा पनि बढ्दो तापक्रमको अनुभूति गरिएको वर्तमान अवस्थामा स्थानीय स्तरमा जलवायु अनुकुलन गतिविधिलाई प्राथमिकता दिनु अपरिहार्य देखिन्छ । उष्ण र उप उष्ण किसिमको हावापानी पाइने गाउँपालिकामा जलवायु परिवर्तनको प्रभाव न्यूनीकरणका लागि ठोस कदम चालिएको पाइदैन । यद्यपि हरियाली तथा सरसफाई प्रवर्द्धनात्मक क्रियाकलापहरु भने गरिएको पाइन्छ । विद्यमान परिस्थितिमा वनले ढाकेको क्षेत्रफल बढाई जलवायु अनुकुल वातावरणमैत्री क्रियाकलापलाई प्रोत्साहन गर्नुपर्ने आवश्यकता देखिन्छ ।

वातावरण विनास तथा जलवायु परिवर्तन विश्वभरी चिन्ताको विषय बनेको छ । नेपालमा पनि जलवायु परिवर्तनका नकारात्मक असर देखा पर्न थालेका छन् । यसै तथ्यलाई आत्मसात् गरी वातावरण मैत्री उर्जाको प्रयोग एवं वनक्षेत्रको संरक्षण तथा संवर्द्धनलाई गाउँपालिकाले प्राथमिकता दिएको छ । जलवायु परिवर्तनलाई प्रत्यक्षरूपमा प्राथमिकता नदिइनु, जनचेतनाको अभाव, जलवायु परिवर्तनको प्रभाव न्यूनीकरणका उपायहरुबारे अनभिज्ञता, गरिबी र ज्ञानको अभावमा वैकल्पिक उर्जाको न्यून उपयोग यस क्षेत्रका प्रमुख समस्याहरु हुन् ।

गाउँपालिकाको मेरो घर मेरो बगैँचा मेरो फूलवारी कार्यक्रमले निरन्तरता पाउनु, बाल उद्यानको निर्माण, धुवाँरहित सुधारिएको चुल्हो तथा विद्युतिय चुल्होको प्रयोगलाई प्रोत्साहन दिइनु, सरसफाइ अभियान, परम्परागत पानी, हुंगेधारको संरक्षण अभियान चलाइनु, वैकल्पिक उर्जा प्रयोगलाई प्रोत्साहन गरिनु यस क्षेत्रका अवसरहरु हुन् । यद्यपि जलवायु परिवर्तनबारे गाउँपालिकावासीमा चेतना नभएको अवस्थामा स्थानीय क्रियाकलापलाई जलवायु अनुकुल बनाउँदै जलवायु परिवर्तनले पार्ने प्रभाव न्यूनीकरणका लागि सक्षम गाउँपालिकाको निर्माण गर्नु चुनौतीपूर्ण छ ।

#### ६.३.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उद्देश्यहरु

##### सोच,

जलवायु परिवर्तन अनुकुल स्थानीयको व्यवहार ।

##### लक्ष्य

जलवायु परिवर्तनको प्रभाव न्यूनीकरणका लागि व्यवस्थापकीय कार्यलाई चुस्त बनाउने ।

##### उद्देश्यहरु

- गाउँपालिकामा जलवायु प्रतिकूल कार्यलाई निरुत्साहित गर्नु ।
- जलवायु परिवर्तनको प्रभाव न्यूनीकरणका लागि आवश्यक रणनीति तय गर्नु ।

- इजलवायु परिवर्तन अनुकुल नीति निर्माण गर्नु ।

### ६.३.३ रणनीति

- जलवायु प्रतिकूल सामाजिक क्रियाकलापलाई नियन्त्रण गर्ने ।
- जलवायु परिवर्तन प्रभाव न्यूनीकरणका लागि क्षेत्रगत स्थानीय नीतिमा जलवायु परिवर्तन अनुकुलन क्रियाकलाप गर्ने प्रावधान तयार गर्ने ।

### ६.३.४ अपेक्षित उपलब्धी

जलवायु परिवर्तनका प्रतिकूल प्रभाव नियन्त्रण गर्न स्थानीय सक्षम हुनेछन् ।

## ६.४ बाढी पहिरो तथा भूक्षय नियन्त्रण

### ६.४.१ वर्तमान अवस्था

भू-क्षयको सम्भावित क्षेत्रको पहिचान गरी समयमै व्यवस्थापनका उपायहरूको अवलम्बन गर्न सकेको खण्डमा जनधनको क्षति न्यूनीकरण गर्न सकिन्छ । प्राकृतिक प्रकोपबाट जनधनको रक्षा गर्नु हरेक स्थानीय सरकारको कर्तव्य हो । कपुरकोट गाउँपालिकामा बाढी र नदी व्यवस्थापन गर्ने क्रममा नदीमा तटबन्ध निर्माण गरिएको छ भने विविध स्थानमा बाढीको रोकथामका लागि प्रयास गरिएको छ । यस्तैगरी बाढीबाट जोखिममा भएका बस्तीको संरक्षण गरिएको छ । प्रकृतिप्रदत्त नदी तथा खोलाको व्यवस्थापन एवं सम्भावित बाढी पहिरोग्रस्त क्षेत्रको व्यवस्थापनका लागि पूर्व सतर्कताको व्यवस्था गर्नुपर्ने आवश्यकता देखिन्छ ।

सबै खोल्साहरूको व्यवस्थापनमा कठिनाइ हुनु, बाढी ग्रस्त क्षेत्रको समयमै व्यवस्थापन नहुनु, दक्ष जनशक्तिको अभाव हुनु, प्रविधि तथा बजेटको अभाव हुनु, प्राकृतिक स्रोतमा आधारित अव्यवस्थित आर्थिक क्रियाकलाप सञ्चालन गरिनु यस क्षेत्रका प्रमुख समस्याहरू हुन् ।

वडा स्तरीय विपद् व्यवस्थापन समितिको स्थापना हुनु, प्राकृतिक विपद् सहायता कोषको स्थापना हुनु, गाउँपालिकामा आपत्कालिन सुरक्षा केन्द्रको अवधारणा ल्याइनु यस क्षेत्रका अवसरहरू हुन् । दक्ष जनशक्तिको प्राप्ति, विपद् व्यवस्थापन समितिलाई स्रोत साधनले युक्त बनाउनु, बाढी पहिरोको पूर्वानुमान गर्नु, बाढी पहिरो व्यवस्थापन तथा नदी व्यवस्थापनका लागि आवश्यक बजेटको व्यवस्था गर्नु यस क्षेत्रका चुनौतीहरू हुन् ।

### ६.४.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उद्देश्यहरू

#### सोच

बाढीको क्षति न्यूनीकरण

#### लक्ष्य

बाढीग्रस्त क्षेत्रमा चौबीसै घण्टा पूर्व सूचना दिने प्रणालीको विकास गर्ने ।

#### उद्देश्यहरू

- बाढीग्रस्त सम्भावित क्षेत्रको प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्नु ।
- बाढीको क्षति न्यूनीकरणका लागि स्रोत साधनले युक्त जनशक्तिको उत्पादन गर्नु ।

#### ६.५.४ रणनीति

- बाढी पहिरोग्रस्त सम्भावित क्षेत्रको पहिचान गरी बाढी पहिरो रोकथामको व्यवस्था गर्ने ।
- गाउँपालिकाका विपद व्यवस्थापन समितिलाई स्रोत साधन युक्त बनाउने ।

#### ६.५.४ अपेक्षित उपलब्धी

मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अन्त्यमा थप १ कि.मि.टतबन्धको निर्माण गरिनेछ । थप ३ स्थानमा पहिरो रोकथामको प्रयास गरिनेछ । भूक्षय रोकथाम गर्ने दीगो विकासको लक्ष्य प्राप्त गर्न गाउँपालिकाले व्यवस्थित वस्ती विकास तथा वनसम्पदाको संरक्षणलाई प्राथमिकता दिनु आवश्यकता देखिन्छ ।

#### ६.६ विपद व्यवस्थापन

##### ६.६.१ वर्तमान अवस्था

मानव सिर्जित एवं प्राकृतिकरूपमा सिर्जित विपदको समयमै व्यवस्थापन गरी जनधनको रक्षा गर्नु हरेक स्थानीय सरकारको कर्तव्य हो । यसै तथ्यलाई आत्मसात् गरी कपुरकोट गाउँपालिकामा विपद सचेतना, उद्धार र व्यवस्थापनका लागि गठित विपद व्यवस्थापन समितिको गठन गरिएको छ । प्राकृतिक विपद सहायता कोष मार्फत प्राकृतिक विपदमा परेकाको संरक्षण गर्ने गरिएको छ । साथै आपत्कालीन सुरक्षा केन्द्र स्थापनाको योजना बनाइएको छ ।

प्राकृतिक एवं मानव सिर्जित विपदको पूर्वानुमान हुन नसक्नु, सुरक्षित वस्ती विकासबारे चेतना नहुनु, आर्थिकरूपमा कमजोर समुदाय बढी मात्रमा विपदको जोखिममा पर्नु, दक्ष विपद व्यवस्थापन समूहको अभाव यस क्षेत्रका प्रमुख समस्याहरु हुन् । बाढी पहिरो लगायतका प्राकृतिक विपत्तिबाट समयमै जनधनको सुरक्षाका लागि विपद सचेतना, उद्धार र व्यवस्थापन कार्यलाई प्रभावकारी बनाउनुपर्ने हुन्छ । अव्यवस्थित वस्तीका कारण गाउँपालिका प्राकृतिक प्रकोपको जोखिममा रहेको छ ।

विपद व्यवस्थापनका लागि कोषको स्थापना हुनु, विपद व्यवस्थापन समितिको गठन हुनु, विपद सचेतना, उद्धार र व्यवस्थापनमा गैर सरकारी संस्थाको संलग्नता बढ्नु यस क्षेत्रका प्रमुख अवसरहरु हुन् । आधुनिक प्रविधियुक्त विपद व्यवस्थापन जनशक्तिको निर्माण गर्नु, गरीबि हटाई गरीब समुदायलाई सुरक्षित स्थानमा बसोबासको व्यवस्था गर्नु, चेतनाको स्तर बढाउनु यस क्षेत्रका चुनौतीहरु हुन् ।

##### ६.६.२ क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उद्देश्यहरु

###### सोच

विपदमा परेकाको शीघ्र उद्धार मार्फत जनधनको रक्षा ।

###### लक्ष्य

विपद सचेतना विस्तार एवं प्रभावकारी उद्धार गर्ने व्यवस्था मिलाउने ।

###### उद्देश्यहरु

- विपद व्यवस्थापनका लागि दक्ष जनशक्ति निर्माण गर्नु ।
- विभिन्न प्रकारका विपदका बारेमा सचेतना फैलाउनु ।

#### ६.६.४ रणनीति तथा कार्यनीतिहरू

- विपद व्यवस्थापनका विविध आयामहरूको पहिचान गरी दक्ष जनशक्तिको उत्पादन गर्ने ।
- स्थानीय स्तरमा विपदका कारणबारे चेतना फैलाउन स्थानीय संघसंस्थासँग सहकार्य गर्ने ।

#### ६.६.४ अपेक्षित उपलब्धी

विपद व्यवस्थापन समिति स्थापना भई क्रियाशिल हुनेछ । आपतकालिन कार्य संचालन केन्द्रको स्थापना तथा संचालनमा रहि खोज तथा उद्धार सामाग्रिको उपलब्धता, प्राथमिकताका सामाग्रिहरूको उपलब्धता तथा तालिम प्राप्त कार्यदल (खोज तथा उद्धार, प्राथमिक उपचार, पूर्व सूचना प्रणालि) को गठन भई सक्रिय रूपमा संचालनमा आएको हुनेछ । भूकम्प भोलाको व्यवस्थापन भएको हुनेछ । आगोलागि नियन्त्रणको लागि अग्नी नियन्त्रण साधनको उपलब्धता भएको हुनेछ । विपद् पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजनाको निर्माण र कार्यान्वयन भएको हुनेछ ।

#### ६.७. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

वातावरण संरक्षण तथा विपद व्यवस्थापनका लागि नीतिगत व्यवस्था, विकास निर्माणका आयोजना संचालन गर्दा वातावरणिय पक्षमा सजगता, विकास निर्माणका आयोजनामा समुदाय तथा सरोकारवालाको सहभागिता, यस क्षेत्रमा श्रोत साधनको लगानीमा प्राथमिकता प्राप्त भएमा अपेक्षित उपलब्धी हासिल हुने अनुमान गरिएको छ । जलवायु परिवर्तनको असर, विपद जोखिममा बृद्धि, प्राकृतिक स्रोतको अनियन्त्रित दोहन, भौतिक अनियन्त्रित निर्माण आदी यस क्षेत्रका जोखिम पक्षका रूपमा रहेका छन् ।

## परिच्छेद ७ : संस्थागत विकास तथा सुशासन

### ७.१ सुशासन, ऐन, नियम तथा जवाफदेहिता

#### ७.१.१ विद्यमान अवस्था

गाउँपालिका गठन नवीन अभ्यास भएको र संघीय व्यवस्थाको सफलताका लागि स्थानीय तह/गाउँपालिका, गाउँपालिकाको सफलता अनिवार्य भएको हुँदा गाउँपालिकामा संस्थागत विकास र सुशासन अत्यन्त महत्वपूर्ण विषयका रूपमा रहेको छ ।

संघीय शासन संरचना अनुरूप स्थानीय सरकारको रूपमा गाउँपालिकाको संस्थागत दायित्वमा विद्यमान स्थितिको चित्रण गर्ने, स्थानीय विकासका साभेदारहरू (गैसस, विकास साभेदार, अन्तर स्थानीय तह, मिडिया, निजी क्षेत्र र नागरिक समाज बीच समन्वय तथा साभेदारी विकास गर्ने, विकासका संभावना र आवश्यकताको आधारमा गाउँपालिकाको आवधिक, वार्षिक तथा विषय क्षेत्रगत रणनीतिक योजन तर्जुमा गर्ने, सभाबाट स्वीकृत कार्यक्रम तथा आयोजनाको प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्ने तथा गराउने, आयोजना तथा कार्यक्रमको नतिजामूलक ढंगले अनुगमन तथा मूल्याङ्कन गर्ने कार्य प्रमुख रूपमा रहेका छन् ।

सामाजिक समावेशीकरण, सेवा प्रवाह, वित्तीय एवम् आर्थिक व्यवस्थापन लगायतका क्षेत्रमा गाउँपालिकाले गरेको काम तुलनात्मक रूपमा प्रभावकारी देखिए पनि संगठन र प्रशासन, वार्षिक बजेट तथा योजना व्यवस्थापन, सहकार्य तथा समन्वय लगायतका क्षेत्रमा गाउँपालिका थप कार्य गर्नु पर्ने देखिन्छ ।

बडागत सर्वेक्षण अनुसार गाउँपालिकाको सेवाबाट सन्तुष्ट हुने नागरिक करीव ६० प्रतिशत देखिएका छन् । पालिका भित्रमा सुशासन तथा जवाफदेहिता प्रबर्द्धनका लागि विभिन्न स्थानिय ऐन नियम तथा कार्य विधिहरू तर्जुमा गरी सञ्चालनमा ल्याईएको छ ।

#### ७.१.२ दीर्घकालिन सोच, लक्ष्य र उद्देश्य

##### सोच,

सेवा प्रवाहलाई पारदर्शी, प्रविधिमैत्री, जवाफदेहि, परिणाममुखी, नागरिक मैत्री बनाउने:

##### लक्ष्य,

सुशासन कायम गर्न स्थानीय ऐन, नियम तथा कानून तर्जुमा गरी नागरिक समाज र समुदाय समेतको सहयोग र सहकार्यमा कार्यान्वयनमा ल्याउने साथै सार्वजनिक जवाफदेहिता बहन गर्ने ।

## उद्देश्य,

गाउँपालिकाको प्रशासनिक संरचना प्रविधिमैत्री, पारदर्शी र मितव्ययी, जनशक्तिको क्षमता अभिवृद्धि, दिगो र फराकिलो वित्तिय स्रोत व्यवस्थापनका लागि नीतिगत व्यवस्थापन गर्नु ।

## उपलब्धीहरु:

गाउँपालिकाले सुशासन तथा संस्थागत विकासको लागि आवश्यक पर्ने नीति नियम बनाउँदै लगिरहेको । नागरिकलाई उपलब्ध गराउनु पर्ने सेवा सुविधाको सम्वन्धमा आवश्यक विषयहरुको सुची तयार गरी सोको कार्यान्वयन भएको हुनेछ । गाउँपालिकाका सबै वडाहरुमा आफ्नै भवनमा कार्यालय स्थापना भई सेवा प्रवाह हुनेछ । सेवाग्राहि सन्तुष्टी सर्वेक्षण नियमित रुपमा गरिएको हुनेछ । सेवा प्रवाहमा प्रविधिमा आधारित प्रविधिको प्रयोग गरिनेछ । उपलब्ध गराउने सेवा सुविधाको मापदण्ड बनाई सार्वजनिक गरिनेछ ।

## परिच्छेद ८

### विषय क्षेत्रगत खर्च

#### ८.१ विषयगत क्षेत्रको मध्यकालिन खर्च संरचनाको खाका

कपुरकोट गाउँपालिका व्यवसायिक तरकारी खेति गरिने ठाउँको रुपमा परिचित गाउँपालिका हो । काठमान्डौं देखि तराईका विभिन्न शहरहरुमा बेमौसमी तरकारी निर्यात गर्दै आईरहेको कपुरकोट गाउँपालिकाले कृषकहरुका समस्याहरुलाई सम्बोधन गर्दै आर्थिक विकासका क्रियाकलापहरुलाई अगाडि बढाउँदै आईरहेको छ । आवश्यक नीति, नियम, ऐन, मापदण्ड एवं कार्यविधिहरुको व्यवस्था गर्दै सुशासनका औजारहरु: सार्वजनिक सुनुवाई, सार्वजनिक परिक्षण र सामाजिक परिक्षणलाई नियमितता दिदै सामाजिक जवाफदेहिता अभिवृद्धिमा ध्यान दिएकोछ । गुनासो सुनुवाई, क्षतिपूर्ति सहितको नागरिक वडापत्रको व्यवस्था, सहायता कक्षाको व्यवस्था, वालमैत्री, अपांगमैत्री तथा वातावरणमैत्री संरचना, निर्णय, योजना बजेट एवं आयव्यय प्रतिवेदन सार्वजनिकरण, योजना सुपरीवेक्षण तथा अनुगमनमा समावेशी सहभागिता, वित्तीय जोखिम न्यूनीकरण कार्यान्वयन, गुणस्तरीय सेवा प्रवाह, कार्यसम्पादन मूल्यांकन एवं दण्ड पुरस्कार थालनी, विपन्नता नक्शाङ्कन, स्तरीकरण र प्राथमिकता निर्धारण, समुदायमा आधारित संस्थाहरु, लक्षित वर्गको क्षमता अभिवृद्धि र योजना अनुगमनमा अर्थपूर्ण भूमिका, लक्षित वर्गको स्थानीय श्रोत साधनमा पहुच अभिवृद्धि, स्थानीय संस्थाहरुको प्रोफाइल तयार र परिचालन, सामुहिक आयआर्जन गतिविधिहरु संचालन गर्न मध्यमकालिन खर्च संरचनाले सम्बोधन गरेको छ ।

आगामी तीन वर्षकालागि गाउँपालिकाको कुल अनुमानित बजेट रु १ अरब ५८ करोड ८८ लाख ७५ हजार रहेकोमा कार्यालय सञ्चालन तथा प्रशासनिक खर्चको लागि करिव २६ करोड ८५ लाख ३१ हजार खर्च हुने प्रक्षेपण गरिएको छ । विषयगत क्षेत्र अन्तर्गत योजना तथा कार्यक्रमको लागि चालु तथा पुजिगत खर्च रु १ अरब ३२ करोड ३ लाख ४४ हजार प्रक्षेपण गरिएको छ । गाउँपालिकाले पालिकाका गौरवका योजनाका रुपमा परिकल्पना गरेका योजनका साथै दीगो विकास लक्ष्य, राष्ट्रिय लक्ष्य, तथा प्रादेशिक लक्ष्यलाई योगदान पुग्ने प्रकृतिका योजनाहरुलाई समावेश गरी मध्यकालिन खर्च संरचनाको खाका तयार पारिएको छ । कृषि, पर्यटन र पूर्वाधार विकासलाई गाउँपालिकाले विकासको मुल आधारको रुपमा लिएको छ । त्रिवर्षिय खर्च संरचनाले तिनै क्षेत्रलाई वढी प्राथमिकता दिइ कुल अनुमानित बजेटको कृषि, उद्यम तथा बैकिङ तथा सहकारी क्षेत्रमा गरी कुल करिव १५.१५ प्रतिशत, सामाजिक विकास क्षेत्रमा ४३.३५ प्रतिशत र पूर्वाधार विकासमा २४.२७ प्रतिशत अनुमानित बजेट प्रक्षेपण गरिएको छ । कृषि क्षेत्रमा प्रक्षेपण गरिएको बजेट कृषि क्षेत्र विकास कार्यक्रम यस गाउँपालिकामा संचालन हुनलागेको र यस कार्यक्रमवाट प्राप्तहुने बजेट तथा उक्त कार्यक्रममा जनसहभागिताको रकम समेत समेटिएकोले बडन गएको देखिन्छ । साथै सुस्वा परियोजनावाट संचालन हुने खानेपानि तथा सरसफाईका आयोजनामा वार्षिक थप २ करोड बराबरको श्रोत प्राप्तहुने भएकोले उक्त रकम समेत कुल बजेटमा समेटिएको छ ।

गाउँपालिकाको क्षेत्रगत कार्यक्रम तथा बजेट विनियोजन गर्दा यस आ.ब. २०७९।०८० मा विषयगत क्षेत्र अनुसारको बजेट विनियोजन प्रतिशतको आधारमा आगामि ३ आ.ब.को बजेट प्रक्षेपण गरिएको छ। विषयगत क्षेत्र तथा उपक्षेत्रको विभाजन गर्दा स्थानीय तह योजना तर्जुमा दिग्दर्शन २०७८ लाई अनुसरण गर्नु पर्ने देखिन्छ। बजेट विनियोजन गर्दा गाउँपालिकाले अंगिकार गरेको विषयगत क्षेत्र र उपक्षेत्रको आधारमा आगामि ३ वर्षको विषयगत क्षेत्र तथा उपक्षेत्रको बजेट विनियोजन प्रक्षेपणको खाका तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

तालिका २३: विषयगत उपक्षेत्र बमोजिमको त्रि बर्षिय बजेट खर्च प्रक्षेपण

| क्षेत्र उपक्षेत्र  | आधार बर्ष आ.ब. २०७९।८० विनियोजन | प्रतिशत | आ.ब. २०८०।८१ को बजेट प्रक्षेपण | आ.ब. २०८१।८२को बजेट प्रक्षेपण | आ.ब. २०८२।८३को बजेट प्रक्षेपण | ३ आ.ब.को प्रक्षेपित जम्मा वजेट | प्रतिशत |
|--------------------|---------------------------------|---------|--------------------------------|-------------------------------|-------------------------------|--------------------------------|---------|
| आर्थिक विकास       | ४१९६५००                         | ८.११    | ७५४८३०८९.१                     | ७८२७९३६१.४                    | ८०४९७३७६.६                    | २३४२५९८२७.३                    | १५.१५   |
| कृषि               | १५८६५००                         | ३.०७    | ५३४३१९४६.२                     | ५४४९०४६१.१                    | ५५३३००७९.६                    | १६३२५२४८७.०२                   | १०.६८   |
| उद्योग             | ३१०००००                         | ०.६     | २६२५१३६.०७                     | २८३२०११.९५                    | २९९६१०६.७८                    | ८४५३२५४.८                      | ०.५३    |
| जलश्रोत तथा सिंचाई | ४२५००००                         | ०.८२    | ३५८७६८५.९६                     | ३८७०४१६.३३                    | ४०९४६७९.२७                    | ११५५२७८१.५६                    | ०.७३    |
| बन                 | ५०००००                          | ०.१     | ४३७५२२.६८                      | ४७२००१.९९                     | ४९९३५१.१३                     | १४०८८७५.८                      | ०.०९    |
| श्रम तथा रोजगारी   | १४२००००                         | २.७४    | ११९८८१२१.३                     | १२९३२८५४.५                    | १३६८२२२०.९                    | ३८६०३१९६.८                     | २.४३    |
| पशुपन्छी विकास     | ४०५००००                         | ०.७८    | ३४१२६७६.८९                     | ३६८१६१५.५३                    | ३८९४९३८.८१                    | १०९८९२३१.२३                    | ०.६९    |
| सामाजिक विकास      | २३०९८२४                         | ४४.६३   | २१५२६६३७१.१९                   | २३०६५४४८८.५८                  | २४२८६०४०९.३२                  | ६८८७८१२६९.०९                   | ४३.३५   |



|   |               |       |                  |                  |                  |                  |       |
|---|---------------|-------|------------------|------------------|------------------|------------------|-------|
| शिक्षा  | ११७०९८०<br>०० | २२.६३ | ९९०११३८२.०<br>३  | १०६८१४०५०.<br>५६ | ११३००३१६०.<br>७२ | ३१८८२८५९३.<br>३१ | २०.०७ |
| स्वास्थ्य                                     | ३७२४४००<br>०  | ७.२   | ३१५०१६३२.८<br>२  | ३३९८४१४३.३<br>५  | ३५९५३२८१.३<br>६  | १०१४३९०५७.<br>५३ | ६.३८  |
| खानेपानी<br>तथा सरसफाई                        | ६३५१९४३<br>९  | १२.२७ | ७३६८४०३२.५<br>९  | ७७९१४६४४.३       | ८१२७०३८३.६<br>५  | २३२८६९०६०.<br>५४ | १४.६६ |
| भाषा तथा<br>संस्कृति                          | ९५००००        | ०.१८  | ७८७५४०.८२        | ८४९६०३.५८        | ८९८८३२.०३        | २५३५९७६.४३       | ०.१६  |
| लैंगिक<br>समानता तथा<br>सामाजिक<br>समावेशीकरण | ३४२५०००       | ०.६६  | २८८७६४९.६७       | ३११५२१३.१४       | ३२९५७१७.४६       | ९२९८५८०.२७       | ०.५९  |
| युवा तथा<br>खेलकुद                            | ३९४६०००       | ०.७६  | ३३२५१७२.३५       | ३५८७२१५.१३       | ३७९५०६८.५९       | १०७०७४५६.०<br>७  | ०.६७  |
| सामाजिक<br>सुरक्षा तथा<br>संरक्षण             | ४८०००००       | ०.९३  | ४०६८९६०.९१       | ४३८९६१८.५२       | ४६४३९६५.५१       | १३१०२५४४.९<br>४  | ०.८२  |
| पूर्वाधार<br>विकास                            | १४१६७४२<br>०५ | २७.३७ | ११९७४९९५६.<br>९७ | १२९१८६९४४.<br>९४ | १३६६७२४०४.<br>२८ | ३८५६०९३०६.<br>१९ | २४.२७ |
| यातयात<br>पूर्वाधार                           | ७५५६८७२<br>२  | १४.६  | ६३८७८३१०.९<br>९  | ६८९१२२९०.६<br>९  | ७२९०५२६४.९<br>८  | २०५६९५८६६.<br>६६ | १२.९५ |
| भवन आवास<br>तथा सहरी<br>विकास                 | ४३२५५४८<br>३  | ८.३६  | ३६५७६८९५.८<br>८  | ३९४५९३६६.४<br>५  | ४१७४५७५४.४<br>७  | ११७७८२०१६.<br>८  | ७.४१  |
| ऊर्जा   | २१३५०००<br>०  | ४.१३  | १८०६९६८६.६       | १९४९३६८२.२<br>३  | २०६२३२०१.६<br>७  | ५८१८६५७०.५       | ३.६६  |
| सम्पदा<br>पूर्वाधार                           | १५०००००       | ०.२९  | १२६८८१५.७७       | १३६८८०५.७७       | १४४८११८.२८       | ४०८५७३९.८२       | ०.२६  |
| वातावरण<br>तथा जलवायु                         | ३१००००        | ०.०६  | २६२५१३.६१        | २८३२०१.१९        | २९९६१०.६८        | ८४५३२५.४८        | ०.०५  |
| वातावरण<br>तथा जलवायु                         | ३१००००        | ०.०६  | २६२५१३.६१        | २८३२०१.१९        | २९९६१०.६८        | ८४५३२५.४८        | ०.०५  |
| सुशासन तथा<br>अन्तरसम्बन्ध                    | ३९६००००       | ०.७७  | ३३६८९२४.६२       | ३६३४४१५.३३       | ३८४५००३.७        | १०८४८३४३.६<br>५  | ०.६८  |

| न्धित क्षेत्र                  |           |       |             |             |             |              |      |
|--------------------------------|-----------|-------|-------------|-------------|-------------|--------------|------|
| कानून तथा न्याय                | ५०००००    | ०.१   | ४३७५२२.६८   | ४७२००१.९९   | ४९९३५१.१३   | १४०८८७५.८    | ०.०९ |
| योजना तर्जुमार कार्यन्वयन      | ५०००००    | ०.१   | ४३७५२२.६८   | ४७२००१.९९   | ४९९३५१.१३   | १४०८८७५.८    | ०.०९ |
| प्रशासकीय सुशासन               | १६०००००   | ०.३१  | १३५६३२०.३   | १४६३२०६.१७  | १५४७९८८.५   | ४३६७५१४.९७   | ०.२७ |
| वित्तीय सुशासन                 | १३६००००   | ०.२६  | ११३७५५८.९६  | १२२७२०५.१८  | १२९८३१२.९४  | ३६६३०७७.०८   | ०.२३ |
| कार्यालय सञ्चालन तथा प्रशासनिक | ९८६५९९८   | १९.०६ | ८३३९१८२२.४३ | ८९९६३५७९.४८ | ९५१७६३२५.३८ | २६८५३१७२७.२९ | १६.९ |
| कार्यालय सञ्चालन तथा प्रशासनिक | ९८६५९९८   | १९    | ८३३९१८२२    | ८९९६३५७९    | ९५१७६३२५    | २६८५३१७२६.   | १६.९ |
| कुल जम्मा                      | ५१७५५१६२५ | १००   | ४९७५२२६७८   | ५३२००१९९१   | ५५९३५११३०   | १५८८८७५७९९   | १००  |

## ८.२ कार्यक्रम तथा आयोजनाको योजना तथा कार्यक्रम बमोजिम तीन आ.ब. को बजेट खर्च प्रक्षेपण

आगामी तीन वर्षकालागि गाउँपालिकाको कूल अनुमानित बजेट रु १ अरब ५८ करोड ८८ लाख ७५ हजार रहेकोमा कार्यालय सञ्चालन तथा प्रशासनिक खर्चको लागि करिब २६ करोड ८५ लाख ३१ हजार खर्च हुने प्रक्षेपण गरिएको छ । विषयगत क्षेत्र अन्तर्गत योजना तथा कार्यक्रमको लागि रु १ अरब ३२ करोड ३ लाख ४४ हजार प्रक्षेपण गरिएको भए पनि पुजितग खर्च जम्मा रु ३ आ.ब.को लागि रु ६३५५५०३२० प्रक्षेपण गरिएको छ ।

## तालिका २४: विषयगत उपक्षेत्र बमोजिमका योजना तथा कार्यक्रमको लागि मध्यमकालिन खर्च संरचना रु हजारमा

| क्र.स. | विषय क्षेत्र | क्रियाकलापहरु | उद्देश्य | आयोजनाको अवधि |         | लागत तथा पुष्ट्याई |           |
|--------|--------------|---------------|----------|---------------|---------|--------------------|-----------|
|        |              |               |          | शुरु          | समाप्ति | लागत (रु लाखमा)    | पुष्ट्याई |
|        |              |               |          |               |         | ६३३६९०             |           |

|    |              | आर्थिक विकास   |  |                    | ३६०६४० |        |                              |        |
|----|--------------|--|--|--------------------|--------|--------|------------------------------|--------|
| १  | आर्थिक विकास | <b>कृषि</b>  |  |                    | १५०६४० |        |                              |        |
| १. |              | माटोको परिक्षण फलफुल तथा नगदेबालि तथा खेतिको लागि ( सुन्तला, केरा, कागती)    | फलफुल उत्पादन वृद्धि   | २०८०               | २०८३   | ४००    | संघ                          |        |
| २  |              | रैथाने वाली तथा बिउविजनको संरक्षण तथा उत्पादन कार्यक्रम                      | रैथाने बाली संरक्षण  | २०८०               | २०८३   | २००    | संघ                          |        |
| ३  |              | मकै तथा धानको व्यवसायिक बीउ उत्पादन कार्यक्रम                                | उत्पादन वृद्धि   | २०८०               | २०८३   | ५००    | संघ                          |        |
| ४  |              | कृषि तथा पशु विमा अनुदान कार्यक्रम   | कृषि तथा पशुपालनको क्षेत्रको विकास   | २०८०               | २०८३   | १०००   | संघ                          |        |
| ५  |              | फलफुल उत्पादनका लागि नर्सरी निर्माण  |  | २०८०               | २०८३   | ५४०    | संघ                          |        |
| ६  |              | फलफुल तथा तरकारी पकेट क्षेत्र निर्माण  |  | २०८०               | २०८३   | १०००   | संघ                          |        |
| ७  |              | तरकारी खेतिको लागि टनेल खेती   |  | २०८०               | २०८३   | ५००    | संघ                          |        |
| ८  |              | अदुवा तथा बेसार खेतीको व्यवसायिक उत्पादनमा सहयोग ।                           | आय आर्जनमा वृद्धि  | २०८०               | २०८३   | १०००   | संघ                          |        |
| ९  |              | बमेमौसमी तरकारी खेति   |  | २०८०               | २०८३   | १२०००० | कृषि क्षेत्र विकास कार्यक्रम |        |
| १० |              | तरकारी तथा फलफुल संकलन केन्द्र स्थापना                                       |  | २०८०               | २०८३   | ३०००   | प्रदेश                       |        |
| ११ |              | गाउँपालिका स्तरिय तरकारी तथा फलफुल सित भण्डारण                               |  | २०८०               | २०८३   | २००००  | प्रदेश                       |        |
| १२ |              | टिमुर , ओखर, कागती, सुन्तला, अमिलो , रिठा, तेजपत्ताको प्रवर्द्धन तथा प्रशोधन | २०८०   | २०८३               | ५००    | प्रदेश |                              |        |
| १३ |              | नयाँ बिउविजन केन्द्र स्थापना ।   | २०८०   | २०८३               | २०००   | प्रदेश |                              |        |
| २  |              |  | <b>पशुपालन</b>   |                    |        | ५५००   |                              |        |
| १  |              |  | उन्नत जातका पशुपंक्षि कार्यक्रम ( बंगुर, पशुपंक्षी, बाखा, कूखुरा, चल्ला, भैसी ) संचालन गर्ने । | दुध तथा माछा       | २०८०   | २०८३   | २०००                         | प्रदेश |
| २  |              |  | कृषि तथा पशुपन्छीको विमा कार्यक्रम ।   | मासुमा आत्म निर्भर | २०८०   | २०८३   | ५००                          | प्रदेश |
| ३  |              |  | सरल थोपा सिचाई आयोजना ।  |                    | २०८०   | २०८३   | ५००                          | संघ    |

|   |  |                               |      |      |      |              |
|---|--|-------------------------------|------|------|------|--------------|
| ४ | दुग्ध चिस्यान केन्द्र स्थापना  |                               | २०८० | २०८३ | २००० | संघ          |
| ५ | व्यवसायिक माहुरी पालन कार्यक्रम  |                               | २०८० | २०८३ | ५००  | संघ          |
| ३ | <b>घरेलु तथा साना उद्योग, व्यापार</b>  |                               |      |      | ९३०० |              |
|   | खुल्ला हाट बजारलाई व्यवस्थापन  |                               | २०८० | २०८३ | २००  | प्रदेश       |
| २ | उद्यमीहरुका लागि व्यवसायिक योजना तयारीमा सहयोग   |                               | २०८० | २०८३ | १००  | प्रदेश       |
| ३ | विदेश जाने युवाहरुको लागि सिपमालक तालिमको  |                               | २०८० | २०८३ | ५००  | प्रदेश       |
| ४ | कृषि व्यवसाय सम्बन्धी बैज्ञानिक उपकरण सहित कृषिमा आधुनिकिकरण   |                               | २०८० | २०८३ | ५००० | प्रदेश       |
| ५ | मसलाजन्य उद्योग तथा जडिबुटी प्रसोधन  |                               | २०८० | २०८३ | १००० | संघ          |
| ६ | साबुन तथा अगरबत्ती सम्बन्धी उद्योग संचालनका  | उद्योग तथा व्यवसाय प्रवर्द्धन | २०८० | २०८३ | ५००  | प्रदेश       |
| ७ | सिलाई , कटाई चोया, निगालोसम्बन्धी, मुडा बनाउने, मिनिटेलर, लघुउद्यम, सिन्की तथा चाउचाउ, तालिम ।   |                               | २०८० | २०८३ | ५००  | संघ          |
| ८ | परम्परागत डोको, नाम्लो, मान्द्रो आदिको व्यवसायिक उत्पादन तथा बजारीकरण कार्यक्रम  |                               | २०८० | २०८३ | ५००  | प्रदेश       |
| ९ | कपी उद्योग, साबुन, मिनिरल वाटर, अगरबत्ति, विभिन्न जडिबुटीबाट औषधी उत्पादन र यस क्षेत्रमा उत्पादित विभिन्न फलफुलका जुस उद्योग सञ्चालन । |                               | २०८० | २०८३ | १००० | प्रदेश       |
| ४ | <b>पर्यटन विकास</b>  |                               |      |      | २८०० |              |
| १ | पार्क तथा बालउद्यान निर्माण  |                               | २०८० | २०८३ | १००० | संघ          |
| २ | पिकनिक स्पोर्ट स्थापना ।   |                               | २०८० | २०८३ | ५००  | संघ          |
| ३ | धार्मिक स्थलहरुको संरक्षण ।  |                               | २०८० | २०८३ | १००० | संघ          |
| ४ | सामुदायिक होमस्टे प्रवर्द्धन कार्यक्रम   |                               | २०८० | २०८३ | ३००  | संघ          |
| ५ | <b>बैङ्क, वित्तिय संस्था तथा सुरक्षित आप्रवासन</b>   |                               |      |      | ५०५० |              |
| १ | सम्पूर्ण कृषकहरुको कृषक सहकारी सञ्चालन   |                               | २०८० | २०८३ | २५०  | निजि क्षेत्र |

|    |  |                     |      |      |               |            |
|----|--|---------------------|------|------|---------------|------------|
| २  | आपतकालिन दुर्घटना , चोट पटकका लागि कोष स्थापना ।                 |                     | २०८० | २०८३ | १०००          | आन्तरिक आय |
| ३  | वित्तीय साक्षरता सम्बन्धी कक्षा संचालन                           |                     | २०८० | २०८३ | २५००          | आन्तरिक आय |
| ४  | सहकारीहरुको क्षमता विकास कार्यक्रम                               |                     | २०८० | २०८३ | ३००           | आन्तरिक आय |
| ५  | सुरक्षित आप्रवासन र विप्रेषण सम्बन्धी क्षमता विकास कार्यक्रम     |                     | २०८० | २०८३ | ५००           | आन्तरिक आय |
| ६  | वैदेशिक रोजगारवाट फर्किएका युवाहरुलाई उद्यमशिलता विकास कार्यक्रम |                     | २०८० | २०८३ | ५००           | आन्तरिक आय |
| ६  | <b>सिंचाई</b>  |                     |      |      | <b>१८४०००</b> |            |
| १  | उनवाङ्ग गरीन खोला बैपल डाँडा लिफ्टीडत सिंचाई योजना               |                     | २०८० | २०८३ | ४०००          | प्रदेश     |
| २  | स्यानोबारीदेखि गोरनेटा सिंचाई                                    |                     | २०८० | २०८३ | ३०००          | प्रदेश     |
| ३  | ढोरवाङ्ग खोला खाल टाकुरा सिंचाई योजना                            |                     | २०८० | २०८३ | ४०००          | प्रदेश     |
| ४  | बाँजवोट सिंचाई टंकी निर्माण                                      |                     | २०८० | २०८३ | २५००          | प्रदेश     |
| ५  | पनेरी खोला सिंचाई टंकी पाईप लाईन विस्तार                         |                     | २०८० | २०८३ | १०००          | प्रदेश     |
| ६  | देब्रेर खोला लापु लिफ्टीड  |                     | २०८० | २०८३ | २००००         | प्रदेश     |
| ७  | सिसनरी खोला खामागोर लिफ्टीड सिंचाई                               | कृषि उत्पादन बढाउने | २०८० | २०८३ | २५०००         | प्रदेश     |
| ८  | दोवरी पुतली बाँस ट्यांकी पाईप विस्तार                            |                     | २०८० | २०८३ | ५००           | प्रदेश     |
| ९  | दुले ओडार लाम्पोखरा लिफ्टीड सिंचाई                               |                     | २०८० | २०८३ | २५०००         | प्रदेश     |
| १० | दद्रेन देखि गुनखुली सडक विस्तार                                  |                     | २०८० | २०८३ | १०००          | प्रदेश     |
| ११ | डड्रेन देखी लाम्पोखरा खानेपानी                                   |                     | २०८० | २०८३ | ५००           | प्रदेश     |
| १२ | ढनठाने खोला पेदिखोला सम्म सिंचाई कुलो                            |                     | २०८० | २०८३ | ५०००          | प्रदेश     |
| १३ | करंगे हुंग सिल्के खोला सिंचाई कुलो                               |                     | २०८० | २०८३ | ३५००          | संघ        |
| १४ | मुसे खोला माथिल्लो सिंचाई नहर निर्माण                            |                     | २०८० | २०८३ | ३५००          | संघ        |

|    |   |      |      |      |        |
|----|---|------|------|------|--------|
| १५ | मुसे खोला तल्लो सिचाई कुलो निर्माण  | २०८० | २०८३ | ४००० | संघ    |
| १६ | पुत्लीवास दहखोला सिचाई कुलो   | २०८० | २०८३ | ५००० | संघ    |
| १७ | काउले खोला गोगने खोला सिचाई नहर   | २०८० | २०८३ | २००० | संघ    |
| १८ | गरवांग दहखोला तेलालीसम्म सिचाई कुलो   | २०८० | २०८३ | २००० | संघ    |
| १९ | रिठाबोट जाम्नेभिला मुसेखोला सिचाई कुलो  | २०८० | २०८३ | ८००० | संघ    |
| २० | हालसम्म सिचाई कुलोको लम्बाई २१०० मि. छ अत्र ५ वर्षमा अरु ३००० मि. थप गर्नु पर्ने ।  | २०८० | २०८३ | ३००० | संघ    |
| २१ | सिचाई पोखरी निर्माण विभिन्न स्थानहरुमा  | २०८० | २०८३ | ४००० | संघ    |
| २२ | टेकेन खोला जलुके नहर ७०० मि.  | २०८० | २०८३ | २००० | संघ    |
| २३ | दमारखोला मसानघाट सा.व. को भवन सम्म सिचाई योजना २००० मि.   | २०८० | २०८३ | ५००० | संघ    |
| २४ | चंखेनी टप्पा बोडीबासा नहर योजना २००० मि.  | २०८० | २०८३ | ५००० | प्रदेश |
| २५ | जराधारमुनी देखि मसानघाट नहर योजना ( १००० मि.) ठ   | २०८० | २०८३ | २५०० | प्रदेश |
| २६ | चोरखोला रबुंग सिचाई पाईपलाईन तथा रिजर्भ टंकी निर्माण योजना ( ३५०० मि.)  | २०८० | २०८३ | ४००० | संघ    |
| २७ | घांगे खोला चांगेटोल रिजर्भ सिचाई पाईपलाईन र टंकी निर्माण योजना ( १५०० मि.)  | २०८० | २०८३ | २५०० | संघ    |
| २८ | किमुचौरको लेख भनवांगको लेख र गाउँपालिकाको लेख मा ठुलाठुला पोखरी निर्माण गरेर वर्षातको पानी जम्मा पारेर सिचाईको व्यवस्था मिलाउने । | २०८० | २०८३ | ३००० | संघ    |
| २९ | उत्तर तर्फका बस्तीमा सिचाईको लागि पोखरी तथा टंकी निर्माण ।  | २०८० | २०८३ | ४००० | संघ    |
| ३० | समग्र ४ नं. वडाको खेतको लागि पक्की कुलोको निर्माण गर्ने ।   | २०८० | २०८३ | २००० | संघ    |

|    |         |  |                    |      |      |        |  |        |
|----|---------|--|--------------------|------|------|--------|--|--------|
| ३१ |         | किमुचौर, धनवांग र गाडापानीमा खोलाको पानी लिफ्ट, सिस्टमबाट माथी फालेर सिचाइको व्यवस्था मिलाउने ।                    |                    | २०८० | २०८३ | ५०००   |  | संघ    |
| ३२ |         | एक घर एक सिचाइ टंकीको निर्माण गर्ने ।  |                    | २०८० | २०८३ | ५०००   |  | प्रदेश |
| ३३ |         | सिचाई सम्बन्धि मेसिनहरु कृषकहरुलाई विशेष अनुदानको व्यवस्था गर्नुपर्ने ।  |                    | २०८० | २०८३ | २५००   |  | प्रदेश |
| ३४ |         | सातामुल सललबोट सिचाई आयोजना  |                    | २०८० | २०८३ | ४०००   |  | संघ    |
| ३५ |         | वाह्न मुल डाँडागाउँ सिचाई योजना  |                    | २०८० | २०८३ | २५००   |  | संघ    |
| ३६ |         | काउले खोला , खोली गाउँ सिचाइ योजना   |                    | २०८० | २०८३ | २०००   |  | संघ    |
| ३७ |         | गौरेखोला सिवांग पोखडाँडा लिफ्टिंग सिचाइ आयोजना   |                    | २०८० | २०८३ | २५००   |  | संघ    |
| ३८ |         | वडा नं ६ भरी सिचाई कुलो निर्माण गर्ने ।  |                    | २०८० | २०८३ | ४०००   |  | संघ    |
| ७  |         | <b>वन व्यवस्थापन</b>   |                    |      |      | ३३५०   |  |        |
| १  |         | सामुदायिक वनका पदाधिकारीलाई वित्तिय व्यवस्थापन सम्बन्धी तालिम ।  |                    | २०८० | २०८३ | १००    |  | प्रदेश |
| २  |         | आगलागि नियन्त्रण सामाग्री खरिद तथा सचेतना कार्यक्रम  |                    | २०८० | २०८३ | ५००    |  | प्रदेश |
| ३  |         | सामुदायिक वनहरुको प्राथमिकताका आधारमा वनका विकास कार्ययोजना तयार गर्ने ।   |                    | २०८० | २०८३ | ५००    |  | प्रदेश |
| ४  |         | सामुदायिक वनको श्रोत नक्सांकन गरी सबै सामुदायिक वनमा लाग्न सक्ने कम्तीमा ५ वटा उच्चमूल्य , बहु वाली पहिचान गर्ने । | वन क्षेत्रको विकास | २०८० | २०८३ | ५०     |  | प्रदेश |
| ५  |         | वनमा आधारित लघुउद्यम संचालन  |                    | २०८० | २०८३ | २००    |  | प्रदेश |
| ६  |         | नर्सरीको स्थापना तथा वृक्षारोपण  |                    | २०८० | २०८३ | ५००    |  | प्रदेश |
| ७  |         | डाले घाँस प्रवर्द्धन कार्यक्रम ।   |                    | २०८० | २०८३ | ५००    |  | प्रदेश |
| ८  |         | जडिबुटिको संरक्षण गर्ने ।  |                    | २०८० | २०८३ | ५००    |  | प्रदेश |
| ९  |         | वृक्षा रोपण तथा घेरवार   |                    | २०८० | २०८३ | ५००    |  | प्रदेश |
|    |         | <b>सामाजिक विकास</b>   |                    |      |      | १२९६०० |  |        |
| १  | सामाजिक | शिक्षा   |                    |      |      | ७३००   |  |        |

|    |   |  |                       |      |      |       |        |     |
|----|---|--|-----------------------|------|------|-------|--------|-----|
| १  | विकास   | बिद्यालयमा विद्युत बिस्तार ।                                       | विद्युतमा पहुँच       | २०८० | २०८३ | १६००  | संघ    |     |
| २  |   | बिद्यालयमा शौचालयको व्यवस्था                                       | सरसफाई व्यवस्थापन     | २०८० | २०८३ | १०००  | संघ    |     |
| ३  |   | बिद्यालयमा प्रविधिको प्रयोग  | गुणस्तरिय शिक्षा      | २०८० | २०८३ | ८००   | संघ    |     |
| ४  |   | बिद्यालयमा फर्निचरको व्यवस्थापन गर्ने( कालिका र मुलपानी बिद्यालय ) | शौषक गुणस्तरिय वृद्धि | २०८० | २०८३ | ७००   | संघ    |     |
| ८  |   | बिद्यालयमा शुद्ध खानेपानी तथा सरसफाईको व्यवस्थापन                  |                       | २०८० | २०८३ | १०००  | संघ    |     |
| ९  |   | अपाङ्ग, महिला, बालबालिकामैत्री भौतिक संरचना निर्माण                |                       | २०८० | २०८३ | २०००  | संघ    |     |
| १० |   | बालमैत्री स्थानीय साशन कार्यक्रम                                   |                       | २०८० | २०८३ | २००   | संघ    |     |
| २  |   | स्वास्थ्य तथा पोषण   |                       |      |      |       | १९०००  |     |
| १  |   | स्वास्थ्यकर्मी स्वयम् सेविका क्षमता अभिवृद्धि कार्यक्रम            |                       |      | २०८० | २०८३  | ३००    | संघ |
| २  |   | स्वास्थ्य चौकीमा पुर्वाधार विकास                                   |                       | २०८० | २०८३ | ५०००  | प्रदेश |     |
| ३  | स्वास्थ्य चौकीमा न्युनतम स्वास्थ्य सुबिधाको व्यवस्थापन          |  | २०८०                  | २०८३ | २००० | संघ   |        |     |
| ४  | स्वास्थ्य संस्थामा आवश्यक औषधि तथा सामग्री व्यवस्थापन कार्यक्रम | सर्वशुलभ स्वास्थ्य सेवा  | २०८०                  | २०८३ | २००० | संघ   |        |     |
| ५  | नसर्ने रोगको नियन्त्रण तथा व्यवस्थापन कार्यक्रम                 |  | २०८०                  | २०८३ | १५०० | संघ   |        |     |
| ६  | विमा कार्यक्रम स्वास्थ्य चौकीसम्म विस्तार                       |  | २०८०                  | २०८३ | २००० | संघ   |        |     |
| ८  | स्वास्थ्य एवं पोषण सहयोग तथा सचेतना कार्यक्रम                   |  | २०८०                  | २०८३ | ५००  | संघ   |        |     |
| ९  | स्वास्थ्य चौकीमा प्रयोगशाला स्थापना                             |  | २०८०                  | २०८३ | ५००  | संघ   |        |     |
| १२ | दिर्घ रोगीका लागि निशुल्क स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम ।            |  | २०८०                  | २०८३ | २००  | संघ   |        |     |
| १३ | जेष्ठ नागरिक स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम ।                         |  | २०८०                  | २०८३ | ५००० | संघ   |        |     |
| ३  | खानेपानी तथा सरसफाई   |  |                       |      |      | ८२७०० |        |     |



|    |   |                     |        |      |       |             |     |
|----|---|---------------------|--------|------|-------|-------------|-----|
| १  | खानेपानिको सुविधा नपुगेको घरधुरीमा एक घर एक धारा निर्माण            |                     | २०८०   | २०८३ | ५०००  | संघ, प्रदेश |     |
| २  | फोहर सङ्कलन तथा व्यवस्थापन कार्यक्रम                                |                     | २०८०   | २०८३ | १०००  | प्रदेश      |     |
| ३  | कालापात्ला लिष्ट खानेपानी योजना                                     |                     | २०८०   | २०८३ | ४०००  | संघ, प्रदेश |     |
| ४  | बगरखोला भुन्टेटाकुरा खानेपानी योजना                                 |                     | २०८०   | २०८३ | २०००  | प्रदेश      |     |
| ५  | छापटोल खानेपानी योजना   |                     | २०८०   | २०८३ | ५०००  | संघ, प्रदेश |     |
| ६  | डुमई खोला गट्टे टाकुरा खानेपानी योजना                               |                     | २०८०   | २०८३ | ५००   | प्रदेश      |     |
| ८  | बाहुन पनेरा खानेपानी योजना  |                     | २०८०   | २०८३ | १०००  | संघ, प्रदेश |     |
| ९  | खामागारे खानेपानी टंकी निर्माण                                      |                     | २०८०   | २०८३ | ६०००  | प्रदेश      |     |
| १२ | सिलेखोला खानेपानी योजना   |                     | २०८०   | २०८३ | ५०००  | संघ, प्रदेश |     |
| १३ | साँरा जुदे खानेपानी योजना   |                     | २०८०   | २०८३ | ५०००  | प्रदेश      |     |
| १४ | पानीगैरा लापु लाम्पोख खानेपानी योजना                                | खानेपानी तथा सरसफाई | २०८०   | २०८३ | १५००  | संघ, प्रदेश |     |
| १५ | बिरेन्द्र मा.वि. खानेपानी   |                     | २०८०   | २०८३ | ५००   | प्रदेश      |     |
| १६ | गोठिवन ( भुतखोला ) खानेपानी पुनः निर्माण ( २०५२ साल पुरानो          |                     | २०८०   | २०८३ | ५०००  | संघ, प्रदेश |     |
| १७ | दानवाड खानेपानी निर्माण (भकम, दानवाड ) पुनः निर्माण २०५० साल पुरानो |                     | २०८०   | २०८३ | ५०००  | प्रदेश      |     |
| १८ | सल्लेरी गोष्वित खानेपानी प्रशुतावित निर्माण                         |                     | २०८०   | २०८३ | ६०००  | संघ, प्रदेश |     |
| १९ | सिवाड खानेपानी  |                     | २०८०   | २०८३ | ५०००  | प्रदेश      |     |
| २० | भुतखोला गर्पा खानेपानी लिफ्ट र टंकी थप गर्ने                        |                     | २०८०   | २०८३ | १०००० | संघ, प्रदेश |     |
| २१ | सरसफाई सम्बन्धी जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।               |                     | २०८०   | २०८३ | २००   | प्रदेश      |     |
| २२ | पातेखोला छायमाल खानेपानी निर्माण गर्ने ।                            |                     | २०८०   | २०८३ | ५०००  | संघ, प्रदेश |     |
| २३ | वडा नं. ६ का विभिन्न स्थानमा खानेपानि आयोजना संचालन                 |                     | २०८०   | २०८३ | १०००० | प्रदेश      |     |
| ४  | <b>युवा तथा खेलकुद विकास</b>  |                     |        |      |       | १२८००       |     |
| १  | खेल मैदान निर्माण   |                     | खेलकुद | २०८० | २०८३  | १०००        | संघ |

|   |  |                 |      |      |             |            |
|---|--|-----------------|------|------|-------------|------------|
| २ | युवा दुर्व्यसनी निरुत्साहित कार्यक्रम                          | क्षेत्रको विकास | २०८० | २०८३ | ५००         | आन्तकिक आय |
| ३ | पालिका स्तरीय कभर्डहल निर्माण गर्ने                            |                 | २०८० | २०८३ | १००००       | संघ        |
| ४ | प्रतियोगितात्मक खेलकुद कार्यक्रम                               |                 | २०८० | २०८३ | १०००        | आन्तकिक आय |
| ५ | खेलाडी प्रोत्साहन कार्यक्रम                                    |                 | २०८० | २०८३ | २५०         | आन्तकिक आय |
| ६ | हिंसा न्यूनीकरणमा युवा परिचालन कार्यक्रम                       |                 | २०८० | २०८३ | ५०          | आन्तकिक आय |
| ५ | <b>लैससास</b>  |                 |      |      | <b>३५५०</b> |            |
| १ | लैससास नीति निर्माण  |                 | २०८० | २०८३ | ५००         | आन्तरिक आय |
| ३ | एक महिला एक सिप , एक घर एक आय कार्यक्रम संचालन                 |                 | २०८० | २०८३ | ५००         | आन्तरिक आय |
| ४ | आर्थिक रुपमा विपन्न परिवारका बालबालिका लागि कार्यक्रम सञ्चालन  |                 | २०८० | २०८३ | २५०         | आन्तरिक आय |
| ५ | लैंगिक हिंसा मुक्त विभिन्न कार्यक्रम संचालन                    | समावेशी विकास   | २०८० | २०८३ | ५००         | आन्तरिक आय |
| ६ | बालविवाह न्युनीकरणका लागि किशोरी लक्षित विशेष कार्यक्रम संचालन |                 | २०८० | २०८३ | ५००         | आन्तरिक आय |
| ७ | विपन्न समुदाय लक्षित उत्पादनमा आधारित कृषि अनुदान कार्यक्रम    |                 | २०८० | २०८३ | ५००         | आन्तरिक आय |
| ८ | महिला नेतृत्व विकास कार्यक्रम                                  |                 | २०८० | २०८३ | ५००         | आन्तरिक आय |
| ९ | दलित वर्गको सीपलाई व्यवसायिकरण कार्यक्रम संचालन                |                 | २०८० | २०८३ | ३००         | आन्तरिक आय |
| ६ | <b>भाषा, संस्कृति, कला तथा साहित्य</b>                         |                 |      |      | <b>४२५०</b> |            |

|    |  |  |                       |      |       |               |            |
|----|--|--|-----------------------|------|-------|---------------|------------|
| १  |  | लोप हुन लागेको सोरठी, मारुनी, लाखे, पैसरी डाडी भाका , कठेउरी आदि संरक्षण |                       | २०८० | २०८३  | ९००           | आन्तरिक आय |
| २  |  | वडामा लाग्ने मेला, जात्रा आदिलाई व्यवस्थित गर्ने ।                       |                       | २०८० | २०८३  | ६००           | आन्तरिक आय |
| ४  |  | मगर भाषा उत्थानको लागि स्थानीय पाठ्यक्रममा मगर भाषा पठन पाठन गराउने ।    |                       | २०८० | २०८३  | १०००          | आन्तरिक आय |
| ५  |  | सोरठी दमारे नाच संरक्षण  | कला, संस्कृतिको विकास | २०८० | २०८३  | २५०           | आन्तरिक आय |
| ६  |  | साँस्कृतिक विकासका लागि सामाग्री   |                       | २०८० | २०८३  | २५०           | आन्तरिक आय |
| ६  |  | साँस्कृतिक विकासका लागि सामाग्री   |                       | २०८० | २०८३  | २५०           | आन्तरिक आय |
| ७  |  | कलाघर निर्माण  |                       | २०८० | २०८३  | १०००          | संघ        |
|    |  | <b>पूर्वाधार विकास</b>   |                       |      |       | <b>११५३००</b> |            |
| १  |  | <b>सडक तथा यातायात विकास</b>   |                       |      |       | <b>८६०००</b>  |            |
| १  |  | कालापातला भित्रिखोला सडक   |                       | २०८० | क्रमस | १०००          | संघ        |
| २  |  | वडा नं. १ सडक मर्मत  |                       | २०८० | क्रमस | १०००          | संघ        |
| ३  |  | जुगेपानी खस्पुरी सडक   |                       | २०८० | क्रमस | २०००          | प्रदेश     |
| ४  |  | कार्की गाउँ बगरखोला सडक  |                       | २०८० | क्रमस | ४०००          | प्रदेश     |
| ५  |  | बल्टाकुरा सान्डान टाकुरी सडक   |                       | २०८० | क्रमस | ५००           | संघ        |
| ६  |  | खर्कटोल डाढा दलित टोल सडक  |                       | २०८० | क्रमस | ३०००          | संघ        |
| ७  |  | छापा आरु गैरा सडक  |                       | २०८० | क्रमस | १००००         | प्रदेश     |
| ८  |  | खार्पानी खोरबारे ठाउखानी   | सहज यातायात           | २०८० | क्रमस | १०००          | प्रदेश     |
| ९  |  | बाडाबोर डोवरी सडक  |                       | २०८० | क्रमस | १०००          | संघ        |
| १० |  | द्वारपानी खामागारे सडक विस्तार   |                       | २०८० | क्रमस | ५००           | संघ        |
| ११ |  | कपुरकोट दमारखोला , सिमलकुना हुँदै दाड हलवार जोड्ने सडक विस्तार           |                       | २०८० | क्रमस |               | प्रदेश     |
| १२ |  | भकम खहरे गापा सडक निर्माण  |                       | २०८० | क्रमस | ४०००          | प्रदेश     |
| १३ |  | रिहाबोट ओवांग दहखोला सडक   |                       | २०८० | क्रमस | ४०००          | संघ        |

|    |  |      |       |       |        |
|----|--|------|-------|-------|--------|
|    | निर्माण  |      |       |       |        |
| १४ | कपुरकोट, दानवांग,ढलढाना, गोठीवन हुँदै रिठाबोट सम्म स्तरोन्नती  | २०८० | क्रमस | ४०००  | संघ    |
| १५ | बगाले गार्पा गोठीवन , दहखोला तेलाली सम्म   | २०८० | क्रमस | ५०००  | प्रदेश |
| १६ | खाली गार्पा दहवन, कालपाल्ला हुँदै रोल्पा जोड्ने सडक ग्राबेल गर्ने र पिच गर्ने  | २०८० | क्रमस | ५०००  | प्रदेश |
| १७ | खाली खहरे अम्रैडाँडा सडक स्तरोन्नती  | २०८० | क्रमस | ५०००  | संघ    |
| १८ | गर्पा ढनठाना सडक स्तरोन्नती  | २०८० | क्रमस | ५०००  | संघ    |
| १९ | पालिका भएर आवत जावत गर्ने सबैखाले यातायात र ढुवानीको साधनहरुलाई पालिकाको मातहतमा ल्याई कर तथा व्यवस्थापन प्रणाली सुनिश्चित गर्ने । | २०८० | क्रमस | ५०००  | प्रदेश |
| २० | सोलवांग अवलवन कृषि सडक योजना मुलपानी सोलावांग  | २०८० | क्रमस | ५०००  | प्रदेश |
| २१ | माथिल्लो गाउँ दवांग घांगे खोला कृषि सडक योजना माथिल्लो गाउँ मुलपानी  | २०८० | क्रमस | ५०००  | संघ    |
| २२ | कपुरकोट धनवांग वडा कार्यलय हुँदै फलावांग जोड्ने सडकलाई नाली तथा ग्राभेल र पक्की गर्ने ।  | २०८० | क्रमस | ५०००  | संघ    |
| २३ | पाथिहाल्ना धाराखोला रावत टोल हुँदै ठुली जोड्ने सडकलाई जोड्ने स्तरोन्नती गर्ने र चालु गर्ने   | २०८० | क्रमस | ५०००  | प्रदेश |
| २४ | कपुरकोट फलवांग जोड्ने माथिल्लो सडकलाई मर्मत गरी नियमित ठुलागाडी चल्ने गरी सडक स्तरोन्नती गर्ने ।                                   | २०८० | क्रमस | ५०००  | प्रदेश |
| ३  | <b>विद्युत तथा बैकल्पिक उर्जा</b>  |      |       | २२००० |        |
| १  | धुवाँ रहित चुलो निर्माण कार्यक्रम  | २०८० | ०८३   | २०००  | संघ    |
| २  | विद्युत पोल तथा तार बिस्तार योजना  | २०८० | क्रमस | २०००० | संघ    |

|   |                                  |  |                         |      |      |              |            |
|---|----------------------------------|--|-------------------------|------|------|--------------|------------|
| ४ |                                  | संचार तथा सूचना प्रविधि  |                         |      |      | २३००         |            |
| १ |                                  | गाउँपालिकाका मुख्य स्थानहरूमा निःशुल्क इन्टरनेटको सुविधा                               | प्रविधिको प्रयोग        | २०८० | २०८३ | ३००          | आन्तरिक आय |
| २ |                                  | साइबर अपराध र कानुनी जटिलतामा सचेतना   |                         | २०८० | २०८३ | ५००          | आन्तरिक आय |
| ३ |                                  | शिक्षा तथा स्वास्थ्य संस्थामा इन्टरनेटको व्यवस्था                                      |                         | २०८० | २०८३ | १५००         | आन्तरिक आय |
| ५ |                                  | सार्वजनिक निर्माण  |                         |      |      | ५०००         |            |
| १ |                                  | खरको छाना मुक्त कार्यक्रम  |                         | २०८० | २०८३ | ५०००         | संघ        |
|   |                                  | <b>वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन</b>  |                         |      |      | <b>१५४००</b> |            |
| १ |                                  | जलाधार तथा जैविक विविधता संरक्षण   |                         |      |      | ८१००         |            |
| १ |                                  | जिव तथा वनस्पतिको लागि संरक्षण कार्यक्रम   | जैविक विविधताको संरक्षण | २०८० | २०८३ | ५००          | प्रदेश     |
| २ |                                  | सरकारी तथा सामुदायिक वन भित्र रहेका मुहान वरीपरि वृक्षरोपण गर्ने                       | मुहान संरक्षण           | २०८० | २०८३ | ५००          | प्रदेश     |
| ३ |                                  | जंगली जनावरको चोरी पैठारीको नियन्त्रणमा सहयोग गर्ने ।                                  | चोरी पैठारी नियन्त्रण   | २०८० | २०८३ | १००          | प्रदेश     |
| ४ | वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन | पानीका मुहान भएका स्थानमा गाई, बाख्रा, जानबाट रोकथामका लागि घेरवार ।                   | मुहान संरक्षण           | २०८० | २०८३ | १०००         | प्रदेश     |
| ५ |                                  | सरकारी तथा सामुदायिक वनभित्र रहेका पानीका मुहानबाट समुदाय सम्म पानी ल्याउन पहल गर्ने । | खानेपानीको लागि         | २०८० | २०८३ | १०००         | प्रदेश     |
| ६ |                                  | पोखरी तथा विभिन्न मुलहरूको मुहान संरक्षण   | मुहान संरक्षण           | २०८० | २०८३ | ५०००         | आन्तरिक आय |
| २ |                                  | बतावरीय स्वच्छता   |                         |      |      | ५९५०         |            |
| १ |                                  | वडाका मुख्य टोलहरूमा डस्टबिन वितरण   | वातावरणिय स्वच्छता      | २०८० | २०८३ | ५००          | आन्तरिक आय |

|     |                                  |   |                             |      |      |       |            |
|-----|----------------------------------|---|-----------------------------|------|------|-------|------------|
| २   |                                  | नियमित सरसफाइ अभियानहरु संचालन गर्ने                                    |                             | २०८० | २०८३ | १००   | आन्तरिक आय |
| ३   |                                  | वृक्षरोपण तथा भूक्षय रोकथाम कार्यक्रम                                   |                             | २०८० | २०८३ | ५०००  | आन्तरिक आय |
| ४   |                                  | रासायनिक मल तथा किटनाशक औषधीको प्रयोगमा नियन्त्रण ।                     |                             | २०८० | २०८३ | १००   | आन्तरिक आय |
| ५   |                                  | वातावरणीय स्वच्छता सम्बन्धी सचेतनामूलक कार्यक्रमहरु संचालन गर्ने        |                             | २०८० | २०८३ | २५०   | आन्तरिक आय |
| ३   |                                  | <b>विपद् व्यवस्थापन</b>   |                             |      |      | १३५०  |            |
| १   |                                  | विपद् व्यवस्थापन सम्बन्धी सचेतनामूलक कार्यक्रम संचालन गर्ने             |                             | २०८० | २०८३ | २५०   | संघ        |
| २   |                                  | विपद् सम्बन्धी नक्साङ्कन तथा विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तयार | विपद् पूर्व तयारी           | २०८० | २०८३ | ५००   | संघ        |
| ३   |                                  | आपतकालीन अवस्थाका लागि अत्यावश्यक सामाग्रीहरु तयारी अवस्थामा राख्ने     |                             | २०८० | २०८३ | ५००   | संघ        |
| ४   |                                  | विपद् व्यवस्थापन सम्बन्धी वडा तथा समुदाय तहसम्म संरचना तयार गर्ने       |                             | २०८० | २०८३ | १००   | संघ        |
|     |                                  | <b>सुशासन तथा संस्थागत विकास</b>  |                             |      |      | १२७५० |            |
| १.१ | <b>सुशासन तथा संस्थागत विकास</b> | विद्युतीय शासन प्रवर्द्धन कार्यक्रम                                     |                             | २०८० | २०८३ | १०००  | आन्तरिक आय |
| १.२ |                                  | नागरिक सन्तुष्टि सर्वेक्षण  |                             | २०८० | २०८३ | ५००   | आन्तरिक आय |
| १.३ |                                  | जनप्रतिनिधि, कर्मचारी, नागरिक संस्था क्षमता अभिवृद्धि कार्यक्रम         | सुशासनको प्रत्याभुतिको लागि | २०८० | २०८३ | २०००  | आन्तरिक आय |
| १.४ |                                  | लैससास मूलप्रवाहिकरण र वजेट परिक्षण                                     |                             | २०८० | २०८३ | ३००   | आन्तरिक आय |
| १.५ |                                  | सूचनाको हक सम्बन्धी अनुशिक्षण कार्यक्रम                                 |                             | २०८० | २०८३ | १००   | आन्तरिक आय |

|     |  |  |                                 |      |      |      |            |
|-----|--|--|---------------------------------|------|------|------|------------|
| १.६ |  | सार्वजनिक सुनुवाइ कार्यक्रम  |                                 | २०८० | २०८३ | ५००० | आन्तरिक आय |
| १.७ |  | गुनासो सुनुवाइ सम्यन्त्र स्थापना   |                                 | २०८० | २०८३ | १००० | आन्तरिक आय |
| १.८ |  | सामाजिक परिक्षण कार्यक्रम  |                                 | २०८० | २०८३ | १००० | आन्तरिक आय |
| १.९ |  | गाउँपालिकाले गरेका राम्रा काम तथा अभ्यासहरुको दस्तावेजीकरण   |                                 | २०८० | २०८३ | ५००  | आन्तरिक आय |
| २०  |  | जनप्रतिनिधि र नागरिक बीच अर्न्तक्रिया गर्ने  |                                 | २०८० | २०८३ | २५०  | आन्तरिक आय |
| २२  |  | सम्पूर्ण पुर्वाधारजन्य आयोजनाका उपभोक्ताहरुलाई तालिम   | आयोजनाको गुणस्तरियता व्यवस्थापन | २०८० | २०८३ | ३००  | आन्तरिक आय |
| २३  |  | मदिरा विक्रि वितरण व्यवस्थित गर्ने कार्यविधि, सा.व. व्यवस्थापन कार्यविधि तथा अन्य आवश्यक कार्यविधि निर्माण | आवश्यक नीति नियमको निर्माण      | २०८० | २०८३ | १००  | आन्तरिक आय |
| २४  |  | कर्मचारीहरुको क्षमता विकासका लागि तालिम संचालन ।   | क्षमता अभिवृद्धि                | २०८० | २०८३ | ५००  | आन्तरिक आय |
| २५  |  | आमा समूह, स्वस्थ स्वयम्सेविकाका क्षमताविकास तालिम संचालन   | स्वास्थ्य सेवाको गुणस्तरियता    | २०८० | २०८३ | २००  | आन्तरिक आय |

### २.७.४ कार्यक्रमको प्राथमिकीकरण, सांकेतिकीकरण, तथा त्रिवर्षिय खर्च अनुमान

योजना तर्जुमा कार्यशालाले २२३ वटा आयोजनालाई मध्यकालिन खर्च संरचना अन्तर्गत आ व २०८०/८१, २०८१/८२ र २०८२/८३ भित्र कार्यान्वयन गर्ने गरी छनौट गरेको छ । प्रस्तुत तालिकामा प्रत्येक आयोजनाको कुल अनुमानित वजेट र प्रतिवर्ष हुने खर्च अनुमानलाई प्रस्तुत गरिएको छ । प्रत्येक आयोजनाकालागि खर्च हुने अनुमानित वजेटलाई चालु र पूँजीगत खर्चका रूपमा प्रस्तुत गरिएको छ जसमा चालु खर्च कुल वार्षिक वजेटको २० प्रतिशत र पूँजीगत वजेट ८० प्रतिशत खर्च हुने अनुमान गरिएको छ ।

### आयोजनाको पुजिगत तथा चालु खर्चको अनुमान रु हजारमा

| त्र | विषय क्षेत्र | क्रियाकलापहरु | लागत (रु) | आ.व २०८०/८१ को बिनियोजन | आ.व २०८१/८२ को अनुमान | आ.व २०८२/८३ को अनुमान |
|-----|--------------|---------------|-----------|-------------------------|-----------------------|-----------------------|
|-----|--------------|---------------|-----------|-------------------------|-----------------------|-----------------------|

| क्र.सं. |  | हजार मा)   | कुल बजेट   |               |            |                  | पूँजीगत    |               |            |                  | वित्तिय व्यवस्था |               |            |                  |
|---------|--|------------|------------|---------------|------------|------------------|------------|---------------|------------|------------------|------------------|---------------|------------|------------------|
|         |  |            | कुल बजेट   | चालु          | पूँजीगत    | वित्तिय व्यवस्था | कुल बजेट   | चालु          | पूँजीगत    | वित्तिय व्यवस्था | कुल बजेट         | चालु          | पूँजीगत    | वित्तिय व्यवस्था |
|         |  | ६३३<br>६९० | २०९<br>११८ | ४१<br>८२<br>४ | १६७<br>२९४ | ०                | २०९<br>११८ | ४१<br>८२<br>४ | १६७<br>२९४ | ०                | २०९<br>११८       | ४१<br>८२<br>४ | १६७<br>२९४ | ०                |
|         | आर्थिक विकास   | ३६०<br>६४० | ११९<br>०११ | २३<br>८०<br>२ | ९५२<br>०९  | ०                | ११९<br>०११ | २३<br>८०<br>२ | ९५२<br>०९  | ०                | ११९<br>०११       | २३<br>८०<br>२ | ९५२<br>०९  | ०                |
| १       | कृषि   | १५०<br>६४० | ४९७<br>११  | ९९<br>४२      | ३९७<br>६९  | ०                | ४९७<br>११  | ९९<br>४२      | ३९७<br>६९  | ०                | ४९७<br>११        | ९९<br>४२      | ३९७<br>६९  | ०                |
| १.      | माटोको परिक्षण फलफुल तथा नगदेबालि तथा खेतिको लागि (सुन्तला, केरा, कागती) | ४००        | १३२        | २६            | १०६        | ०                | १३२        | २६            | १०६        | ०                | १३२              | २६            | १०६        | ०                |
| २       | रैथाने वाली तथा विउविजनको संरक्षण तथा उत्पादन कार्यक्रम                  | २००        | ६६         | १३            | ५३         | ०                | ६६         | १३            | ५३         | ०                | ६६               | १३            | ५३         | ०                |
| ३       | मकै तथा धानको व्यवसायिक बीउ उत्पादन कार्यक्रम                            | ५००        | १६५        | ३३            | १३२        | ०                | १६५        | ३३            | १३२        | ०                | १६५              | ३३            | १३२        | ०                |
| ४       | कृषि तथा पशु विमा अनुदान कार्यक्रम                                       | १००        | ३३०        | ६६            | २६४        | ०                | ३३०        | ६६            | २६४        | ०                | ३३०              | ६६            | २६४        | ०                |
| ५       | फलफुल उत्पादनका लागि नर्सरी निर्माण                                      | ५४०        | १७८        | ३६            | १४३        | ०                | १७८        | ३६            | १४३        | ०                | १७८              | ३६            | १४३        | ०                |
| ६       | फलफुल तथा तरकारी पकेट क्षेत्र निर्माण                                    | १००        | ३३०        | ६६            | २६४        | ०                | ३३०        | ६६            | २६४        | ०                | ३३०              | ६६            | २६४        | ०                |
| ७       | तरकारी खेतिको लागि टनेल खेती   | ५००        | १६५        | ३३            | १३२        | ०                | १६५        | ३३            | १३२        | ०                | १६५              | ३३            | १३२        | ०                |
| ८       | अदुवा तथा बेसार खेतीको व्यवसायिक उत्पादनमा सहयोग ।                       | १००        | ३३०        | ६६            | २६४        | ०                | ३३०        | ६६            | २६४        | ०                | ३३०              | ६६            | २६४        | ०                |



|    |   |            |           |          |           |   |           |          |           |   |           |          |           |   |
|----|---|------------|-----------|----------|-----------|---|-----------|----------|-----------|---|-----------|----------|-----------|---|
| ९  | बमेमौसमी<br>तरकारी खेति   | १२०<br>००० | ३९६<br>०० | ७९<br>२० | ३१६<br>८० | ० | ३९६<br>०० | ७९<br>२० | ३१६<br>८० | ० | ३९६<br>०० | ७९<br>२० | ३१६<br>८० | ० |
| १० | तरकारी तथा<br>फलफुल संकलन<br>केन्द्र स्थापना  | ३००<br>०   | ९९०<br>०  | १९<br>८  | ७९२<br>०  | ० | ९९०<br>८  | १९<br>८  | ७९२<br>०  | ० | ९९०<br>८  | १९<br>८  | ७९२<br>०  | ० |
| ११ | गाउँपालिका<br>स्तरिय तरकारी<br>तथा फलफुल<br>सित भण्डारण   | २००<br>००  | ६६०<br>०  | १३<br>२० | ५२८<br>०  | ० | ६६०<br>०  | १३<br>२० | ५२८<br>०  | ० | ६६०<br>०  | १३<br>२० | ५२८<br>०  | ० |
| १२ | टिमुर, ओखर,<br>कागती, सुन्तला,<br>अमिलो, रिठा,<br>तेजपत्ताको<br>प्रवर्द्धन तथा<br>प्रशोधन                     | ५००        | १६५       | ३३       | १३२       | ० | १६५       | ३३       | १३२       | ० | १६५       | ३३       | १३२       | ० |
| १३ | नयाँ विउँविजन<br>केन्द्र स्थापना ।  | २००<br>०   | ६६०<br>०  | १३<br>२  | ५२८<br>०  | ० | ६६०<br>०  | १३<br>२  | ५२८<br>०  | ० | ६६०<br>०  | १३<br>२  | ५२८<br>०  | ० |
| २  | <b>पशुपालन</b>  | ५५०<br>०   | १८१<br>५  | ३६<br>३  | १४५<br>२  | ० | १८१<br>५  | ३६<br>३  | १४५<br>२  | ० | १८१<br>५  | ३६<br>३  | १४५<br>२  | ० |
| १  | उन्नत जातका<br>पशुपंक्षि कार्यक्रम<br>( बंगुर, पशुपंक्षी,<br>बाखा, कृखुरा,<br>चल्ला, भैसी )<br>संचालन गर्ने । | २००<br>०   | ६६०<br>०  | १३<br>२  | ५२८<br>०  | ० | ६६०<br>०  | १३<br>२  | ५२८<br>०  | ० | ६६०<br>०  | १३<br>२  | ५२८<br>०  | ० |
| २  | कृषि तथा<br>पशुपन्छीको विमा<br>कार्यक्रम ।  | ५००        | १६५       | ३३       | १३२       | ० | १६५       | ३३       | १३२       | ० | १६५       | ३३       | १३२       | ० |
| ३  | सरल थोपा<br>सिचाई<br>आयोजना ।   | ५००        | १६५       | ३३       | १३२       | ० | १६५       | ३३       | १३२       | ० | १६५       | ३३       | १३२       | ० |
| ४  | दुग्ध चिस्यान<br>केन्द्र स्थापना  | २००<br>०   | ६६०<br>०  | १३<br>२  | ५२८<br>०  | ० | ६६०<br>०  | १३<br>२  | ५२८<br>०  | ० | ६६०<br>०  | १३<br>२  | ५२८<br>०  | ० |
| ५  | व्यवसायिक माहुरी<br>पालन कार्यक्रम  | ५००        | १६५       | ३३       | १३२       | ० | १६५       | ३३       | १३२       | ० | १६५       | ३३       | १३२       | ० |
| ६  | <b>घरेलु तथा साना<br/>उद्योग, व्यापार</b>   | ९३०<br>०   | ३०६<br>९  | ६१<br>४  | २४५<br>५  | ० | ३०६<br>९  | ६१<br>४  | २४५<br>५  | ० | ३०६<br>९  | ६१<br>४  | २४५<br>५  | ० |
|    | खुल्ला हाट<br>बजारलाई<br>व्यवस्थापन   | २००        | ६६        | १३       | ५३        | ० | ६६        | १३       | ५३        | ० | ६६        | १३       | ५३        | ० |

|   |   |     |     |    |     |   |     |    |     |   |     |    |     |   |
|---|---|-----|-----|----|-----|---|-----|----|-----|---|-----|----|-----|---|
| २ | उद्यमीहरुका लागि<br>व्यवसायिक<br>योजना तयारीमा<br>सहयोग   | १०० | ३३  | ७  | २६  | ० | ३३  | ७  | २६  | ० | ३३  | ७  | २६  | ० |
| ३ | विदेश जाने<br>युवाहरुको लागि<br>सिपमालक<br>तालिमको  | ५०० | १६५ | ३३ | १३२ | ० | १६५ | ३३ | १३२ | ० | १६५ | ३३ | १३२ | ० |
| ४ | कृषि व्यवसाय<br>सम्बन्धी बैज्ञानिक<br>उपकरण सहित<br>कृषिमा<br>आधुनिककरण   | ५०० | १६५ | ३३ | १३२ | ० | १६५ | ३३ | १३२ | ० | १६५ | ३३ | १३२ | ० |
| ५ | मसलाजन्य उद्योग<br>तथा जडिवुटी<br>प्रसोधन   | १०० | ३३० | ६६ | २६४ | ० | ३३० | ६६ | २६४ | ० | ३३० | ६६ | २६४ | ० |
| ६ | साबुन तथा<br>अगरबत्ती सम्बन्धी<br>उद्योग संचालनका   | ५०० | १६५ | ३३ | १३२ | ० | १६५ | ३३ | १३२ | ० | १६५ | ३३ | १३२ | ० |
| ७ | सिलाई , कटाई<br>चोया,<br>निगालोसम्बन्धी,<br>मुडा बनाउने,<br>मिनिटेलर,<br>लघुउद्यम, सिन्की<br>तथा चाउचाउ,<br>तालिम ।   | ५०० | १६५ | ३३ | १३२ | ० | १६५ | ३३ | १३२ | ० | १६५ | ३३ | १३२ | ० |
| ८ | परम्परागत डोको,<br>नाम्लो, मान्द्रो<br>आदिको<br>व्यवसायिक<br>उत्पादन तथा<br>बजारीकरण<br>कार्यक्रम   | ५०० | १६५ | ३३ | १३२ | ० | १६५ | ३३ | १३२ | ० | १६५ | ३३ | १३२ | ० |
| ९ | कपी उद्योग,<br>साबुन, मिनिरल<br>वाटर, अगरबत्ति,<br>विभिन्न<br>जडिवुटीबाट<br>औषधी उत्पादन र<br>यस क्षेत्रमा<br>उत्पादित विभिन्न<br>फलफुलका जुस<br>उद्योग सञ्चालन | १०० | ३३० | ६६ | २६४ | ० | ३३० | ६६ | २६४ | ० | ३३० | ६६ | २६४ | ० |

|        |  |          |          |         |          |   |          |         |          |   |          |         |          |   |
|--------|--|----------|----------|---------|----------|---|----------|---------|----------|---|----------|---------|----------|---|
|        |  |          |          |         |          |   |          |         |          |   |          |         |          |   |
| ४      | पर्यटन विकास   | २८०<br>० | ९२४      | १८<br>५ | ७३९      | ० | ९२४      | १८<br>५ | ७३९      | ० | ९२४      | १८<br>५ | ७३९      | ० |
| ३      | पार्क तथा बालउद्यान निर्माण                                  | १००<br>० | ३३०      | ६६      | २६४      | ० | ३३०      | ६६      | २६४      | ० | ३३०      | ६६      | २६४      | ० |
| ४      | पिकनिक स्पोर्ट स्थापना ।                                     | ५००      | १६५      | ३३      | १३२      | ० | १६५      | ३३      | १३२      | ० | १६५      | ३३      | १३२      | ० |
| ६      | धार्मिक स्थलहरुको संरक्षण ।                                  | १००<br>० | ३३०      | ६६      | २६४      | ० | ३३०      | ६६      | २६४      | ० | ३३०      | ६६      | २६४      | ० |
| १<br>३ | सामुदायिक होमस्टे प्रवर्धन कार्यक्रम                         | ३००      | ९९       | २०      | ७९       | ० | ९९       | २०      | ७९       | ० | ९९       | २०      | ७९       | ० |
| ५      | बैङ्क, वित्तिय संस्था तथा सुरक्षित आप्रवासन                  | ५०५<br>० | १६६<br>७ | ३३<br>३ | १३३<br>३ | ० | १६६<br>७ | ३३<br>३ | १३३<br>३ | ० | १६६<br>७ | ३३<br>३ | १३३<br>३ | ० |
| १      | सम्पूर्ण कृषकहरुको कृषक सहकारी सञ्चालन                       | २५०      | ८३       | १७      | ६६       | ० | ८३       | १७      | ६६       | ० | ८३       | १७      | ६६       | ० |
| २      | आपतकालिन दुर्घटना , चोट पटकका लागि कोष स्थापना ।             | १००<br>० | ३३०      | ६६      | २६४      | ० | ३३०      | ६६      | २६४      | ० | ३३०      | ६६      | २६४      | ० |
| ३      | वित्तिय साक्षरता सम्बन्धी कक्षा संचालन                       | २५०<br>० | ८२५      | १६<br>५ | ६६०      | ० | ८२५      | १६<br>५ | ६६०      | ० | ८२५      | १६<br>५ | ६६०      | ० |
| ४      | सहकारीहरुको क्षमता विकास कार्यक्रम                           | ३००      | ९९       | २०      | ७९       | ० | ९९       | २०      | ७९       | ० | ९९       | २०      | ७९       | ० |
| ५      | सुरक्षित आप्रवासन र विप्रेषण सम्बन्धी क्षमता विकास कार्यक्रम | ५००      | १६५      | ३३      | १३२      | ० | १६५      | ३३      | १३२      | ० | १६५      | ३३      | १३२      | ० |

|    |   |            |           |          |           |   |           |          |           |   |           |          |           |   |
|----|---|------------|-----------|----------|-----------|---|-----------|----------|-----------|---|-----------|----------|-----------|---|
| ६  | बैदेशिक<br>रोजगारवाट<br>फर्किएका<br>युवाहरुलाई<br>उच्चमशिलता<br>विकास कार्यक्रम | ५००        | १६५       | ३३       | १३२       | ० | १६५       | ३३       | १३२       | ० | १६५       | ३३       | १३२       | ० |
| ६  | सिंचाई  | १८४<br>००० | ६०७<br>२० | १४<br>४  | ४८५<br>७६ | ० | ६०७<br>२० | १४<br>४  | ४८५<br>७६ | ० | ६०७<br>२० | १४<br>४  | ४८५<br>७६ | ० |
| १  | उनवाङ्ग गरीन<br>खोला बैपल डाँडा<br>लिफ्टीडट सिचाई<br>योजना                      | ४००<br>०   | १३२<br>०  | २६<br>४  | १०५<br>६  | ० | १३२<br>०  | २६<br>४  | १०५<br>६  | ० | १३२<br>०  | २६<br>४  | १०५<br>६  | ० |
| २  | स्यानोबारीदेखि<br>गोरनेटा सिंचाई  | ३००<br>०   | ९९०       | ८        | ७९२       | ० | ९९०       | ८        | ७९२       | ० | ९९०       | ८        | ७९२       | ० |
| ३  | ढोरवाङ्ग खोला<br>खाल टाकुरा<br>सिचाई योजना                                      | ४००<br>०   | १३२<br>०  | २६<br>४  | १०५<br>६  | ० | १३२<br>०  | २६<br>४  | १०५<br>६  | ० | १३२<br>०  | २६<br>४  | १०५<br>६  | ० |
| ४  | बाँजबोट सिचाई<br>टंकी निर्माण   | २५०<br>०   | ८२५       | ५        | ६६०       | ० | ८२५       | ५        | ६६०       | ० | ८२५       | ५        | ६६०       | ० |
| ५  | पनेरी खोला<br>सिचाई टंकी<br>पाईप लाईन<br>विस्तार                                | १००<br>०   | ३३०       | ६६       | २६४       | ० | ३३०       | ६६       | २६४       | ० | ३३०       | ६६       | २६४       | ० |
| ६  | देब्रेर खोला लापु<br>लिफ्टीड  | २००<br>००  | ६६०<br>०  | १३<br>२० | ५२८<br>०  | ० | ६६०<br>०  | १३<br>२० | ५२८<br>०  | ० | ६६०<br>०  | १३<br>२० | ५२८<br>०  | ० |
| ७  | सिसर्नरी खोला<br>खामागोर लिफ्टीड<br>सिचाई                                       | २५०<br>००  | ८२५<br>०  | १६<br>५० | ६६०<br>०  | ० | ८२५<br>०  | १६<br>५० | ६६०<br>०  | ० | ८२५<br>०  | १६<br>५० | ६६०<br>०  | ० |
| ८  | दोवरी पुतली बाँस<br>ट्यांकी पाईप<br>विस्तार                                     | ५००        | १६५       | ३३       | १३२       | ० | १६५       | ३३       | १३२       | ० | १६५       | ३३       | १३२       | ० |
| ९  | दुले ओडार<br>लाम्पोखरा<br>लिफ्टीड सिचाई   | २५०<br>००  | ८२५<br>०  | १६<br>५० | ६६०<br>०  | ० | ८२५<br>०  | १६<br>५० | ६६०<br>०  | ० | ८२५<br>०  | १६<br>५० | ६६०<br>०  | ० |
| १० | दद्रेन देखि<br>गुनखुली सडक<br>विस्तार   | १००<br>०   | ३३०       | ६६       | २६४       | ० | ३३०       | ६६       | २६४       | ० | ३३०       | ६६       | २६४       | ० |
| ११ | डडरेन देखी<br>लाम्पोखरा<br>खानेपानी   | ५००        | १६५       | ३३       | १३२       | ० | १६५       | ३३       | १३२       | ० | १६५       | ३३       | १३२       | ० |

|        |   |          |          |         |          |   |          |         |          |   |          |         |          |   |
|--------|---|----------|----------|---------|----------|---|----------|---------|----------|---|----------|---------|----------|---|
| १<br>२ | ढनठाने खोला<br>पेदिखोला सम्म<br>सिचाई कुलो  | ५००<br>० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० | ० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० | ० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० | ० |
| १<br>३ | करंगे ढुंग सिल्के<br>खोला सिचाई<br>कुलो   | ३५०<br>० | ११५<br>५ | २३<br>१ | ९२४<br>० | ० | ११५<br>५ | २३<br>१ | ९२४<br>० | ० | ११५<br>५ | २३<br>१ | ९२४<br>० | ० |
| १<br>४ | मुसे खोला<br>माथिल्लो सिचाई<br>नहर निर्माण  | ३५०<br>० | ११५<br>५ | २३<br>१ | ९२४<br>० | ० | ११५<br>५ | २३<br>१ | ९२४<br>० | ० | ११५<br>५ | २३<br>१ | ९२४<br>० | ० |
| १<br>५ | मुसे खोला तल्लो<br>सिचाई कुलो<br>निर्माण  | ४००<br>० | १३२<br>० | २६<br>४ | १०५<br>६ | ० | १३२<br>० | २६<br>४ | १०५<br>६ | ० | १३२<br>० | २६<br>४ | १०५<br>६ | ० |
| १<br>६ | पुल्लीवास<br>दहखोला सिचाई<br>कुलो   | ५००<br>० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० | ० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० | ० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० | ० |
| १<br>७ | काउले खोला<br>गोगने खोला<br>सिचाई नहर   | २००<br>० | ६६०<br>० | १३<br>२ | ५२८<br>० | ० | ६६०<br>० | १३<br>२ | ५२८<br>० | ० | ६६०<br>० | १३<br>२ | ५२८<br>० | ० |
| १<br>८ | गरवांग दहखोला<br>तेलालीसम्म<br>सिचाई कुलो   | २००<br>० | ६६०<br>० | १३<br>२ | ५२८<br>० | ० | ६६०<br>० | १३<br>२ | ५२८<br>० | ० | ६६०<br>० | १३<br>२ | ५२८<br>० | ० |
| १<br>९ | रिठाबोट<br>जाम्नेभिला<br>मुसेखोला सिचाई<br>कुलो   | ८००<br>० | २६४<br>० | ५२<br>८ | २११<br>२ | ० | २६४<br>० | ५२<br>८ | २११<br>२ | ० | २६४<br>० | ५२<br>८ | २११<br>२ | ० |
| २<br>० | हालसम्म सिचाई<br>कुलोको लम्बाई<br>२१०० मि. छ<br>अब ५ वर्षमा अरु<br>३००० मि. थप<br>गर्नु पर्ने । | ३००<br>० | ९९०<br>० | १९<br>८ | ७९२<br>० | ० | ९९०<br>० | १९<br>८ | ७९२<br>० | ० | ९९०<br>० | १९<br>८ | ७९२<br>० | ० |
| २<br>१ | सिचाई पोखरी<br>निर्माण विभिन्न<br>स्थानहरुमा  | ४००<br>० | १३२<br>० | २६<br>४ | १०५<br>६ | ० | १३२<br>० | २६<br>४ | १०५<br>६ | ० | १३२<br>० | २६<br>४ | १०५<br>६ | ० |
| २<br>२ | टेकेन खोला<br>जलुके नहर ७००<br>मि.  | २००<br>० | ६६०<br>० | १३<br>२ | ५२८<br>० | ० | ६६०<br>० | १३<br>२ | ५२८<br>० | ० | ६६०<br>० | १३<br>२ | ५२८<br>० | ० |
| २<br>३ | दमारखोला<br>मसानघाट सा.व.<br>को भवन सम्म<br>सिचाई योजना<br>२००० मि.                             | ५००<br>० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० | ० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० | ० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० | ० |
| २<br>४ | चंखेनी टप्पा<br>बोडीबासा नहर  | ५००<br>० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० | ० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० | ० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० | ० |

|        |   |          |          |         |          |          |         |          |          |         |          |  |  |
|--------|---|----------|----------|---------|----------|----------|---------|----------|----------|---------|----------|--|--|
|        | योजना २००० मि.  |          |          |         |          |          |         |          |          |         |          |  |  |
| २<br>५ | जराधारमुनी देखि मसानघाट नहर योजना ( १००० मि.) ठ   | २५०<br>० | ८२५      | १६<br>५ | ६६०<br>० | ८२५      | १६<br>५ | ६६०<br>० | ८२५      | १६<br>५ | ६६०<br>० |  |  |
| २<br>६ | चोरखोला रबुंग सिचाई पाईपलाईन तथा रिजर्भ टंकी निर्माण योजना ( ३५०० मि.)  | ४००<br>० | १३२<br>० | २६<br>४ | १०५<br>६ | १३२<br>० | २६<br>४ | १०५<br>६ | १३२<br>० | २६<br>४ | १०५<br>६ |  |  |
| २<br>७ | घागे खोला चागेटोल रिजर्भ सिचाई पाईपलाईन र टंकी निर्माण योजना ( १५०० मि.)  | २५०<br>० | ८२५      | १६<br>५ | ६६०<br>० | ८२५      | १६<br>५ | ६६०<br>० | ८२५      | १६<br>५ | ६६०<br>० |  |  |
| २<br>८ | किमुचौरको लेख भनवांगको लेख र गाउँपालिकाको लेख मा ठुलाठुला पोखरी निर्माण गरेर वर्षातको पानी जम्मा पारेर सिचाईको व्यवस्था मिलाउने । | ३००<br>० | ९९०      | १९<br>८ | ७९२<br>० | ९९०      | १९<br>८ | ७९२<br>० | ९९०      | १९<br>८ | ७९२<br>० |  |  |
| २<br>९ | उत्तर तर्फका बस्तीमा सिचाईको लागि पोखरी तथा टंकी निर्माण ।  | ४००<br>० | १३२<br>० | २६<br>४ | १०५<br>६ | १३२<br>० | २६<br>४ | १०५<br>६ | १३२<br>० | २६<br>४ | १०५<br>६ |  |  |
| ३<br>० | समग्र ४ नं. वडाको खेतको लागि पक्की कुलोको निर्माण गर्ने ।   | २००<br>० | ६६०      | १३<br>२ | ५२८<br>० | ६६०      | १३<br>२ | ५२८<br>० | ६६०      | १३<br>२ | ५२८<br>० |  |  |
| ३<br>१ | किमुचौर, धनवांग र गाडापानीमा खोलाको पानी लिफ्ट, सिस्टमबाट माथी  | ५००<br>० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० |  |  |

|    |  |          |          |         |          |   |          |         |          |     |          |          |          |    |   |
|----|--|----------|----------|---------|----------|---|----------|---------|----------|-----|----------|----------|----------|----|---|
|    | फालेर सिचाइको व्यवस्था मिलाउने ।   |          |          |         |          |   |          |         |          |     |          |          |          |    |   |
| ३२ | एक घर एक सिचाइ टंकीको निर्माण गर्ने ।                                    | ५००<br>० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० |   | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० | ०   | १६५<br>० | ३३<br>०  | १३२<br>० | ०  |   |
| ३३ | सिचाई सम्बन्धित मेसिनहरु कृषकहरुलाई विशेष अनुदानको व्यवस्था गर्नुपर्ने । | २५०<br>० |          | १६<br>५ | ६६०<br>० |   | ८२५      | १६<br>५ | ६६०<br>० | ८२५ | १६<br>५  | ६६०<br>० |          |    |   |
| ३४ | सातामुल सललबोट सिचाई आयोजना  | ४००<br>० | १३२<br>० | २६<br>४ | १०५<br>६ |   | १३२<br>० | २६<br>४ | १०५<br>६ | ०   | १३२<br>० | २६<br>४  | १०५<br>६ | ०  |   |
| ३५ | बाह्र मुल डाँडागाउँ सिचाई योजना  | २५०<br>० |          | १६<br>५ | ६६०<br>० |   | ८२५      | १६<br>५ | ६६०<br>० | ८२५ | १६<br>५  | ६६०<br>० |          |    |   |
| ३६ | काउले खोला , खोली गाउँ सिचाइ योजना                                       | २००<br>० |          | १३<br>२ | ५२८<br>० |   | ६६०      | १३<br>२ | ५२८<br>० | ६६० | १३<br>२  | ५२८<br>० |          |    |   |
| ३७ | गौरेखोला सिवांग पोखडाँडा लिफ्टींग सिचाइ आयोजना                           | २५०<br>० |          | १६<br>५ | ६६०<br>० |   | ८२५      | १६<br>५ | ६६०<br>० | ८२५ | १६<br>५  | ६६०<br>० |          |    |   |
| ३८ | वडा नं ६ भरी सिचाई कुलो निर्माण गर्ने ।                                  | ४००<br>० | १३२<br>० | २६<br>४ | १०५<br>६ |   | १३२<br>० | २६<br>४ | १०५<br>६ | ०   | १३२<br>० | २६<br>४  | १०५<br>६ | ०  |   |
| ७  | <b>वन व्यवस्थापन</b>   | ३३५<br>० | ११०<br>६ | २२<br>१ | ८८४<br>० |   | ११०<br>६ | २२<br>१ | ८८४<br>० | ०   | ११०<br>६ | २२<br>१  | ८८४<br>० | ०  |   |
|    | सामुदायिक वनका पदाधिकारीलाई वित्तिय व्यवस्थापन सम्बन्धी तालिम ।          | १००      | ३३       | ७       | २६       | ० |          | ३३      | ७        | २६  | ०        | ३३       | ७        | २६ | ० |
|    | आगलागि नियन्त्रण सामग्री खरिद तथा सचेतना कार्यक्रम                       | ५००      | १६५      | ३३      | १३२      | ० | १६५      | ३३      | १३२      | ०   | १६५      | ३३       | १३२      | ०  |   |
|    | सामुदायिक वनहरुको प्राथमिकताका आधारमा वनका                               | ५००      | १६५      | ३३      | १३२      | ० | १६५      | ३३      | १३२      | ०   | १६५      | ३३       | १३२      | ०  |   |

|   |                                    |  |                          |                         |                        |                         |          |                         |                        |                         |          |                         |                        |                         |          |
|---|------------------------------------|--|--------------------------|-------------------------|------------------------|-------------------------|----------|-------------------------|------------------------|-------------------------|----------|-------------------------|------------------------|-------------------------|----------|
|   |                                    | विकास<br>कार्ययोजना तयार<br>गर्ने ।  |                          |                         |                        |                         |          |                         |                        |                         |          |                         |                        |                         |          |
|   |                                    | सामुदायिक वनको<br>श्रोत नक्सांकन<br>गरी सबै<br>सामुदायिक वनमा<br>लाग्न सक्ने<br>कम्तीमा ५ वटा<br>उच्चमूल्य , बहु<br>बाली पहिचान<br>गर्ने । | ५०                       | १७                      | ३                      | १३                      | ०        | १७                      | ३                      | १३                      | ०        | १७                      | ३                      | १३                      | ०        |
|   |                                    | वनमा आधारित<br>लघुउद्यम<br>संचालन  | २००                      | ६६                      | १३                     | ५३                      | ०        | ६६                      | १३                     | ५३                      | ०        | ६६                      | १३                     | ५३                      | ०        |
|   |                                    | नर्सरीको स्थापना<br>तथा वृक्षारोपण   | ५००                      | १६५                     | ३३                     | १३२                     | ०        | १६५                     | ३३                     | १३२                     | ०        | १६५                     | ३३                     | १३२                     | ०        |
|   |                                    | डाले घाँस प्रवर्द्धन<br>कार्यक्रम ।  | ५००                      | १६५                     | ३३                     | १३२                     | ०        | १६५                     | ३३                     | १३२                     | ०        | १६५                     | ३३                     | १३२                     | ०        |
|   |                                    | जडिबुटिको<br>संरक्षण गर्ने ।   | ५००                      | १६५                     | ३३                     | १३२                     | ०        | १६५                     | ३३                     | १३२                     | ०        | १६५                     | ३३                     | १३२                     | ०        |
| १ |                                    | वृक्षा रोपण तथा<br>घेरवार  | ५००                      | १६५                     | ३३                     | १३२                     | ०        | १६५                     | ३३                     | १३२                     | ०        | १६५                     | ३३                     | १३२                     | ०        |
|   |                                    | <b>सामाजिक विकास</b>   | <b>१२९</b><br><b>६००</b> | <b>४२७</b><br><b>६८</b> | <b>८५</b><br><b>५४</b> | <b>३४२</b><br><b>१४</b> | <b>०</b> | <b>४२७</b><br><b>६८</b> | <b>८५</b><br><b>५४</b> | <b>३४२</b><br><b>१४</b> | <b>०</b> | <b>४२७</b><br><b>६८</b> | <b>८५</b><br><b>५४</b> | <b>३४२</b><br><b>१४</b> | <b>०</b> |
| १ |                                    | <b>शिक्षा</b>  | <b>७३०</b><br><b>०</b>   | <b>२४०</b><br><b>९</b>  | <b>४८</b><br><b>२</b>  | <b>१९२</b><br><b>७</b>  | <b>०</b> | <b>२४०</b><br><b>९</b>  | <b>४८</b><br><b>२</b>  | <b>१९२</b><br><b>७</b>  | <b>०</b> | <b>२४०</b><br><b>९</b>  | <b>४८</b><br><b>२</b>  | <b>१९२</b><br><b>७</b>  | <b>०</b> |
| १ |                                    | विद्यालयमा<br>विद्युत विस्तार ।  | १६०<br>०                 | ५२८                     | १०<br>६                | ४२२                     | ०        | ५२८                     | १०<br>६                | ४२२                     | ०        | ५२८                     | १०<br>६                | ४२२                     | ०        |
| २ | <b>सामा<br/>जिक<br/>विका<br/>स</b> | विद्यालयमा<br>शौचालयको<br>व्यवस्था   | १००<br>०                 | ३३०                     | ६६                     | २६४                     | ०        | ३३०                     | ६६                     | २६४                     | ०        | ३३०                     | ६६                     | २६४                     | ०        |
| ३ |                                    | विद्यालयमा<br>प्रविधिको प्रयोग   | ८००                      | २६४                     | ५३                     | २११                     | ०        | २६४                     | ५३                     | २११                     | ०        | २६४                     | ५३                     | २११                     | ०        |
| ४ |                                    | विद्यालयमा<br>फर्निचरको<br>व्यवस्थापन गर्ने(<br>कालिका र<br>मुलपानी विद्यालय<br>)  | ७००                      | २३१                     | ४६                     | १८५                     | ०        | २३१                     | ४६                     | १८५                     | ०        | २३१                     | ४६                     | १८५                     | ०        |



|    |   |           |          |          |          |   |          |          |          |   |          |          |          |   |
|----|---|-----------|----------|----------|----------|---|----------|----------|----------|---|----------|----------|----------|---|
| ८  | विद्यालयमा शुद्ध खानेपानी तथा सरसफाईको व्यवस्थापन               | १००<br>०  | ३३०      | ६६       | २६४      | ० | ३३०      | ६६       | २६४      | ० | ३३०      | ६६       | २६४      | ० |
| ९  | अपाङ्ग, महिला, बालबालिका मैत्री भौतिक संरचना निर्माण            | २००<br>०  | ६६०      | १३२      | ५२८      | ० | ६६०      | १३२      | ५२८      | ० | ६६०      | १३२      | ५२८      | ० |
| १० | बालमैत्री स्थानीय साशन कार्यक्रम                                | २००       | ६६       | १३       | ५३       | ० | ६६       | १३       | ५३       | ० | ६६       | १३       | ५३       | ० |
| २  | स्वास्थ्य तथा पोषण  | १९०<br>०० | ६२७<br>० | १२५<br>४ | ५०९<br>६ | ० | ६२७<br>० | १२५<br>४ | ५०९<br>६ | ० | ६२७<br>० | १२५<br>४ | ५०९<br>६ | ० |
| १  | स्वास्थ्यकर्मी स्वयम् सेविका क्षमता अभिवृद्धि कार्यक्रम         | ३००       | ९९       | २०       | ७९       | ० | ९९       | २०       | ७९       | ० | ९९       | २०       | ७९       | ० |
| २  | स्वास्थ्य चौकीमा पुर्वाधार विकास                                | ५००<br>०  | १६५<br>० | ३३<br>०  | १३२<br>० | ० | १६५<br>० | ३३<br>०  | १३२<br>० | ० | १६५<br>० | ३३<br>०  | १३२<br>० | ० |
| ३  | स्वास्थ्य चौकीमा न्युनतम स्वास्थ्य सुविधाको व्यवस्थापन          | २००<br>०  | ६६०      | १३२      | ५२८      | ० | ६६०      | १३२      | ५२८      | ० | ६६०      | १३२      | ५२८      | ० |
| ४  | स्वास्थ्य संस्थामा आवश्यक औषधि तथा सामग्री व्यवस्थापन कार्यक्रम | २००<br>०  | ६६०      | १३२      | ५२८      | ० | ६६०      | १३२      | ५२८      | ० | ६६०      | १३२      | ५२८      | ० |
| ५  | नसर्ने रोगको नियन्त्रण तथा व्यवस्थापन कार्यक्रम                 | १५०<br>०  | ४९५      | ९९       | ३९६      | ० | ४९५      | ९९       | ३९६      | ० | ४९५      | ९९       | ३९६      | ० |
| ६  | विमा कार्यक्रम स्वास्थ्य चौकीसम्म विस्तार                       | २००<br>०  | ६६०      | १३२      | ५२८      | ० | ६६०      | १३२      | ५२८      | ० | ६६०      | १३२      | ५२८      | ० |
| ८  | स्वास्थ्य एवं पोषण सहयोग तथा सचेतना कार्यक्रम                   | ५००       | १६५      | ३३       | १३२      | ० | १६५      | ३३       | १३२      | ० | १६५      | ३३       | १३२      | ० |
| ९  | स्वास्थ्य चौकीमा प्रयोगशाला स्थापना                             | ५००       | १६५      | ३३       | १३२      | ० | १६५      | ३३       | १३२      | ० | १६५      | ३३       | १३२      | ० |

|        |   |           |           |          |           |   |           |          |           |   |           |          |           |   |
|--------|---|-----------|-----------|----------|-----------|---|-----------|----------|-----------|---|-----------|----------|-----------|---|
| १<br>२ | दिर्घ रोगीका<br>लागि निशुल्क<br>स्वस्थ्य सेवा<br>कार्यक्रम ।      | २००       | ६६        | १३       | ५३        | ० | ६६        | १३       | ५३        | ० | ६६        | १३       | ५३        | ० |
| १<br>३ | जेष्ठ नागरिक<br>स्वस्थ्य सेवा<br>कार्यक्रम ।                      | ५००       | १६५       | ३३       | १३२       | ० | १६५       | ३३       | १३२       | ० | १६५       | ३३       | १३२       | ० |
| ३      | <b>खानेपानी तथा<br/>सरसफाइ</b>                                    | ८२७<br>०० | २७२<br>९१ | ५४<br>५८ | २१८<br>३३ | ० | २७२<br>९१ | ५४<br>५८ | २१८<br>३३ | ० | २७२<br>९१ | ५४<br>५८ | २१८<br>३३ | ० |
| १      | खानेपानिको<br>सुविधा नपुगेको<br>घरधुरीमा एक घर<br>एक धारा निर्माण | ५००       | १६५       | ३३       | १३२       | ० | १६५       | ३३       | १३२       | ० | १६५       | ३३       | १३२       | ० |
| ३      | फोहर सङ्कलन<br>तथा व्यवस्थापन<br>कार्यक्रम                        | १००       | ३३०       | ६६       | २६४       | ० | ३३०       | ६६       | २६४       | ० | ३३०       | ६६       | २६४       | ० |
|        | कालापात्ला लिष्ट<br>खानेपानी योजना                                | ४००       | १३२       | २६       | १०५       | ० | १३२       | २६       | १०५       | ० | १३२       | २६       | १०५       | ० |
|        | बगरखोला<br>भुन्टेटाकुरा<br>खानेपानी योजना                         | २००       | ६६०       | २        | ५२८       | ० | ६६०       | २        | ५२८       | ० | ६६०       | २        | ५२८       | ० |
|        | छापटोल<br>खानेपानी योजना  | ५००       | १६५       | ३३       | १३२       | ० | १६५       | ३३       | १३२       | ० | १६५       | ३३       | १३२       | ० |
|        | डुमई खोला गट्टे<br>टाकुरा खानेपानी<br>योजना                       | ५००       | १६५       | ३३       | १३२       | ० | १६५       | ३३       | १३२       | ० | १६५       | ३३       | १३२       | ० |
|        | बाहुन पनेरा<br>खानेपानी योजना                                     | १००       | ३३०       | ६६       | २६४       | ० | ३३०       | ६६       | २६४       | ० | ३३०       | ६६       | २६४       | ० |
|        | खामागारे<br>खानेपानी टंकी<br>निर्माण                              | ६००       | १९८       | ३९       | १५८       | ० | १९८       | ३९       | १५८       | ० | १९८       | ३९       | १५८       | ० |
|        | सिलेखोला<br>खानेपानी योजना  | ५००       | १६५       | ३३       | १३२       | ० | १६५       | ३३       | १३२       | ० | १६५       | ३३       | १३२       | ० |
|        | साँरा जुदे<br>खानेपानी योजना                                      | ५००       | १६५       | ३३       | १३२       | ० | १६५       | ३३       | १३२       | ० | १६५       | ३३       | १३२       | ० |
|        | पानीगैरा लापु<br>लाम्पोख खानेपानी<br>योजना                        | १५०       | ४९५       | ९९       | ३९६       | ० | ४९५       | ९९       | ३९६       | ० | ४९५       | ९९       | ३९६       | ० |
|        | बिरेन्द्र मा.वि.<br>खानेपानी                                      | ५००       | १६५       | ३३       | १३२       | ० | १६५       | ३३       | १३२       | ० | १६५       | ३३       | १३२       | ० |

|   |   |           |          |         |          |          |         |          |   |          |         |          |   |
|---|---|-----------|----------|---------|----------|----------|---------|----------|---|----------|---------|----------|---|
|   | गोठिवन ( भुतखोला )<br>खानेपानी पुनः<br>निर्माण ( २०५२<br>साल पुरानो             | ५००<br>०  | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० | ० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० | ० |
|   | दानवाड खानेपानी<br>निर्माण (भकम,<br>दानवाड ) पुनः<br>निर्माण २०५०<br>साल पुरानो | ५००<br>०  | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० | ० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० | ० |
|   | सल्लेरी गोष्वित<br>खानेपानी<br>प्रस्तावित निर्माण                               | ६००<br>०  | १९८<br>० | ३९<br>६ | १५८<br>४ | १९८<br>० | ३९<br>६ | १५८<br>४ | ० | १९८<br>० | ३९<br>६ | १५८<br>४ | ० |
|   | सिवाड खानेपानी  | ५००<br>०  | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० | ० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० | ० |
|   | भुतखोला गर्पा<br>खानेपानी लिफ्ट<br>र टंकी थप गर्ने                              | १००<br>०० | ३३०<br>० | ६६<br>० | २६४<br>० | ३३०<br>० | ६६<br>० | २६४<br>० | ० | ३३०<br>० | ६६<br>० | २६४<br>० | ० |
|   | सरसफाई<br>सम्बन्धी<br>जनचेतनामूलक<br>कार्यक्रम<br>सञ्चालन गर्ने ।               | २००       | ६६       | १३      | ५३       | ६६       | १३      | ५३       | ० | ६६       | १३      | ५३       | ० |
|   | पातेखोला<br>छायमाल<br>खानेपानी निर्माण<br>गर्ने ।                               | ५००<br>०  | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० | ० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० | ० |
|   | वडा नं. ६ का<br>विभिन्न स्थानमा<br>खानेपानि<br>आयोजना<br>संचालन                 | १००<br>०० | ३३०<br>० | ६६<br>० | २६४<br>० | ३३०<br>० | ६६<br>० | २६४<br>० | ० | ३३०<br>० | ६६<br>० | २६४<br>० | ० |
| ४ | युवा तथा खेलकुद<br>विकास  | १२८<br>०० | ४२२<br>४ | ८४<br>५ | ३३७<br>९ | ४२२<br>४ | ८४<br>५ | ३३७<br>९ | ० | ४२२<br>४ | ८४<br>५ | ३३७<br>९ | ० |
| १ | खेल मैदान<br>निर्माण  | १००<br>०  | ३३०<br>० | ६६<br>० | २६४<br>० | ३३०<br>० | ६६<br>० | २६४<br>० | ० | ३३०<br>० | ६६<br>० | २६४<br>० | ० |
| २ | युवा दुर्व्यसनी<br>निरुत्साहित<br>कार्यक्रम                                     | ५००       | १६५      | ३३      | १३२      | १६५      | ३३      | १३२      | ० | १६५      | ३३      | १३२      | ० |
| ३ | पालिका स्तरीय<br>कभर्डहल निर्माण<br>गर्ने                                       | १००<br>०० | ३३०<br>० | ६६<br>० | २६४<br>० | ३३०<br>० | ६६<br>० | २६४<br>० | ० | ३३०<br>० | ६६<br>० | २६४<br>० | ० |

|   |  |          |          |         |          |   |          |         |          |   |          |         |          |   |
|---|--|----------|----------|---------|----------|---|----------|---------|----------|---|----------|---------|----------|---|
| ४ | प्रतियोगितात्मक खेलकुद कार्यक्रम                               | १००<br>० | ३३०      | ६६      | २६४      | ० | ३३०      | ६६      | २६४      | ० | ३३०      | ६६      | २६४      | ० |
| ५ | खेलाडी प्रोत्साहन कार्यक्रम                                    | २५०      | ८३       | १७      | ६६       | ० | ८३       | १७      | ६६       | ० | ८३       | १७      | ६६       | ० |
| ६ | हिंसा न्यूनीकरणमा युवा परिचालन कार्यक्रम                       | ५०       | १७       | ३       | १३       | ० | १७       | ३       | १३       | ० | १७       | ३       | १३       | ० |
| ५ | लैससास   | ३५५<br>० | ११७<br>२ | २३<br>४ | ९३७      | ० | ११७<br>२ | २३<br>४ | ९३७      | ० | ११७<br>२ | २३<br>४ | ९३७      | ० |
| १ | लैससास नीति निर्माण  | ५००      | १६५      | ३३      | १३२      | ० | १६५      | ३३      | १३२      | ० | १६५      | ३३      | १३२      | ० |
| ३ | एक महिला एक सिप , एक घर एक आय कार्यक्रम संचालन                 | ५००      | १६५      | ३३      | १३२      | ० | १६५      | ३३      | १३२      | ० | १६५      | ३३      | १३२      | ० |
| ४ | आर्थिक रुपमा विपन्न परिवारका बालबालिका लागि कार्यक्रम सञ्चालन  | २५०      | ८३       | १७      | ६६       | ० | ८३       | १७      | ६६       | ० | ८३       | १७      | ६६       | ० |
| ५ | लैंगिक हिंसा मुक्त विभिन्न कार्यक्रम संचालन                    | ५००      | १६५      | ३३      | १३२      | ० | १६५      | ३३      | १३२      | ० | १६५      | ३३      | १३२      | ० |
| ६ | बालविवाह न्यूनीकरणका लागि किशोरी लक्षित विशेष कार्यक्रम संचालन | ५००      | १६५      | ३३      | १३२      | ० | १६५      | ३३      | १३२      | ० | १६५      | ३३      | १३२      | ० |
| ७ | विपन्न समुदाय लक्षित उत्पादनमा आधारित कृषि अनुदान कार्यक्रम    | ५००      | १६५      | ३३      | १३२      | ० | १६५      | ३३      | १३२      | ० | १६५      | ३३      | १३२      | ० |
| ८ | महिला नेतृत्व विकास कार्यक्रम                                  | ५००      | १६५      | ३३      | १३२      | ० | १६५      | ३३      | १३२      | ० | १६५      | ३३      | १३२      | ० |
| ९ | दलित वर्गको सीपलाई व्यवसायिकरण कार्यक्रम संचालन                | ३००      | ९९       | २०      | ७९       | ० | ९९       | २०      | ७९       | ० | ९९       | २०      | ७९       | ० |
| ६ | भाषा, संस्कृति, कला तथा साहित्य                                | ४२५<br>० | १४०<br>३ | २८<br>१ | ११२<br>२ | ० | १४०<br>३ | २८<br>१ | ११२<br>२ | ० | १४०<br>३ | २८<br>१ | ११२<br>२ | ० |

|                        |                                |  |                          |            |           |            |          |            |           |            |          |            |           |            |     |
|------------------------|--------------------------------|--|--------------------------|------------|-----------|------------|----------|------------|-----------|------------|----------|------------|-----------|------------|-----|
| १                      |                                | लोप हुन लागेको सोरठी, मारुनी, लाखे, पैसरी डाडी भाका , कठेउरी आदि संरक्षण | ९००                      | २९७        | ५९        | २३८        | ०        | २९७        | ५९        | २३८        | ०        |            |           |            |     |
| २                      |                                | वडामा लाग्ने मेला, जात्रा आदिलाई व्यवस्थित गर्ने ।                       | ६००                      | १९८        | ४०        | १५८        | ०        | १९८        | ४०        | १५८        | ०        |            |           |            |     |
| ४                      |                                | मगर भाषा उत्थानको लागि स्थानीय पाठ्यक्रममा मगर भाषा पठन पाठन गराउने ।    | १००                      | ३३०        | ६६        | २६४        | ०        | ३३०        | ६६        | २६४        | ०        |            |           |            |     |
| ५                      |                                | सोरठी दमारे नाच संरक्षण  | २५०                      | ८३         | १७        | ६६         | ०        | ८३         | १७        | ६६         | ०        |            |           |            |     |
| ६                      |                                | साँस्कृतिक विकासका लागि सामाग्री   | २५०                      | ८३         | १७        | ६६         | ०        | ८३         | १७        | ६६         | ०        |            |           |            |     |
| ६                      |                                | साँस्कृतिक विकासका लागि सामाग्री   | २५०                      | ८३         | १७        | ६६         | ०        | ८३         | १७        | ६६         | ०        |            |           |            |     |
| ७                      |                                | कलाघर निर्माण  | १००                      | ३३०        | ६६        | २६४        | ०        | ३३०        | ६६        | २६४        | ०        |            |           |            |     |
| <b>पूर्वाधार विकास</b> |                                |  | <b>११५</b>               | <b>३८०</b> | <b>७६</b> | <b>३०४</b> |          | <b>३८०</b> | <b>७६</b> | <b>३०४</b> |          | <b>३८०</b> | <b>७६</b> | <b>३०४</b> |     |
|                        |                                |  | <b>३००</b>               | <b>४९</b>  | <b>१०</b> | <b>३९</b>  | <b>०</b> | <b>४९</b>  | <b>१०</b> | <b>३९</b>  | <b>०</b> | <b>४९</b>  | <b>१०</b> | <b>३९</b>  |     |
| १                      | <b>भौतिक पूर्वाधार निर्माण</b> | <b>सडक तथा यातायात विकास</b>   | <b>८६०</b>               | <b>२८३</b> | <b>५६</b> | <b>२२७</b> |          | <b>२८३</b> | <b>५६</b> | <b>२२७</b> |          | <b>२८३</b> | <b>५६</b> | <b>२२७</b> |     |
|                        |                                |  | <b>००</b>                | <b>८०</b>  | <b>७६</b> | <b>०४</b>  | <b>०</b> | <b>८०</b>  | <b>७६</b> | <b>०४</b>  | <b>०</b> | <b>८०</b>  | <b>७६</b> | <b>०४</b>  |     |
| १                      |                                |  | कालापातला भित्रिखोला सडक | १००        | ३३०       | ६६         | २६४      | ०          | ३३०       | ६६         | २६४      | ०          | ३३०       | ६६         | २६४ |
| २                      |                                |  | वडा नं. १ सडक मर्मत      | १००        | ३३०       | ६६         | २६४      | ०          | ३३०       | ६६         | २६४      | ०          | ३३०       | ६६         | २६४ |
| ३                      |                                |  | जुगेपानी खस्पुरी सडक     | २००        | ६६०       | १३         | ५२८      | ०          | ६६०       | १३         | ५२८      | ०          | ६६०       | १३         | ५२८ |
|                        |                                |  | <b>०</b>                 | <b>६६०</b> | <b>२</b>  | <b>५२८</b> | <b>०</b> | <b>६६०</b> | <b>२</b>  | <b>५२८</b> | <b>०</b> | <b>६६०</b> | <b>२</b>  | <b>५२८</b> |     |
| ४                      |                                | कार्की गाउँ बगरखोला सडक  | ४००                      | १३२        | २६        | १०५        | ०        | १३२        | २६        | १०५        | ०        | १३२        | २६        | १०५        |     |
|                        |                                |  | <b>०</b>                 | <b>०</b>   | <b>४</b>  | <b>६</b>   | <b>०</b> | <b>०</b>   | <b>४</b>  | <b>६</b>   | <b>०</b> | <b>०</b>   | <b>४</b>  | <b>६</b>   |     |
| ५                      |                                | बल्टाकुरा सान्डान टाकुरी सडक   | ५००                      | १६५        | ३३        | १३२        | ०        | १६५        | ३३        | १३२        | ०        | १६५        | ३३        | १३२        |     |

|    |  |           |          |         |          |   |          |         |          |   |          |         |          |   |
|----|--|-----------|----------|---------|----------|---|----------|---------|----------|---|----------|---------|----------|---|
| ६  | खर्कटोल डाढा<br>दलित टोल सडक   | ३००<br>०  | ९९०      | १९<br>८ | ७९२      | ० | ९९०      | १९<br>८ | ७९२      | ० | ९९०      | १९<br>८ | ७९२      | ० |
| ७  | छापा आरु गौरा<br>सडक   | १००<br>०० | ३३०<br>० | ६६<br>० | २६४      | ० | ३३०<br>० | ६६<br>० | २६४      | ० | ३३०<br>० | ६६<br>० | २६४      | ० |
| ८  | खार्पानी खोरबारे<br>ठाउखानी  | १००<br>०  | ३३०      | ६६      | २६४      | ० | ३३०      | ६६      | २६४      | ० | ३३०      | ६६      | २६४      | ० |
| ९  | वाडाबोर डोबरी<br>सडक   | १००<br>०  | ३३०      | ६६      | २६४      | ० | ३३०      | ६६      | २६४      | ० | ३३०      | ६६      | २६४      | ० |
| १० | द्वारपानी खामागारे<br>सडक विस्तार  | ५००       | १६५      | ३३      | १३२      | ० | १६५      | ३३      | १३२      | ० | १६५      | ३३      | १३२      | ० |
| ११ | कपुरकोट<br>दमारखोला,<br>सिमलकुना हुँदै<br>दाड हलवार<br>जोड्ने सडक<br>विस्तार                 |           | ०        | ०       | ०        | ० | ०        | ०       | ०        | ० | ०        | ०       | ०        | ० |
| १२ | भकम खहरे गार्पा<br>सडक निर्माण   | ४००<br>०  | १३२<br>० | २६<br>४ | १०५<br>६ | ० | १३२<br>० | २६<br>४ | १०५<br>६ | ० | १३२<br>० | २६<br>४ | १०५<br>६ | ० |
| १३ | रिठाबोट ओवांग<br>दहखोला सडक<br>निर्माण   | ४००<br>०  | १३२<br>० | २६<br>४ | १०५<br>६ | ० | १३२<br>० | २६<br>४ | १०५<br>६ | ० | १३२<br>० | २६<br>४ | १०५<br>६ | ० |
| १४ | कपुरकोट,<br>दानवांग,ढलढाना,<br>गोठीवन हुँदै<br>रिठाबोट सम्म<br>स्तरौन्ती                     | ४००<br>०  | १३२<br>० | २६<br>४ | १०५<br>६ | ० | १३२<br>० | २६<br>४ | १०५<br>६ | ० | १३२<br>० | २६<br>४ | १०५<br>६ | ० |
| १५ | बगाले गार्पा<br>गोठीवन,<br>दहखोला तेलाली<br>सम्म   | ५००<br>०  | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२      | ० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२      | ० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२      | ० |
| १६ | खाली गार्पा<br>दहवन,<br>कालपात्ला हुँदै<br>रोल्पा जोड्ने<br>सडक ग्रावेल गर्ने<br>र पिच गर्ने | ५००<br>०  | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२      | ० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२      | ० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२      | ० |
| १७ | खाली खहरे<br>अम्रैडाँडा सडक<br>स्तरउन्ती   | ५००<br>०  | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२      | ० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२      | ० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२      | ० |
| १८ | गार्पा ढनठाना<br>सडक स्तरौन्ती   | ५००       | १६५      | ३३      | १३२      | ० | १६५      | ३३      | १३२      | ० | १६५      | ३३      | १३२      | ० |

|    |  |            |            |           |            |          |            |           |            |          |            |           |            |          |
|----|--|------------|------------|-----------|------------|----------|------------|-----------|------------|----------|------------|-----------|------------|----------|
|    |  | ०          | ०          | ०         | ०          | ०        | ०          | ०         | ०          | ०        | ०          | ०         | ०          |          |
| १९ | पालिका भएर आवत जावत गर्ने सबैखाले यातायात र ढुवानीको साधनहरुलाई पालिकाको मातहतमा ल्याई कर तथा व्यवस्थापन प्रणाली सुनिश्चित गर्ने । | ५००<br>०   | १६५<br>०   | ३३<br>०   | १३२<br>०   | ०        | १६५<br>०   | ३३<br>०   | १३२<br>०   | ०        | १६५<br>०   | ३३<br>०   | १३२<br>०   | ०        |
| २० | सोलवांग अवलवन कृषि सडक योजना मुलपानी सोलावांग  | ५००<br>०   | १६५<br>०   | ३३<br>०   | १३२<br>०   | ०        | १६५<br>०   | ३३<br>०   | १३२<br>०   | ०        | १६५<br>०   | ३३<br>०   | १३२<br>०   | ०        |
| २१ | माथिल्लो गाउँ दवांग घांगे खोला कृषि सडक योजना माथिल्लो गाउँ मुलपानी  | ५००<br>०   | १६५<br>०   | ३३<br>०   | १३२<br>०   | ०        | १६५<br>०   | ३३<br>०   | १३२<br>०   | ०        | १६५<br>०   | ३३<br>०   | १३२<br>०   | ०        |
| २२ | कपुरकोट धनवांग वडा कार्यलय हुँदै फलावांग जोड्ने सडकलाई नाली तथा ग्राभेल र पक्की गर्ने ।  | ५००<br>०   | १६५<br>०   | ३३<br>०   | १३२<br>०   | ०        | १६५<br>०   | ३३<br>०   | १३२<br>०   | ०        | १६५<br>०   | ३३<br>०   | १३२<br>०   | ०        |
| २३ | पाथिहाल्ना धाराखोला रावत टोल हुँदै ठुली जोड्ने सडकलाई जोड्ने स्तरोन्नती गर्ने र चालु गर्ने   | ५००<br>०   | १६५<br>०   | ३३<br>०   | १३२<br>०   | ०        | १६५<br>०   | ३३<br>०   | १३२<br>०   | ०        | १६५<br>०   | ३३<br>०   | १३२<br>०   | ०        |
| २४ | कपुरकोट फलवांग जोड्ने माथिल्लो सडकलाई मर्मत गरी नियमित ठुलागाडी चल्ने गरी सडक स्तरोन्नती गर्ने ।                                   | ५००<br>०   | १६५<br>०   | ३३<br>०   | १३२<br>०   | ०        | १६५<br>०   | ३३<br>०   | १३२<br>०   | ०        | १६५<br>०   | ३३<br>०   | १३२<br>०   | ०        |
| ३  | <b>विद्युत तथा</b>   | <b>२२०</b> | <b>७२६</b> | <b>१४</b> | <b>५८०</b> | <b>०</b> | <b>७२६</b> | <b>१४</b> | <b>५८०</b> | <b>०</b> | <b>७२६</b> | <b>१४</b> | <b>५८०</b> | <b>०</b> |

|   |   |  |            |            |           |            |   |            |           |            |    |            |           |            |   |
|---|---|--|------------|------------|-----------|------------|---|------------|-----------|------------|----|------------|-----------|------------|---|
|   |   | <b>बैकल्पिक उर्जा</b>  | ००         | ०          | ५२        | ८          | ० | ५२         | ८         | ०          | ५२ | ८          |           |            |   |
| १                                       |   | धुवाँ रहित चुलो निर्माण कार्यक्रम                                | २००        | ६६०        | १३        | ५२८        | ० | ६६०        | १३        | ५२८        | ०  | ६६०        | १३        | ५२८        | ० |
| २                                       |   | बिद्युत पोल तथा तार बिस्तार योजना                                | २००        | ६६०        | १३        | ५२८        | ० | ६६०        | १३        | ५२८        | ०  | ६६०        | १३        | ५२८        | ० |
| ४                                       |   | <b>संचार तथा सूचना प्रविधि</b>                                   | २३०        | ७५९        | १५        | ६०७        | ० | ७५९        | १५        | ६०७        | ०  | ७५९        | १५        | ६०७        | ० |
| १                                       |   | पालिकाका मुख्य स्थानहरुमा निःशुल्क इन्टरनेटको सुविधा             | ३००        | ९९         | २०        | ७९         | ० | ९९         | २०        | ७९         | ०  | ९९         | २०        | ७९         | ० |
| २                                       |   | साइबर अपराध र कानुनी जटिलतामा सचेतना                             | ५००        | १६५        | ३३        | १३२        | ० | १६५        | ३३        | १३२        | ०  | १६५        | ३३        | १३२        | ० |
| ३                                       |   | शिक्षा तथा स्वास्थ्य संस्थामा इन्टरनेटको व्यवस्था                | १५०        | ४९५        | ९९        | ३९६        | ० | ४९५        | ९९        | ३९६        | ०  | ४९५        | ९९        | ३९६        | ० |
| ५                                       |   | <b>सार्वजनिक निर्माण</b>   | ५००        | १६५        | ३३        | १३२        | ० | १६५        | ३३        | १३२        | ०  | १६५        | ३३        | १३२        | ० |
| १                                       |   | खरको छाना मुक्त कार्यक्रम  | ५००        | १६५        | ३३        | १३२        | ० | १६५        | ३३        | १३२        | ०  | १६५        | ३३        | १३२        | ० |
| <b>वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन</b> |   |  | <b>१५४</b> | <b>५०८</b> | <b>१०</b> | <b>४०६</b> |   | <b>५०८</b> | <b>१०</b> | <b>४०६</b> |    | <b>५०८</b> | <b>१०</b> | <b>४०६</b> |   |
|   |   |  | ००         | २          | १६        | ६          | ० | २          | १६        | ६          | ०  | २          | १६        | ६          | ० |
| १                                       | <b>वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन</b> | <b>जलाधार तथा जैविक विविधता संरक्षण</b>                          | ८१०        | २६७        | ५३        | २१३        | ० | २६७        | ५३        | २१३        | ०  | २६७        | ५३        | २१३        | ० |
|   |   | जिव तथा वनस्पतिको लागि संरक्षण कार्यक्रम                         | ५००        | १६५        | ३३        | १३२        | ० | १६५        | ३३        | १३२        | ०  | १६५        | ३३        | १३२        | ० |
|   |   | सरकारी तथा सामुदायिक वन भित्र रहेका मुहान वरीपरि बृक्षरोपण गर्ने | ५००        | १६५        | ३३        | १३२        | ० | १६५        | ३३        | १३२        | ०  | १६५        | ३३        | १३२        | ० |



|    |   |     |     |    |     |   |     |    |     |   |     |    |     |   |
|----|---|-----|-----|----|-----|---|-----|----|-----|---|-----|----|-----|---|
|    | जंगली जनावरको चोरी पैठारीको नियन्त्रणमा सहयोग गर्ने ।                                   | १०० | ३३  | ७  | २६  | ० | ३३  | ७  | २६  | ० | ३३  | ७  | २६  | ० |
|    | पानीका मुहान भएका स्थानमा गाई , बाखा, जानबाट रोकथामका लागि घेरवार ।                     | १०० | ३३० | ६६ | २६४ | ० | ३३० | ६६ | २६४ | ० | ३३० | ६६ | २६४ | ० |
|    | सरकारी तथा सामुदायिक वनीभित्र रहेका पानीका मुहानबाट समुदाय सम्म पानी ल्याउन पहल गर्ने । | १०० | ३३० | ६६ | २६४ | ० | ३३० | ६६ | २६४ | ० | ३३० | ६६ | २६४ | ० |
| १. | पोखरी तथा विभिन्न मुलहरुको मुहान संरक्षण  | ५०० | १६५ | ३३ | १३२ | ० | १६५ | ३३ | १३२ | ० | १६५ | ३३ | १३२ | ० |
| २  | <b>बतावरणीय स्वच्छता</b>  | ५९५ | १९६ | ३९ | १५७ | ० | १९६ | ३९ | १५७ | ० | १९६ | ३९ | १५७ | ० |
| १  | वडाका मुख्य टोलहरुमा डस्टबिन वितरण  | ५०० | १६५ | ३३ | १३२ | ० | १६५ | ३३ | १३२ | ० | १६५ | ३३ | १३२ | ० |
| ३  | नियमित सरसफाइ अभियानहरु संचालन गर्ने  | १०० | ३३  | ७  | २६  | ० | ३३  | ७  | २६  | ० | ३३  | ७  | २६  | ० |
|    | बृक्षरोपण तथा भूक्षय रोकथाम कार्यक्रम   | ५०० | १६५ | ३३ | १३२ | ० | १६५ | ३३ | १३२ | ० | १६५ | ३३ | १३२ | ० |
|    | रासायनिक मल तथा किटनाशक औषधीको प्रयोगमा नियन्त्रण ।                                     | १०० | ३३  | ७  | २६  | ० | ३३  | ७  | २६  | ० | ३३  | ७  | २६  | ० |

|    |                           |   |            |           |            |           |            |          |            |           |            |          |            |           |            |          |
|----|---------------------------|---|------------|-----------|------------|-----------|------------|----------|------------|-----------|------------|----------|------------|-----------|------------|----------|
| ४  |                           | वातावरणीय स्वच्छता सम्बन्धी सचेतनामूलक कार्यक्रमहरु संचालन गर्ने        | २५०        | ८३        | १७         | ६६        | ०          | ८३       | १७         | ६६        | ०          | ८३       | १७         | ६६        | ०          |          |
| ५  |                           | विपद् व्यवस्थापन  | १३५        | ०         | ४४६        | ८९        | ३५६        | ०        | ४४६        | ८९        | ३५६        | ०        | ४४६        | ८९        | ३५६        | ०        |
| १  |                           | विपद् व्यवस्थापन सम्बन्धी सचेतनामूलक कार्यक्रम संचालन गर्ने             | २५०        | ८३        | १७         | ६६        | ०          | ८३       | १७         | ६६        | ०          | ८३       | १७         | ६६        | ०          |          |
| २  |                           | विपद् सम्बन्धी नक्साङ्कन तथा विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना तयार | ५००        | १६५       | ३३         | १३२       | ०          | १६५      | ३३         | १३२       | ०          | १६५      | ३३         | १३२       | ०          |          |
| ३  |                           | आपतकालीन अवस्थाका लागि अत्यावश्यक सामाग्रीहरु तयारी अवस्थामा राख्ने     | ५००        | १६५       | ३३         | १३२       | ०          | १६५      | ३३         | १३२       | ०          | १६५      | ३३         | १३२       | ०          |          |
| ४  |                           | विपद् व्यवस्थापन सम्बन्धी वडा तथा समुदाय तहसम्म संरचना तयार गर्ने       | १००        | ३३        | ७          | २६        | ०          | ३३       | ७          | २६        | ०          | ३३       | ७          | २६        | ०          |          |
|    |                           | <b>सुशासन तथा संस्थागत विकास</b>  | <b>१२७</b> | <b>५०</b> | <b>४२०</b> | <b>८४</b> | <b>३३६</b> | <b>०</b> | <b>४२०</b> | <b>८४</b> | <b>३३६</b> | <b>०</b> | <b>४२०</b> | <b>८४</b> | <b>३३६</b> | <b>०</b> |
| १. | सुशासन तथा संस्थागत विकास | विद्युतीय शासन प्रवर्द्धन कार्यक्रम                                     | १००        | ०         | ३३०        | ६६        | २६४        | ०        | ३३०        | ६६        | २६४        | ०        | ३३०        | ६६        | २६४        | ०        |
| १. |                           | नागरिक सन्तुष्टि सर्वेक्षण  | ५००        | १६५       | ३३         | १३२       | ०          | १६५      | ३३         | १३२       | ०          | १६५      | ३३         | १३२       | ०          |          |
| १. |                           | जनप्रतिनिधि, कर्मचारी, नागरिक संस्था क्षमता अभिवृद्धि                   | २००        | ०         | ६६०        | १३        | ५२८        | ०        | ६६०        | १३        | ५२८        | ०        | ६६०        | १३        | ५२८        | ०        |

|         |   |          |          |         |          |   |          |         |          |   |          |         |          |   |
|---------|---|----------|----------|---------|----------|---|----------|---------|----------|---|----------|---------|----------|---|
|         | कार्यक्रम   |          |          |         |          |   |          |         |          |   |          |         |          |   |
| १.<br>४ | लैससास<br>मूलप्रवाहिकरण<br>र बजेट परिक्षण   | ३००      | ९९       | २०      | ७९       | ० | ९९       | २०      | ७९       | ० | ९९       | २०      | ७९       | ० |
| १.<br>५ | सूचनाको हक<br>सम्बन्धी<br>अनुशिक्षण<br>कार्यक्रम  | १००      | ३३       | ७       | २६       | ० | ३३       | ७       | २६       | ० | ३३       | ७       | २६       | ० |
| १.<br>६ | सार्वजनिक<br>सुनुवाइ<br>कार्यक्रम   | ५००<br>० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० | ० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० | ० | १६५<br>० | ३३<br>० | १३२<br>० | ० |
| १.<br>७ | गुनासो सुनुवाइ<br>सम्यन्त्र स्थापना   | १००<br>० | ३३०      | ६६      | २६४      | ० | ३३०      | ६६      | २६४      | ० | ३३०      | ६६      | २६४      | ० |
| १.<br>८ | सामाजिक<br>परिक्षण<br>कार्यक्रम   | १००<br>० | ३३०      | ६६      | २६४      | ० | ३३०      | ६६      | २६४      | ० | ३३०      | ६६      | २६४      | ० |
| १.<br>९ | पालिकाले<br>गरएका राम्रा<br>काम तथा<br>अभ्यासहरुको<br>दस्तावेजीकरण  | ५००      | १६५      | ३३      | १३२      | ० | १६५      | ३३      | १३२      | ० | १६५      | ३३      | १३२      | ० |
| २<br>०  | जनप्रतिनिधि र<br>नागरिक बीच<br>अन्तर्क्रिया गर्ने   | २५०      | ८३       | १७      | ६६       | ० | ८३       | १७      | ६६       | ० | ८३       | १७      | ६६       | ० |
| २<br>२  | सम्पूर्ण<br>पुर्वाधारजन्य<br>आयोजनाका<br>उपभोक्ताहरुला<br>ई तालिम   | ३००      | ९९       | २०      | ७९       | ० | ९९       | २०      | ७९       | ० | ९९       | २०      | ७९       | ० |
| २<br>३  | मदिरा विक्रि<br>वितरण<br>व्यवस्थित गर्ने<br>कार्यविधि,<br>सा.व.<br>व्यवस्थापन<br>कार्यविधि तथा<br>अन्य आवश्यक<br>कार्यविधि<br>निर्माण | १००      | ३३       | ७       | २६       | ० | ३३       | ७       | २६       | ० | ३३       | ७       | २६       | ० |
| २<br>४  | कर्मचारीहरुको<br>क्षमता<br>विकासका लागि   | ५००      | १६५      | ३३      | १३२      | ० | १६५      | ३३      | १३२      | ० | १६५      | ३३      | १३२      | ० |

|        |  |   |     |    |    |    |   |    |    |    |   |    |    |    |   |
|--------|--|---|-----|----|----|----|---|----|----|----|---|----|----|----|---|
|        |  | तालिम संचालन ।  |     |    |    |    |   |    |    |    |   |    |    |    |   |
| २<br>५ |  | आमा समूह,<br>स्वस्थ<br>स्वयमसेविकाका<br>क्षमताविकास<br>तालिम संचालन | 200 | ६६ | १३ | ५३ | ० | ६६ | १३ | ५३ | ० | ६६ | १३ | ५३ | ० |

#### ८.४ रणनीतिक स्तम्भको आधारमा आगामी ३ आ.ब. को बजेट प्रक्षेपणको बाँडफाड

रणनीतिक स्तम्भको आधारमा आगामी तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण निम्नानुसार तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका २९: रणनीतिक स्तम्भका आधारमा बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण

| रणनीतिक संकेत | रणनीतिक स्तम्भ         | आधार वर्ष आ.ब. २०७९/८० विनियोजन | प्रति शत  | आ.ब. २०८०/८१ को बजेट प्रक्षेपण | प्रति शत  | आ.ब. २०८१/८२ को बजेट प्रक्षेपण | प्रतिशत   | आ.ब. २०८२/८३ को बजेट प्रक्षेपण | प्रतिशत   | ३ आ.ब.को प्रक्षेपित जम्मा बजेट | प्रति शत  |
|---------------|------------------------|---------------------------------|-----------|--------------------------------|-----------|--------------------------------|-----------|--------------------------------|-----------|--------------------------------|-----------|
| १             | आर्थिक विकास रणनीति    | ४१९६<br>५०००                    | १०.०<br>२ | ७५४८३०<br>८९.१९                | १८.<br>२३ | ७८२७९३<br>६१.४७                | १७.७<br>१ | ८०४९७३<br>७६.६४                | १७.३<br>४ | २३४२५९<br>८२७.३                | १७.<br>७४ |
| २             | सामाजिक विकास रणनीति   | २३०९<br>८२४३<br>९               | ५५.१<br>४ | २१५२६६<br>३७१.१९               | ५१.<br>९८ | २३०६५४<br>४८८.५८               | ५२.१<br>८ | २४२८६०<br>४०९.३२               | ५२.३<br>२ | ६८८७८१<br>२६९.०९               | ५२.<br>१७ |
| ३             | पूर्वाधार विकास रणनीति | १४१६<br>७४२०<br>५               | ३३.८<br>२ | ११९७४९<br>९५६.९७               | २८.<br>९२ | १२९१८६<br>९४४.९४               | २९.२<br>३ | १३६६७२<br>४०४.२८               | २९.४<br>४ | ३८५६०९<br>३०६.१९               | २९.<br>२१ |

|   |  |                   |      |                |          |                |      |               |      |                 |          |
|---|--|-------------------|------|----------------|----------|----------------|------|---------------|------|-----------------|----------|
| ४ | वातावरण तथा जलवायु विकास रणनीति                | ३१००<br>००        | ०.०७ | २६२५१३.<br>६१  | ०.०<br>६ | २८३२०१.<br>१९  | ०.०६ | २९९६१०.<br>६८ | ०.०६ | ८४५३२५.<br>४८   | ०.०<br>६ |
| ५ | सुशासन तथा अन्तरसम्बन्धित क्षेत्र विकास रणनीति | ३९६०<br>०००       | ०.९५ | ३३६८९२<br>४.६२ | ०.८<br>१ | ३६३४४१<br>५.३३ | ०.८२ | ३८४५००<br>३.७ | ०.८३ | १०८४८३<br>४३.६५ | ०.८<br>२ |
|   | कुल जम्मा                                      | ४१८८<br>९१६४<br>४ | १००  | ४१४१३०<br>८५६  | १००<br>. | ४४२०३८<br>४१२  | १००. | ४६४१७४<br>८०५ | १००. | १३२०३४<br>४०७२  | १००<br>. |

#### ८.५ कार्यक्रम तथा आयोजनाको प्राथमिकता क्रम बमोजिम तीन आ. व.को बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण

प्राथमिकताक्रमका आधारमा आगामी तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण निम्नानुसार तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका ३०: प्राथमिकताक्रमका आधारमा बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण (रु. )

| प्राथमिकता क्रम | आयोजना संख्या | आधार वर्ष आ. व. ०७९/०८० को विनियोजन |   | आ. व. ०८०/०८१ को खर्च प्रक्षेपण |     | आ. व. ०८१/०८२ को खर्च प्रक्षेपण |     | आ. व. ०८२/०८३ को खर्च प्रक्षेपण |     |
|-----------------|---------------|-------------------------------------|---|---------------------------------|-----|---------------------------------|-----|---------------------------------|-----|
|                 |               | रकम                                 | % | रकम                             | %   | रकम                             | %   | रकम                             | %   |
| १               | १३५           |                                     |   | २८९८९१५९९।२                     | ७०  | २६५२२३०४७                       | ६०  | २३२०८७४०२।५                     | ५०  |
| २               | ८८            |                                     |   | १२४२३९२५६।८                     | ३०  | १७६८१५३६५                       | ४०  | २३२०८७४०२।५                     | ५०  |
| कुल जम्मा       | २२३           | ०                                   | ० | ४१४१३०८५६                       | १०० | ४४२०३८४१२                       | १०० | ४६४१७४८०५                       | १०० |

८.६. दीगो विकास लक्ष्यका आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण

दीगो विकास लक्ष्यका आधारमा आमी तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण निम्नानुसार तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका ३१: दीगो विकास लक्ष्यका आधारमा बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण (रु. )

| संकेत नम्बर | लैंगिक संकेत   | आधार वर्ष आ. व. ०७९/०८० को विनियोजन |    | आ. व. ०८०/०८१ को खर्च प्रक्षेपण |    | आ. व. ०८१/०८२ को खर्च प्रक्षेपण |    | आ. व. ०८२/०८३ को खर्च प्रक्षेपण |    |
|-------------|--|-------------------------------------|----|---------------------------------|----|---------------------------------|----|---------------------------------|----|
|             |  | रकम                                 | %  | रकम                             | %  | रकम                             | %  | रकम                             | %  |
| १           | हरेक क्षेत्रमा रहेका सबै स्वरूपका विषम गरीबीको अन्त्य                                | ५८६४४८३०                            | १४ | ६२११९६२८                        | १५ | ७०७२६१४६                        | १६ | ७८९०९७१७                        | १७ |
| २           | भोकमरीको अन्त्य गर्ने, खाद्य सुरक्षा तथा उन्नत पोषण प्राप्त र दीगो कृषिको प्रवर्द्धन | २०९४४५८२                            | ५  | २०७०६५४३                        | ५  | २६५२२३०५                        | ६  | ३२४९२२३६                        | ७  |
| ३           | सबै उमेर समुहका व्यक्तिको स्वस्थ जीवनको सुनिश्चितता                                  | ३३५११३३२                            | ८  | २८९८९१६०                        | ७  | ३०९४२६८९                        | ७  | ४६४१७४८१                        | १० |
| ४           | समावेशी तथा समतामूलक गुणस्तरीय शिक्षा  | ३३५११३३२                            | ८  | ३३१३०४६८                        | ८  | ३९७८३४५७                        | ९  | ३७१३३९८४                        | ८  |
| ५           | लैङ्गिक समानता हासिल गर्ने   | २०९४४५८२                            | ५  | २०७०६५४३                        | ५  | ०                               | ०  | ४६४१७४८                         | १  |
| ६           | खानेपानी तथा सरसफाईको उपलब्धता र यसको दीगो व्यवस्थापन                                | ५०२६६९९७                            | १२ | ४९६९५७०३                        | १२ | १३२६११५२                        | ३  | ९२८३४९६                         | २  |
| ७           | खर्चले धान्न सकिने, भरपर्दो, दीगो र आधुनिक उर्जामा सबैको पहुँच                       | ४६०७८०८१                            | ११ | ४५५५४३९४                        | ११ | ३०९४२६८९                        | ७  | ३२४९२२३६                        | ७  |

|    |  |          |    |          |    |          |    |          |    |
|----|--|----------|----|----------|----|----------|----|----------|----|
| ८  | स्थिर, समावेशी र दीगो आर्थिक वृद्धि, पूर्ण उत्पादनशील रोजगारी र मर्यादित श्रम  | २९३२२४९५ | ७  | २८९८९९६० | ७  | ९३२६९९५२ | ३  | ९३९२५२४४ | ३  |
| ९  | उत्थानशील पूर्वाधारको निर्माण, समावेशी र दीगो औद्योगिकीकरण र नव प्रवर्तन   | ५०२६६९९७ | ९२ | ४९६९५७०३ | ९२ | ८८४०७६८२ | २० | ८८९९३२९३ | ९९ |
| १० | मुलुक भित्र र अन्य मुलुक विचको असमानता कम गर्ने  | २०९४४५८२ | ५  | २०७०६५४३ | ५  | ४४२०३८४  | ९  | ४६४९७४८  | ९  |
| ११ | शहर र मानव वस्तीलाई समावेशी, सुरक्षित, उत्थानशील र दीगो बनाउने   | ८३७७८३३  | २  | ८२८२६९७  | २  | ५३०४४६०९ | ९२ | ५९०५९२२९ | ९९ |
| १२ | दीगो उपभोग र उत्पादन   | ९२५६६७४९ | ३  | ९२४२३९२६ | ३  | ८८४०७६८  | २  | ९८५६६९९२ | ४  |
| १३ | जलवायु परिवर्तन  | २५९३३४९९ | ६  | २४८४७८५९ | ६  | ४४२०३८४  | ९  | ९२८३४९६  | २  |
| १४ | स्थानीय तहका लागि असान्दर्भिक  | ०        | ०  | ०        | ०  | ०        | ०  | ०        | ०  |
| १५ | पारिस्थितिकीय प्रणालीको दिगो उपयोग   | ८३७७८३३  | २  | ८२८२६९७  | २  | ४४२०३८४  | ९  | ४६४९७४८  | ९  |
| १६ | दीगो विकासका लागि शान्ति र समावेशी समाजको विकास गर्ने, सबैका लागि न्यायको पहुँच, प्रभावकारी, जवाफदेही तथा समावेशी संस्थाको निर्माण गर्ने | ४९८८९९६  | ९  | ४९४९३०९  | ९  | ४४२०३८४९ | ९० | २७८५०४८८ | ६  |

|           |   |           |     |           |     |           |     |           |     |
|-----------|---|-----------|-----|-----------|-----|-----------|-----|-----------|-----|
| १७        | दीगो विकासका लागि विश्व व्यापी साभेदारीलाई जिवन्त तुल्याउने | ४१८८९१६   | १   | ४१४९३०९   | १   | ४४२०३८४   | १   | ४६४१७४८   | १   |
| कुल जम्मा |   | ४१८८९१६४४ | १०० | ४१४९३०८५६ | १०० | ४४२०३८४१२ | १०० | ४६४१७४८०५ | १०० |

#### ८.७ लैंगिक संकेतका आधारमा तीन आर्थिक वर्षको अनुमान र प्रक्षेपण

महिला र पुरुषको आवश्यकता अनुरूप कार्यक्रम र बजेट विनियोजन गर्न लैङ्गिक उत्तरदायी बजेटलाई माध्यमको रूपमा लिइएको छ । सार्वजनिक स्रोत र साधनको अनुमान, वितरणर उपयोगलाई प्रभावकारी तुल्याउन आर्थिक वर्ष २०६४/६५ देखि लैङ्गिक उत्तरदायी बजेट प्रणाली कार्यान्वयनमा ल्याइएको हो । खासगरी निर्णय प्रक्रियामा महिलाहरूको अर्थपूर्ण सहभागिता बढाउन, प्राप्त लाभको समानुपातिक वितरण गर्न र रोजगारी वृद्धि गर्न, समयको प्रयोगमा गुणात्मक सुधार गर्न लैङ्गिक उत्तरदायी बजेट प्रणालीले कार्यक्रम तर्जुमा गर्न प्रत्यक्ष सहयोग पुऱ्याउने उद्देश्य लिएको छ । लैंगिक संकेतका आधारमा आगामी तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण निम्नानुसार निम्नानुसार तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका ३२: लैंगिक संकेतका आधारमा बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण रु.

| संकेत नम्बर | लैंगिक संकेत | आधार वर्ष आ. व. ०७९/०८० को विनियोजन |     | आ. व. ०८०/०८१ को खर्च प्रक्षेपण |     | आ. व. ०८१/०८२ को खर्च प्रक्षेपण |     | आ. व. ०८२/०८३ को खर्च प्रक्षेपण |     |
|-------------|--------------|-------------------------------------|-----|---------------------------------|-----|---------------------------------|-----|---------------------------------|-----|
|             |              | रकम                                 | %   | रकम                             | %   | रकम                             | %   | रकम                             | %   |
| १           | निर्दिष्ट    | ४६०७८०८०१८                          | ११  | ४९६९५७०३                        | १२  | ६१८८५३७८                        | १४  | ६०३४२७२५                        | १३  |
| २           | सहयोगी       | २०९४४५८२२                           | ५०  | २१५३४८०४५                       | ५२  | २४३९२९१२७                       | ५५  | १८५६६९९२२                       | ४०  |
| ३           | तटस्थ        | १६३३६७७४१                           | ३९  | १४९०८७१०८                       | ३६  | १३७०३९९०८                       | ३१  | २१८९६२९५८                       | ४७  |
| जम्मा       |              | ४१८८९१६४४                           | १०० | ४१४९३०८५६                       | १०० | ४४२०३८४१२                       | १०० | ४६४१७४८०५                       | १०० |

#### ८.८ जलवायु संकेतका आधारमा तीन आर्थिक वर्षको अनुमान र प्रक्षेपण

जलवायु परिवर्तनले विकासका सबै क्षेत्रहरूलाई असर गर्ने र ती असरहरू एक आपसमा सम्बन्धित र आधारित समेत हुने भएकोले जलवायु परिवर्तनको प्रभावको सामाना गर्न समुदाय लगायत संस्थाहरूको अनुकूलन क्षमता अभिवृद्धि गर्नु आवश्यक छ । साथै जलवायु परिवर्तन र विकासका विभिन्न क्षेत्र बीचका सम्बन्धका बारेमा सूचना र जानकारी बढाउँदै लैजानु पर्ने हुन्छ । कुन कुन विषय क्षेत्रका कुन कुन कार्यक्रम जलवायु परिवर्तनमा केन्द्रित छन् वा आगामी दिनमा जलवायु परिवर्तनमा कसरी केन्द्रित गर्दै लग्नु पर्दछ भन्ने बारे जानकारी उपलब्ध हुन सकेमा अनुकूलन क्षमता अभिवृद्धिका साथै लगानी वृद्धि गर्न समेत सघाउ पुग्न सक्ने देखिन्छ । साथै जलवायु परिवर्तन र वातावरण व्यवस्थापन कार्यक्रमका बीच रहेको भिन्नता एकिन गरी जलवायु परिवर्तनमा मात्र भएको खर्च छुट्याउने आधारको विकास गर्नु पनि त्यत्तिकै जरुरी छ । यसको लागि जलवायु परिवर्तन बजेट कोडको प्रयोग गर्नु मनासिव हुने भएको र उक्त कोडको प्रयोगले जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी कार्यमा भएको लगानीको प्रभावकारी कार्यान्वयन तथा अनुगमनमा समेत



सहयोग पुग्ने भएकोले जलवायु परिवर्तन बजेट कोडको प्रयोग गरिएको हो । जलवायु संकेतका आधारमा आगामी तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण निम्नानुसार निम्नानुसार तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका ३३: जलवायु संकेतका आधारमा बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण (रु. )

| संकेत नम्बर      | जलवायु परिवर्तन संकेत | आधार वर्ष आ. व. ०७९/०८० को विनियोजन |            | आ. व. ०८०/०८१ को खर्च प्रक्षेपण |            | आ. व. ०८१/०८२ को खर्च प्रक्षेपण |            | आ. व. ०८२/०८३ को खर्च प्रक्षेपण |            |
|------------------|-----------------------|-------------------------------------|------------|---------------------------------|------------|---------------------------------|------------|---------------------------------|------------|
|                  |                       | रकम                                 | %          | रकम                             | %          | रकम                             | %          | रकम                             | %          |
| १                | प्रत्यक्ष योगदान      | १६७५५६६५।८                          | ४          | १६५६५२३४                        | ४          | २२१०१९२१                        | ५          | २७८५०४८८                        | ६          |
| २                | अप्रत्यक्ष योगदान     | ७१२११५७९                            | १७         | ७४५४३५५४                        | १८         | ८८४०७६८२                        | २०         | ९७४७६७०९                        | २१         |
| ३                | तटस्थ                 | ३३०९२४३९९                           | ७९         | ३२३०२२०६८                       | ७८         | ३३१५२८८०९                       | ७५         | ३३८८४७६०८                       | ७३         |
| <b>कुल जम्मा</b> |                       | <b>४१८८९१६४४</b>                    | <b>१००</b> | <b>४१४१३०८५६</b>                | <b>१००</b> | <b>४४२०३८४१२</b>                | <b>१००</b> | <b>४६४१७४८०५</b>                | <b>१००</b> |